राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

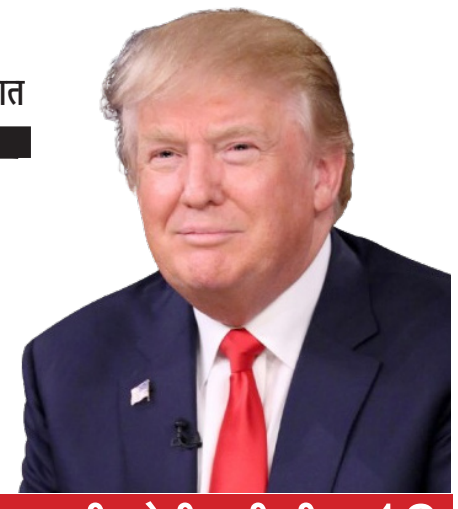

11 बुमराह एंड कंपनी का सामना करने के लिए तैयार हैं ऑस्ट्रेलिया के ...

मेरे शपथ ग्रहण से पहले छोड़ दो बंधक नहीं तो चुकानी पड़ेगी भारी की ... 12

वर्ष : 15 | अंक : 128 | नई दिल्ली, बुधवार, 04 दिसंबर, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 36°C

न्यूनतम तापमान 28.0°C

हां 30%
नहीं 50%
कह नहीं सकते 10%

बाजार

सोना 71,105

चांदी 81,500

सेंसेक्स 78,886

निफ्टी 24,117

संक्षिप्त खबरें

मोदी ने तमिलनाडु में बाढ़ की स्थिति पर स्टालिन से की बात

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तमिलनाडु में बाढ़ की स्थिति पर मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से बातचीत की है। यह जानकारी यहां अधिकारी सूत्रों ने दी। सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि श्री मोदी ने श्री स्टालिन को बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए केन्द्र की ओर से हर संभव सहायता और सहयोग देने का आश्वासन दिया है।

हमीरपुर में भीषण सड़क दुर्घटना में तीन की मौत, सीएम योगी ने लिया संज्ञान

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में मंगलवार को तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला है, जिसमें ट्रोला और टैंकर के परखच्चे उड़ गए हैं।यह टक्कर मौदहा कोतवाली क्षेत्र के नेशनल हाईवे 34 पर हुई जहां तेज रफ्तार टैंकर और ट्रोला के आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत में परखच्चे उड़ गए। इस भीषण सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई है। वहीं, एक युवक की हालत नाजुक बताई जा रही है। मौके पर पहुंची पुलिस ने जैसे-तैसे मृतकों को गाड़ी से निकाला और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक दीक्षा शर्मा ने हादसे में तीन की मौत की पुष्टि की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद हमीरपुर में हुए सड़क हादसे का संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री ने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

महत्वपूर्ण खबर

सुधार की दिशा में बढ़ रहे हैं भारत-चीन संबंध : विदेश मंत्री

नई दिल्ली, । विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि भारत-चीन संबंध जो 2020 से असामान्य थे, अब कुछ सुधार की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। चीन के साथ भारत के संबंधों में हाल के घटनाक्रम के संबंध में लोकसभा में वक्तव्य देते हुए विदेश मंत्री ने भारत-चीन रिश्तों, विशेषकर सीमावर्ती क्षेत्रों में हाल के घटनाक्रमों पर विस्तृत जानकारी दी। लोकसभा में बोलते हुए जयशंकर ने कहा, हमारे (भारत-चीन) संबंध 2020 से असामान्य हुए, जब चीनी कार्रवाइयों के परिणामस्वरूप सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता भंग हुई थी।

पराली जलाना किसानों की मजबूरी, समाधान के लिए प्रति एकड़ 2,500 रुपये मुआवजा दिया जाए: चड्ढा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राघव चड्ढा ने धान की फसल कटने के बाद पराली जलाए जाने को किसानों की मजबूरी बताते हुए मंगलवार को सुझाव दिया कि यदि उन्हें प्रति एकड़ 2,500 रुपये मुआवजा के तौर पर दिया जाए तो इस समस्या का अल्पकालिक समाधान निकल सकता है। राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान चड्ढा ने यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि वायु प्रदूषण केवल दिल्ली का मुद्दा नहीं है बल्कि पूरे उत्तर भारत का मुद्दा है लेकिन इसके लिए सारा दोष किसानों पर मढ़ दिया जाता है।

निश्चित उद्देश्य की पूर्ति में नहीं होने पर रोकी जा सकती है मनरेगा की राशि: शिवराज

प्रात: किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। अदाणी समूह पर लगे आरोपों और संभल हिंसा समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर संसद के शीतकालीन सत्र का पहला हफ्ता हंगामे की भेंट चढ़ चुका है। हालांकि, मंगलवार को सातवें दिन कार्यवाही हुई। इस दौरान, केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लोकसभा में आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में 'महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी' (मनरेगा) योजना के तहत बजट आवंटन का दुरुपयोग किया गया तथा 'अपात्र' लोगों को लाभ पहुंचाने का अपराध किया गया है। मनरेगा पर एक सवाल के दौरान पश्चिम बंगाल के श्रीरामपुर से सांसद कल्याण बनर्जी केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से भिड़ गए। दरअसल कल्याण बनर्जी ने अपने सवाल में आरोप लगाया कि 2022-23 में बंगाल को केंद्र की तरफ से कोई पैसा नहीं मिला। बनर्जी ने कहा कि केंद्र दलील दे रही है कि इस योजना में गैरकानूनी काम हुए हैं, क्या गैरकानूनी काम हुए हैं? बनर्जी के सवाल का जवाब देने के लिए उठे शिवराज चौहान ने कहा कि मनरेगा की राशि निश्चित उद्देश्य की पूर्ति के लिए होती है। अगर ये राशि निश्चित उद्देश्य की पूर्ति में नहीं जा सकती है तो इसे रोका जा सकता है। मंत्री ने आरोप

लगाया कि कुछ निश्चित लोगों को लाभ पहुंचाने का अपराध पश्चिम बंगाल में किया गया। उन्होंने कहा, 'पश्चिम बंगाल सरकार ने बड़े कामों को छोटा करके कुछ खास लोगों को लाभ पहुंचाने का अपराध किया है। इस योजना के तहत अपात्र लोगों को पात्र बनाया गया और पात्र लोगों को अपात्र बनाया गया, यह साबित हो चुका है। ग्रामीण विकास योजनाओं के नाम बदले गए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना का नाम बदलकर अपना नाम रखने का अपराध किया है। इसी योजना के तहत भी अपात्र लोगों को लाभ दिया गया और पात्र लोगों को छोड़ दिया गया। यह राशि दुरुपयोग के लिए नहीं है, यह अपात्र लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए नहीं है, यह अपात्र लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए नहीं है। पश्चिम बंगाल सरकार ने इस पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की। जैसा कि पीएम मोदी ने कहा है 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास', लेकिन हम राशि का दुरुपयोग नहीं होने देंगे। मोदी जी कहते हैं कि न खाऊंगा, न खाने दूंगा।

धन के आवंटन की कमी की बात गलत: पेम्मासानी

उनके जवाब के दौरान तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों ने टोकाटोकी की। मनरेगा से जुड़े कुछ पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए ग्रामीण विकास राज्य मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने कहा कि धन के आवंटन की कमी की बात गलत है तथा मानदेय कम होने की बात भी गलत है क्योंकि इसका निर्धारण महंगाई से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि मनरेगा के बजट में हर साल 10-20 हजार करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की गई। मनरेगा के तहत वेतन बांटने की चर्चा के दौरान भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा, 'मनरेगा निधियां श्रम घटक के आधार पर प्रधानमंत्री आवास योजना में जाती हैं और मेरे विचार से शायद भारत सरकार ने इसकी अनुमति दी है। क्या मनरेगा का फंड राज्य सरकार की योजना अबुआ आवास योजना में जाता है, क्या श्रम घटक में इसकी अनुमति है? यदि इसकी अनुमति नहीं है, तो आपने क्या कार्रवाई की है? मैं मंत्री (शिवराज सिंह चौहान) से यह पूछना चाहता हूं।' केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, 'मनरेगा का पैसा मजदूरों को मजदूरी देने के लिए है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत भी उस परिवार के सदस्य को मजदूरी दी जा सकती है, जिसका घर बन रहा है।

न्याय संहिता गहरे मंथन का परिणाम इनके केंद्र में दंड की जगह न्याय है: मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार 3 दिसंबर को कहा कि गहन विचार विमर्श और मंथन के बाद भारतीय न्याय संहिता अपने वर्तमान स्वरूप में सामने आई है और इसके लागू होने के बाद जेलों से ऐसे हजारों विचारधीन कैदियों को छोड़ा गया है, जो पुराने कानूनों की वजह से जेलों में बंद थे

प्रात: किरण/एजेंसी

- मोदी ने कहा कि नए कानून दंड के लिए नहीं, बल्कि न्याय के उद्देश्य से बनाए गए है और भारतीय न्याय संहिता इसके लागू होने के बाद जेलों से ऐसे हजारों विचारधीन कैदियों को छोड़ा गया है, जो पुराने कानूनों की वजह से जेलों में बंद थे।

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि गहन विचार विमर्श और मंथन के बाद भारतीय न्याय संहिता अपने वर्तमान स्वरूप में सामने आयी है और इसके लागू होने के बाद जेलों से ऐसे हजारों विचारधीन कैदियों को छोड़ा गया है, जो पुराने कानूनों की वजह से जेलों में बंद थे।

प्रधानमंत्री यहां विशेष रूप से अयोजित एक कार्यक्रम तीन परिवर्तनकारी नए आपराधिक कानूनों- भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के सफल कार्यान्वयन को राष्ट्र को समर्पित कर रहे थे। ये तीनों कानून पहली जुलाई से लागू कर दिए गए हैं। मोदी ने कहा कि नए कानून दंड के लिए नहीं, बल्कि न्याय के उद्देश्य से बनाए गए है और भारतीय न्याय संहिता इसके लागू होने के बाद जेलों से ऐसे हजारों विचारधीन कैदियों को छोड़ा गया है, जो पुराने कानूनों की वजह से जेलों में बंद थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि सात दशकों में न्याय व्यवस्था की चुनौतियों की समीक्षा, व्यापक विचार-विमर्श के बाद भारतीय न्याय संहिता तैयार की गई है। हर कानून को व्यावहारिक दृष्टिकोण से परखा गया है। उन्होंने इन कानूनों के लिए उच्चतम न्यायालय और देश भर के उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों का आभार भी प्रकट किया। श्री मोदी ने तीनों कानूनों को राष्ट्र को समर्पित करते हुए कहा, देश के कानून उसके नागरिकों के लिए है, इसलिए कानूनी प्रक्रिया भी नागरिक-केंद्रित होनी चाहिए। हालांकि, पुरानी व्यवस्था में, प्रक्रिया ही सजा बन गई थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक स्वस्थ समाज में, कानून सुरक्षा का साधन होना चाहिए, लेकिन आईपीसी केवल नियंत्रण के साधन के रूप में भय पर निर्भर थी और यह अच्छा है कि अब समय बदल गया है।

श्री मोदी ने कहा कि पुराने कानूनों में दिव्यांगों के लिए ऐसे-ऐसे अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया गया था, जिसे कोई भी सभ्य समाज स्वीकार नहीं कर सकता। हमने ही पहले इस वर्ग को दिव्यांग कहना शुरू किया, उन्हें कमजोर महसूस कराने वाले शब्दों से छुटकारा दिलाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने 2016 में हमने दिव्यांगजनों के अधिकार का कानून लागू करवाय लागू करवाया।

उन्होंने कहा कि देश औपनिवेशक युग की सोच से बाहर निकले और अपने सामर्थ्य का प्रयोग राष्ट्र निर्माण में लगाए, इसके लिए राष्ट्रीय चिंतन आवश्यक था। श्री मोदी ने कहा, इसलिए मैंने 15 अगस्त को लाल किले से गुलामी की मानसिकता से मुक्ति का संकल्प देश के सामने रखा था। अब भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के जरिए देश ने उस दिशा में एक और मजबूत कदम उठाया है। हमारी न्याय संहिता जनता की जनता, जनता द्वारा और जनता के लिए के उस भावना को सशक्त कर रही है, जो लोकतंत्र का आधार होती है। भारतीय न्याय संहिता का मूल मंत्र है- नागरिक सबसे पहलेह्व ये कानून नागरिक अधिकारों के संरक्षणकर्ता बन रहे हैं, 'न्याया में सरलता' का आधार बन रहे हैं। पहले प्राथमिकी लिखवाना कितना मुश्किल होता था, लेकिन अब जीरो एफआईआर को भी कानूनी रूप दे दिया गया है। सरकार का मानना है कि इन नए आपराधिक कानूनों का उद्देश्य भारत की न्याय व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, कुशल और समकालीन समाज की आवश्यकताओं के अनुकूल बनाना है।

इंडिया समूह का संसद के मकर द्वार पर प्रदर्शन

संसद परिसर में अडानी मुद्दे पर विपक्ष के विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए राहुल गांधी

प्रात: किरण/एजेंसी

नई दिल्ली,एजेंसी। लोकसभा में मंगलवार को विपक्ष का विरोध प्रदर्शन और बहिर्गमन सुर्खियों में रहा। विपक्ष ने अमेरिकी अभियोजकों द्वारा गौतम अडानी पर रिश्वत मामले में दोषारोपण और संभल हिंसा जैसे मुद्दों को शीतकालीन सत्र में उठाया। हालांकि, विपक्षी गठबंधन इंडिया में एकता पर सवाल तब खड़े हुए जब तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और समाजवादी पार्टी (सपा) ने इस विरोध प्रदर्शन से दूरी बना ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उनके सहयोगियों ने संसद परिसर में मोदी-अडानी एक हैं और ह्वअडानी पर जवाबदेही की मांग जैसे नारों के साथ प्रदर्शन किया। उनके हाथों में तख्तियां थीं जिन पर सरकार से अडानी मुद्दे पर जवाब देने की मांग की गई थी। टीएमसी के सांसद सुमिक भट्टाचार्य ने इस विरोध प्रदर्शन में भाग न लेने के पीछे कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहाःकांग्रेस जहां भी जनता के पास जाती है, वहां से उसे नकार दिया जाता है। उनकी राजनीति अब सिर्फ संसद गेट तक सीमित रह गई है। भट्टाचार्य ने गठबंधन में उभरती दरार को लेकर भी तंज कसा और कहा कि यह सब ड्रामा है। उन्होंने दावा किया कि ममता बनर्जी ने मल्लिकार्जुन खड़गे को प्रधानमंत्री उम्मीदवार के तौर पर प्रस्तावित किया था, लेकिन अब टीएमसी उनके नेतृत्व में भाग नहीं ले रही है। इस घटनाक्रम ने सोमवार को सरकार और विपक्ष के बीच बनी सहमति पर भी पानी फेर दिया, जिसमें दोनों सदनों का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया था। इसके साथ ही, संभल में हुई हिंसा पर भी विपक्ष ने सरकार को घेरने की कोशिश की। हालांकि, इस मुद्दे पर भी टीएमसी और सपा की गैर-मौजूदगी ने विपक्ष की रणनीति को कमजोर कर दिया। सरकार की ओर से अभी तक इन मुद्दों पर कोई ठोस बयान नहीं आया है, लेकिन विपक्ष के आरोपों को संसद ठप करने की साजिश बताया गया।

राज्यसभा में गतिरोध दूर, शीतकालीन सत्र में पहली बार चली सुचारू कार्यवाही

प्रात: किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। अडानी समूह की कथित अनियमितताओं, संभल तथा मणिपुर की स्थिति, वायनाड और फेंगल के कारण आयी आपदा जैसे मुद्दों पर नियम 267 के अंतर्गत चर्चा कराने की मांग पर विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच बना गतिरोध मंगलवार को राज्यसभा में दूर हो गया और सभापति ने सदस्यों को इनमें से कुछ विषयों पर शून्यकाल के दौरान अपनी बात रखने की अनुमति दे दी, जिससे शीतकालीन सत्र में पांच दिन के बाद पहली बार सदन की कार्यवाही सुचारू ढंग से चली। विपक्षी सदस्यों के इन मुद्दों पर चर्चा कराने की मांग पर अड़े रहने के कारण सत्र के पहले पांच दिन हंगामे के कारण कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी जिससे सदन में विधायी कामकाज नहीं हो सका। सभापति जगदीप धनखड़ ने आज जरूरी दस्तावेज सदन के पटल पर रखे जाने के बाद विधायी कामकाज शुरू करते हुए बताया कि उन्हें नियम 267 के तहत कार्यस्थगन प्रस्ताव के 42 नोटिस मिले हैं। इनमें अजमेर शरीफ, संभल की स्थिति, मणिपुर की स्थिति, ओडिशा को विशेष दर्जा देने, फेंगल और वायनाड के कारण आयी आपदा, अडानी समूह, दिल्ली में प्रदूषण और बंगलादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार जैसे आठ विषयों पर सभी कामकाज रोककर चर्चा कराने की मांग की गयी है।

धन की कमी के कारण कोई भी मां इलाज से वंचित नहीं रहेगी: निःशुल्क प्रसव योजना पर बोले नड्डा

प्रात: किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने मंगलवार को कहा कि देश में कोई भी गर्भवती महिला धन की कमी के कारण इलाज से वंचित नहीं रहेगी क्योंकि सरकार के जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम (जेएसएसके) का मकसद ही सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में मुफ्त में इलाज मुहैया कराना है। प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते

हुए नड्डा ने राज्यसभा को बताया कि जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम जरूरत आधारित है और बजट इसके तहत हर मां का ख्याल रखा जा रहा है। उन्होंने कहा, धन की कमी के कारण कोई भी कोई मुद्दा नहीं है इस योजना के तहत सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों में, गर्भवती महिलाओं को सीजेरियन सहित प्रसव की सुविधा निःशुल्क दी जाती है। इस योजना के संदर्भ में दो सदस्यों द्वारा अपने अपने राज्यों की तुलना किए जाने पर नड्डा ने कहा, केरल की तुलना महाराष्ट्र से न करें क्योंकि यह कार्यक्रम जनसंख्या आधारित है। इसके तहत हर मां का ख्याल रखा जा रहा है। उन्होंने कहा, धन की कमी के कारण कोई भी मां इलाज से वंचित नहीं रहेगीह्वइस योजना के लाभों से वह वंचित नहीं रहेगी। केरल में भी यह जरूरत आधारित है नड्डा ने आश्वासन दिया कि केरल में सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों में हर मां को निःशुल्क प्रसव की सुविधा मिलेगी मंत्री ने कहा कि महिला के गर्भधारण करने के साथ ही, योजना के तहत प्रसव पूर्व जांच शुरू हो जाती है और प्रसव से पहले उसे सभी आवश्यक टीके दिए जाते हैं।

संभल में भाईचारे को गोली मारी गयी: अखिलेश

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने लोकसभा में कहा कि संभल हिंसा सोची-समझी साजिश का हिस्सा थी जिसमें चार लोगों की जान चली गई। उन्होंने कहा कि इसके लिए सीधे तौर पर प्रशासन जिम्मेदार है। लोकसभा को में अखिलेश यादव ने जवाबदेही और पारदर्शिता की मांग करते हुए इस मुद्दे पर संसद में विस्तृत चर्चा की मांग की। अखिलेश यादव ने कहा कि संभल में जो घटना हुई वह एक सोची समझी साजिश है और संभल में भाईचारे को गोली मारी गई है। पूरे देश में खुदाई की बातें बीजेपी और उसके सहयोगी दल कर रहे हैं। यह देश का भाईचारा खत्म कर देंगे।

संभल हिंसा साजिश का हिस्सा: संभल मामले पर समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि संभल में जो घटना हुई, वह एक सोची-समझी साजिश है। उत्तर प्रदेश में 13 नवंबर को उपचुनाव होने थे, लेकिन इसे 20 नवंबर तक टाल दिया गया। यह सरकार संविधान को नहीं मानती। संभल में शाही जामा मस्जिद के खिलाफ याचिका दायर की गई थी। दूसरे पक्ष की बात सुनने से पहले ही मस्जिद के सर्वेक्षण का आदेश पारित कर दिया गया। 19 नवंबर को सर्वेक्षण किया गया और रिपोर्ट कोर्ट को दी जानी थी।

अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग: उन्होंने कहा कि 24 नवंबर को फिर से सर्वेक्षण किया गया, जिसके दौरान लोग सर्वेक्षण का कारण जानने के लिए एकत्र हुए। सर्किल ऑफिसर ने वहां एकत्र लोगों के साथ दुर्व्यवहार किया और लाठीचार्ज किया गया।

सहायता 23 राज्यों ने चालू वित्त वर्ष में केंद्र सरकार द्वारा दी गई ब्याज मुक्त सुविधा का उठाया लाभ

केंद्र ने राज्यों को विशेष सहायता के रूप में 50,571 करोड़ रुपये किए जारी

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र ने चालू वित्त वर्ष के पहले आठ महीनों के दौरान विभिन्न विकास परियोजनाओं में खर्च बढ़ाने के लिए अपनी पूंजी निवेश के लिए विशेष सहायता योजना के तहत राज्यों को 50,571.42 करोड़ रुपये जारी किए हैं। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में कहा कि अरुणाचल प्रदेश, हरियाणा, केरल, पंजाब और तेलंगाना को छोड़कर 28 राज्यों में से 23 ने चालू वित्त वर्ष के दौरान केंद्र सरकार द्वारा प्रदान की गई ब्याज मुक्त सुविधा का लाभ उठाया। केंद्रीय मंत्री द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस सुविधा के साथ सबसे अधिक राशि 7,007.93 करोड़ रुपये उत्तर प्रदेश को जारी किए गए। इसके बाद मध्य प्रदेश को 5,074.94 करोड़ रुपये, बिहार को 5,408.88 करोड़ रुपये, राजस्थान को 4,552.01 करोड़ रुपये, पश्चिम बंगाल को 4,416.23 करोड़ रुपये, असम को 3,181.97 करोड़ रुपये, ओडिशा को 3,085.44 करोड़ रुपये, महाराष्ट्र को 2,617.70 करोड़ रुपये, आंध्र प्रदेश को 2,616.27 करोड़ रुपये और कर्नाटक 2,272.87 करोड़

रुपये दिए गए। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2024-25 के बजट में राज्यों के लिए केंद्र की पूंजी निवेश के लिए विशेष सहायता योजना के तहत 1.5 लाख करोड़ रुपये का आवंटन प्रदान किया है। पूंजी निवेश के लिए राज्यों को केंद्र की विशेष सहायता योजना के तहत पूंजीगत व्यय को बढ़ावा देने के लिए 50 साल का ब्याज मुक्त ऋण दिया जाता है। इस योजना के तहत स्वास्थ्य, शिक्षा, सिंचाई, जलापूर्ति, बिजली, सड़क, पुल और रेलवे सहित विभिन्न क्षेत्रों में पूंजी निवेश परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इस योजना के तहत जल जीवन मिशन और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में राज्यों के हिस्से को पूरा करने के लिए भी धन मुहैया कराया गया है, ताकि इन क्षेत्रों में परियोजनाओं की गति बढ़ाई जा सके। इस योजना के कुछ हिस्से या तो सुधारों से जुड़े हैं या फिर क्षेत्र विशेष परियोजनाओं के लिए हैं। इस योजना के तहत राज्यों को राज्य सरकार के वाहनों और एंबुलेंस को स्क्रैप करने, पुराने वाहनों पर देनदारियों को माफ करने, पुराने वाहनों को स्क्रैप करने के लिए व्यक्तियों को कर रियायतें देने और स्वचालित वाहन परीक्षण सुविधाएं स्थापित करने के लिए प्रोत्साहन भी दिया जाता है। इसके अलावा, राज्यों को शहरी नियोजन और शहरी वित्त में सुधार करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में पुलिस थानों में पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों के लिए आवास स्टॉक बढ़ाना है। इस योजना का एक अन्य उद्देश्य राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देना, मेक इन इंडिया की अवधारणा को आगे बढ़ाना और प्रत्येक राज्य में यूनिटी मॉल के निर्माण के माध्यम से ह्यएक जिला, एक उत्पाद (ओडीओपी) की अवधारणा को बढ़ावा देना है।

संक्षिप्त समाचार

गोशाला निर्माण के लिए धनराशि स्वीकृत होने पर मिठाई बांटी

गदरपुर, एजेंसी। ग्राम बरीराई में गोशाला निर्माण के लिए धनराशि स्वीकृत होने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटी। रविवार को भाजपा मंडल अध्यक्ष सुरेश खुराना के प्रतिष्ठान पर भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एकत्रित हुए। उन्होंने सीएम पुष्कर सिंह धामी की ओर से ग्राम बरीराई में गोशाला निर्माण के पांच करोड़ 12 लाख 75 हजार रुपये की राशि स्वीकृत करने पर मिठाई बांटी। भाजपा जिला अध्यक्ष गुंजन सुखीजा ने कहा कि सीएम धामी ने गदरपुर के लोगों की मांग को पूरा कर दिया है। जल्द ही गोशाला का निर्माण शुरू हो जाएगा। वहां राजकुमार भुडडी, अनिल जेटली, अभिषेक वर्मा, सतीश छाबड़ा, पंकज सेतिया, सुभाष खुराना, परमजीत सिंह पम्मा, अश्वनी कुमार आदि थे।

कलक्ट्रेट के रिटायर्ड कर्मी पर हमला, किया फायर

दिनेशपुर, एजेंसी। कलक्ट्रेट के रिटायर्ड कर्मी पर अज्ञात बदमाशों ने फायर झोंक दिया। गोली उसके चेहरे को छूकर निकल गई। उसे घायल अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यूपी के हरदोई निवासी रामप्रकाश सुमन (72) अपनी साली और उसके तीन बच्चों के साथ जयनगर नंबर चार में रहते हैं। बताया जाता है कि रविवार रात नौ बजे के आसपास रामप्रकाश खाना खाकर बाहर नल पर हाथ धो रहे थे। इस बीच अल्टो कार पर दो लोग वहां आए और रामप्रकाश के सीने में तमंचा तान दिया। बचाव के प्रयास में बदमाशों ने गोली चला दी, जो रामप्रकाश के चेहरे को छूती हुई निकल गई। इसके बाद बदमाश भाग गए। परिजन रामप्रकाश को जिला अस्पताल ले गए, जहां उनकी हालत ठीक बताई जाती है। थानाध्यक्ष नंदन सिंह रावत ने कहा कि क्षेत्रों में कबिंग की जा रही है। विस्तृत जानकारी जुटाने का प्रयास किया जा रहा है।

पीजी कॉलेज में एड्स से बचाव के बारे में दी जानकारी

चमोली, एजेंसी। विश्व एड्स दिवस पर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोपेश्वर की ओर से जागरुकता रैली का आयोजन किया गया। इस दौरान एड्स से बचाव के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही छात्र-छात्राओं की पोस्टर और भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। पीजी कॉलेज से गोपेश्वर बाजार तक छात्र-छात्राओं ने एड्स जागरुकता रैली निकाली। रैली से पूर्व एड्स काउंसलर सरोजनी बिष्ट ने कहा कि एचआईवी वायरस के संक्रमण से एड्स जैसी घातक बीमारी हो सकती है। इससे बचाव जरूरी है। मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव पुनीत कुमार ने कहा कि एड्स की पूरी जानकारी रखने से ही बचाव हो सकता है। प्राचार्य प्रो. एमपी नगवाल ने कहा कि इस विषय पर समाज को जागरुक करने और चिंतन करने की जरूरत है। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एमएस खाती ने कहा कि चिकित्सा विज्ञान ने एचआईवी का इलाज ढूंढ लिया है। यदि कोई व्यक्ति एचआईवी संक्रमित है तो उसे अस्पताल तक पहुंचाएं, उसकी जानकारी पूरी तरह से गुप्त रखी जाती है, इलाज भी कराया जाता है। एड्स विषय पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में कनिष्का दानू प्रथम, जसवंत द्वितीय निधि तृतीय रहे। वहीं पोस्टर प्रतियोगिता में जसवंत प्रथम, अंजलि द्वितीय और अक्षिता तृतीय स्थान पर रही।

भाई को लेने स्कूल गई युवती का खींचा दुपट्टा, मारपीट भी की

रूड़की, एजेंसी। स्कूल से छोटे भाई को लेने जा रही एक युवती का गांव के ही युवक ने रास्ता रोक लिया और दुपट्टा खींच लिया। आरोप है कि विरोध करने पर युवक ने मारपीट कर दी। शोर मचाने पर दुपट्टे से गला दबाने लगा। भाई के शोर मचाने पर आसपास के लोगों को आता देखकर युवक धमकी देकर फरार हो गया। पुलिस ने युवक पर केस दर्ज कर लिया है। भगवानपुर क्षेत्र स्थित एक गांव निवासी ग्रामीण ने पुलिस को बताया कि 29 नवंबर को उसकी बेटी छोटे भाई को स्कूल से लेने जा रही थी। आरोप है कि रास्ते में गांव के ही एक युवक ने उसका रास्ता रोक लिया और दुपट्टा खींचने लगा। विरोध करने पर उसने अश्लील हरकतें शुरू कर दी।

साइबर ठगी में हरियाणा से महिला गिरफ्तार, विदेशों तक जुड़े हैं तार

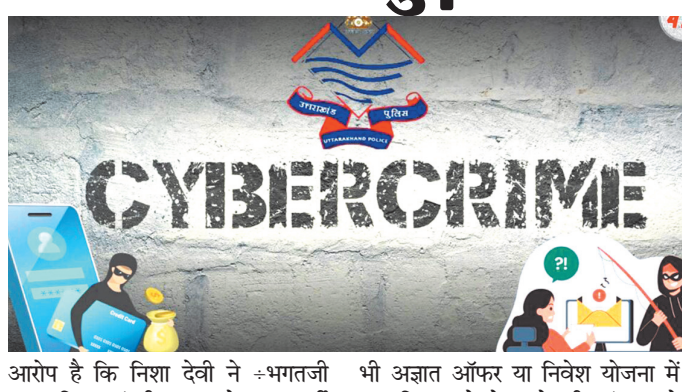

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के साइबर थाना कुमाऊं परिक्षेत्र पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी के एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश कर एक महिला को हरियाणा से गिरफ्तार किया है। साइबर ठगी के तार पंजाब, हरियाणा, केरल, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश के साथ विदेशों तक जुड़े हैं। ये आरोपित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर फर्जी ऑनलाइन ट्रेडिंग का झांसा देकर पीड़ितों को ठगते थे।अभी जांच में तीन करोड़ 50 लाख रुपये ठगी का मामला प्रकाश में आया है। नैनीताल निवासी एक पीड़ित ने नवंबर 2024 में शिकायत दर्ज कराई थी कि सितंबर 2024 में व्हाट्सएप पर एक ऑनलाइन ट्रेडिंग बिजनेस का विज्ञापन देखकर उसने निवेश किया था। साइबर ठगों ने उसके 33 लाख रुपये विभिन्न खातों में ट्रांसफर करवा कर ठग लिये। इस मामलेकी जांच के लिए टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर हरियाणा के पंचकुला जिले में दबिश देकर मुख्य आरोपित निशा देवी निवासी रेलवे कॉलोनी टिपरा को गिरफ्तार किया। आरोप है कि निशा देवी ने ÷भगतजी वायर स्ट्रिप कंपनी÷ नाम से एक फर्जी फर्म बनाकर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में खाता खोला था। इस खाते में शिकायतकर्ता से 9.52 लाख रुपये की धनराशि ली गई थी। बैंक रिकॉर्ड के अनुसार इस खाते से सितंबर 2024 से नवंबर 2024 तक 3.5 करोड़ रुपये का लेनदेन हुआ है।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसटीएफ) नवनीत सिंह ने बताया कि साइबर अपराध के मामलों में कड़ी कार्रवाई करते हुए पीड़ितों को न्याय दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने जनता को सतर्क रहने और किसी भी अज्ञात ऑफर या निवेश योजना में धनराशि लगाने से पहले पूरी जांच करने की सलाह दी है। किसी भी धोखाधड़ी का शिकार होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें। विदेश में बैठे मुख्य साइबर अपराधियों तक भेजते हैं डेटा साइबर थाना पुलिस ने बैंक खातों और मोबाइल नंबरों का सत्यापन कर डिजिटल साक्ष्य जुटाए। जांच में पाया गया कि आरोपित ने अन्य व्यक्तियों के नाम से फर्जी चालू खाते खोलकर इंटरनेट बैंकिंग किट हासिल की और इन खातों का उपयोग ठगी के लिए किया।

प्रशिक्षण लेने हिमाचल रवाना हुए सेब काश्तकार

चमोली, एजेंसी। सेब उत्पादन की उच्च तकनीकी का प्रशिक्षण लेने के लिए जिले के 20 काश्तकार हिमाचल प्रदेश के लिए रवाना हो गए हैं। रविवार को किसानों के दल को मुख्य उद्यान अधिकारी जेपी तिवारी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिलाधिकारी संदीप तिवारी के निर्देश पर वाइब्रेंट विलेज नीती, बांपा, गमशाली, माणा, कैलाशपुर, वाण, सुनील आदि गांवों के 20 काश्तकारों को प्रशिक्षण के लिए हिमाचल भेजा गया है। सेब काश्तकार वाईएस परमार विवि नौनी हिमाचल का भ्रमण करेंगे और वहां सेब उत्पादन की उच्च तकनीकी का प्रशिक्षण लेंगे। काश्तकारों के दल को रवाना करते समय सहायक विकास अधिकारी रघुवीर सिंह राणा, दिगपाल नेगी, कृषक कुंदन सिंह टकोला, रघुवीर परमार, बलवंत सिंह, शैलेश पंवार, मितेश पंवार, महेंद्र भुजवाण, गौर सिंह, मोहन सिंह आदि शामिल रहे।

खेत से घास काटने पर तीन महिलाओं को बुरी तरह पीटा

रूड़की, एजेंसी। खेत में घास काट रही तीन महिलाओं से खेत स्वामी और परिवार के लोगों ने गाली-गलौज कर दी। विरोध करने पर महिलाओं से बुरी तरह मारपीट कर घायल कर दिया। शोर मचाने पर आसपास के लोगों को आता देख आरोपी फरार हो गए। महिलाओं को सिविल अस्पताल में उपचार दिलाया गया है। एक महिला की हालत गंभीर है।ढ्ढ

ढ्ढभगवानपुर क्षेत्र के गांव खेड़ी शिकोहपुर निवासी चंद्रो और दो महिलाएं शनिवार को गांव के पास ही जंगल में घास काटने गई थी। तीनों गांव के ही एक ग्रामीण के खाली पड़े खेत से घास काट रही थीं। इस बीच खेत स्वामी और उसके परिवार के लोग खेत पर पहुंचे। आरोप है कि उक्त लोगों ने खेत से घास काटने का विरोध किया और महिलाओं से गाली-गलौज कर दी। विरोध करने पर महिलाओं के साथ मारपीट कर दी।

सुरक्षा गार्डों को धमकी, जबरन प्लांट से स्क्रैप की गाड़ी निकाली

रूड़की, एजेंसी। एक कंपनी के मैनेजर ने दिल्ली के कुछ लोगों पर जबरन कंपनी के प्लांट में घुसकर सुरक्षा गार्डों को धमकी देने का आरोप लगाया है। आरोप है कि उक्त लोग जबरन प्लांट से स्क्रैप से भरी गाड़ियां निकालकर ले गए। मामले की तहरीर पुलिस को दी गई है। भगवानपुर क्षेत्र स्थित हंग टॉयज एवं टेक्सटाइल लिमिटेड असिस्टेंट मैनेजर एडमिन मुनीष कुमार ने पुलिस को बताया कि उनकी दिल्ली की एक कंपनी से 2.36 करोड़ में स्क्रैप उठाने की डील हुई थी लेकिन कंपनी ने 66 लाख रुपये नहीं दिए थे। आरोप लगाया कि 23 नवंबर की दिल्ली के कुछ लोग जबरदस्ती उनके प्लांट में गाड़ी लेकर घुस आए। सुरक्षा गार्डों ने रोकने की कोशिश तो उन्हें डराया, धमकाया। साथ ही डील का उल्लंघन करते हुए स्क्रैप से भरी नौ गाड़ियां लेकर फरार हो गए।

योगगुरु रामदेव ने लिया गधी के दूध का स्वाद, बोले- सुपर टॉनिक और सुपर कॉस्मेटिक का काम करता है वैशाख नंदिनी का दूध

हरिद्वार, एजेंसी। योगगुरु बाबा रामदेव का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें बाबा रामदेव ने हरिद्वार स्थित पतंजलि योगपीठ में खुद गधी का दूध निकाला और पीकर इसके स्वाद और गुणों की खूब तारीफ की।

बाबा रामदेव ने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर गधी के दूध निकालने का वीडियो शेयर किया। इस विडियो में बाबा रामदेव ने बताया कि जिंदगी में पहली बार उन्होंने गधी का दूध निकाला है। जबकि इससे पहले ऊंटनी, गाय, भेड़, बकरियों का दूध निकाल चुके हैं। बाबा रामदेव ने संस्कृत में गधी का नाम लेते हुए कहा कि वैशाख नंदनी का दूध सुपर टॉनिक और सुपर कॉस्मेटिक का काम करता है। बाबा रामदेव ने एक कटोरी में गधी का दूध निकाला और फिर खूब स्वाद लेकर इसको पिया। वीडियो में दिख रहा है कि गधी का दूध पीते हुए बाबा रामदेव ने कहा कि वह पहली बार गधी का दूध पीकर स्वाद लेंगे। दूध पीकर बाबा रामदेव ने कहा कि सच में वेरी टेस्टी। सच्ची- मैं मजाक नहीं कर रहा हूं। मैंने गाय, भैंस, ऊंटनी, भेड़-बकरियों का दूध पीकर देखा है। सच में बहुत गजब का है भाई। यह पाचन के लिए बहुत अच्छा होता है। इसके बाद बाबा रामदेव ने कई चम्मच दूध पीया। योगगुरु बाबा रामदेव ने कहा कि मिस्र की महारानी क्लियोपेट्रा इसकी दूध से नहाया करती थी, यही उनकी सुंदरता का राज था। वैशाख नंदनी के दूध की इतनी महिमा है, इतना गुणकारी है, औषधीय गुणों से भरपूर है, इसका दूध और दही बहुत उपयोगी है। ऐसे हर जीव का सम्मान करना चाहिए। आज के बाद कोई किसी को गधा या गधी कहकर अनादर ना करें। हर जीव जो इस पृथ्वी पर है उसकी बहुत महिमा है, इसलिए कभी किसी का अनादर नहीं करना चाहिए।

ई-रिक्शा व मोबाइल चोरी का खुलासा, दो गिरफ्तार

हरिद्वार, एजेंसी। नगर कोतवाली पुलिस ने ई रिक्शा व मोबाइल फोन चोरी के मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनका चालान कर दिया है। दरअसल, सलेमपुर रावली महदूद निवासी गोविन्दा पुत्र तुलसी राम ने गत एक दिसंबर को अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध ई-रिक्शा एवं उसमें रखे मोबाइल फोन चोरी किए जाने के संबंध में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया था। मुकदमा दर्ज करने के बाद पुलिस चोर की तलाश में जुट गई। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर घटना में शामिल दो आरोपितों रवि सिंह (35) निवासी रेलवे कालोनी नजीबाबाद उत्तर प्रदेश हाल पता लालजी वाला हरिद्वार व धीरेंद्र कश्यप उर्फ राजा (19) निवासी वीआईपी घाट के सामने लालजी वाला हरिद्वार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने चोरी गए ई-रिक्शा व मोबाइल बरामद कर लिया है।

कमरे में अंगीठी जलाकर सोए दो भाई, दम घुटने से एक की मौत, दूसरे की हालत में इलाज के बाद सुधार

भवाली (नैनीताल), एजेंसी। रामगढ़ के झूतिया में दो भाई रात को अंगीठी जलाकर सो गए। सुबह दोनों के न उठने पर साथी पहुंचे तो एक भाई मृत अवस्था मिला। रामगढ़ ब्लॉक की ग्राम पंचायत झुतिया के गांव सुनका में कमरे में अंगीठी जलाकर सोए दो भाइयों में से एक की दम घुटने से मौत हो गई। बेहोश मिले दूसरे भाई की हालत में इलाज के बाद सुधार बताया गया है। रामपुर (यूपी) के बिलासपुर तहसील क्षेत्र के गांव ज्वालापुर निवासी जमील अहमद के दो बेटे जहीर अहमद (33) और रफीक अहमद (35) पांच दिन पहले कारपेंटरी का काम करने सुनका गांव आए थे। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार रात ठंड बढ़ने पर वे दोनों कमरे में अंगीठी में आग जलाकर सो गए। सुबह दोनों के नहीं जागने पर साथी उठाने पहुंचे। पुलिस के अनुसार, बंद कमरा न खोले जाने पर साथियों ने ग्राम प्रधान सुरेश मेर और ग्रामीणों को जानकारी दी। दरवाजा तोड़ने पर जहीर अहमद को अंदर मृत अवस्था में पाया गया। वहीं बेसुध मिले रफीक को मल्ला रामगढ़ सीएचसी पहुंचाया गया। वहां से बाद में उसे हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल भेज दिया गया।

थाने में घूमते दिखे दो भालू, रात्रि गश्त में पुलिस कर्मियों को बना खतरा

चमोली, एजेंसी। नगर में भालू का आतंक खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। भालू लगातार आबादी वाले क्षेत्रों में घूमते हुए दिख रहे हैं। रविवार सुबह ज्योतिर्मठ थाने में दो भालू घूमते हुए नजर आए। इससे रात्रि गश्त करने वाले पुलिस कर्मियों के लिए भी खतरा पैदा हो गया है।ढ्ढ

नगर में एक माह से दो भालू विचरण करते नजर आ रहे हैं। शुक्रवार सुबह भालू ज्योतिर्मठ थाने में आ धमके। क्षेत्र में भालुओं ने कुत्ते के चार बच्चों को मार डाला। थाना प्रभारी राकेश चंद्र भट्ट ने बताया कि सुबह करीब साढ़े चार बजे भालू थाने में घूमता हुआ दिखाई दिया है। उसकी तस्वीर सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। वन विभाग को इसके बारे में जानकारी दे दी गई है।

चोर नौकरानी की तलाश में नेपाल गई पुलिस टीम बैरंग लौटी

हल्द्वानी, एजेंसी। शहर की नामी बुकसेलर फर्म पूरन एंड संस के मालिक दीपक अग्रवाल और उनकी पत्नी मीनाक्षी को बेहोश करने चोरी करवाने वाली नौकरानी रम्बा अब तक पुलिस के हाथ नहीं आ सकी है। रम्बा और उसके साथियों की तलाश में नेपाल गई पुलिस टीम को वहां कुछ पता नहीं चला।

मुखानी पुलिस अब रम्बा के मोबाइल फोन की सीडीआर को ही खंगालकर उस तक पहुंचने की कोशिश में जुट गई है। कॉल रिकॉर्ड और मेसेज की मदद से रम्बा के रिश्तेदारों तक पहुंचने की तैयारी की जा रही है। अभी तक रम्बा और उसके साथियों ने अपने पुराने फोन व सिम का इस्तेमाल शुरू नहीं किया है। घटना वाले दिन से उनके पुराने फोन बंद हैं। इससे पुलिस रम्बा के शातिर होने का अंदाजा लगा रही है।

वहीं पुलिस अब यह पता लगा रही है कि एजेंसी ने नौकरानी रम्बा को इससे पहले कहां-कहां काम पर रखवाया था। सीओ नितिन लोहनी ने बताया कि पुलिस सीडीआर और सीसीटीवी की मदद से चोरों को पकड़ने का प्रयास कर रही है। पुलिस के हाथ कुछ अहम सुराग लगे हैं।

विश्व धर्म संसद की तैयारी ! नरसिंहानंद बोले- महाकुम्भ में वैभव प्रदर्शन के बजाय सनातन धर्म व मानवता की रक्षा पर चिंतन करें संत

हरिद्वार, एजेंसी। विश्व धर्म संसद की तैयारी के लिए हरिद्वार आए शिवशक्ति धाम डासना के पीठाधीश्वर व श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी महाराज ने आनंद भैरव मंदिर, श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़े से सनातन धर्म के सभी संतों से इस्लामिक जिहाद के खतरे को संपूर्ण विश्व के समक्ष लाने के लिए महाकुम्भ में गंभीर विचार मंथन करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ को वैभव प्रदर्शन का स्थान बनाने के बजाय सनातन धर्म और मानवता की रक्षा के लिए गंभीर विचार मंथन के लिए प्रयोग करना चाहिए। श्रीमहंत महाकाल गिरी व अन्य संतों के साथ जारी बयान में महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी महाराज ने कहा कि आज जो बांग्लादेश के हिंदुओं के साथ हो रहा है, वो ही असली इस्लाम है। असली इस्लाम केवल वहां दिखाई देता है, जहां मुसलमान बहुसंख्यक होते हैं। जहां मुसलमान अल्पसंख्यक होते हैं, वहां वो झूठ बोलकर बहुसंख्यक समाज को दिग्भ्रमित करते हैं और अपनी जनसंख्या बढ़ाकर उस देश पर कब्जा करते हैं। इसका सबसे ताजा उदाहरण बांग्लादेश में हो रहा हिंदू नरसंहार है। उन्होंने कहा कि जो आज बांग्लादेश में हो रहा है वो बहुत जल्दी भारत में होगा। भारत पर कब्जा करके इस्लाम के जिहादी संपूर्ण विश्व को इस्लामिक करने के लिए लड़ाई लड़ेंगे। इन सब तथ्यों पर चर्चा करने के लिए ही विश्व धर्म संसद की अति आवश्यकता है। महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी महाराज के साथ विश्व धर्म संसद की मुख्य संयोजक डॉ. उदिता त्यागी व यति अभयानंद भी थे।

बदलता मौसम कर रहा बीमार, बच्चों की सेहत पर दें ध्यान

ऋषिकेश, एजेंसी। मौसम में आ रहा बदलाव बच्चों की सेहत को नासाज कर रहा है। सोमवार को ऋषिकेश के सरकारी अस्पताल में सौ बच्चे उपचार के लिए पहुंचे। चिकित्सकों के अनुसार बच्चे बुखार, जुकाम, खांसी की चपेट में आ रहे हैं। तीर्थनगरी में इन दिनों सुबह शाम ठंडी हवा चल रही है।

बारिश नहीं होने के कारण सूखी ठंड पड़ रही है। जबकि दिन में धूप निकल रही है। जिससे दिन और रात के तापमान में काफी अंतर है। मौसम में यहीं बदलाव लोगों की सेहत पर प्रतिकूल असर डाल रहा है। खासतौर से बच्चे बीमारी की चपेट में आ रहे हैं।

सोमवार को एसपीएस राजकीय चिकित्सालय में करीब सौ बच्चे उपचार के लिए पहुंचे। ओपीडी में सुबह नौ बजे से ही भीड़ लग गई थी। दोपहर एक बजे तक करीब सौ बच्चों को बाल रोग विशेषज्ञ देख चुके थे।

अस्पताल के वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डा रोहित उपाध्याय ने बताया कि सोमवार को बच्चों की ओपीडी सौ के पार रही। अधिकांश बच्चे बुखार, खांसी, जुकाम की चपेट में आ रहे हैं। बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है। ऐसे में सर्दियों के मौसम में बच्चों का खासतौर से ध्यान रखने की जरूरत है। वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डा. उपाध्याय का कहना है कि दोपहर में जब धूप निकलती है तब भी बच्चों को पर्याप्त कपड़े पहनाकर रखें। एक दो मोटे कपड़ों के बजाय अलग-अलग परत वाले कपड़े पहनाएं। पीने के लिए गुनगुना पानी दें और सही मात्रा में पानी पिलाते रहे। मौसमी फलों का प्रयोग करें। सुबह स्कूल जाने वाले बच्चों को ठंड से बचाने का प्रयास करें। अन्य दिनों के मुकाबले सोमवार को ओपीडी में भीड़ अधिक रहती है। ओपीडी का पर्चा बनाने के लिए दो काउंटर लगाए गए हैं। दोनों काउंटरों पर लंबी भीड़ रही। अस्पताल में औसतन ओपीडी चार सौ की रहती है। शनिवार को अस्पताल में ओपीडी नहीं चली थी। जबकि रविवार को अवकाश था। सोमवार को अस्पताल खुला तो मरीजों की भीड़ अधिक रही।

शिवलिंग पर खून चढ़ाने से हिंदू संगठनों में उबाल, कोतवाली में नारेबाजी

रुड़की, एजेंसी। रुड़की के जौरासी गांव में महादेव मंदिर के शिवलिंग पर मुस्लिम युवक के खून चढ़ाने को लेकर हिंदू संगठन के लोगों में उबाल है। सोमवार को लोगों ने कोतवाली पहुंचकर नारेबाजी की और पकड़े गए आरोपित पर कार्रवाई की मांग की।

उन्होंने गांव में बढ़ते गोकशी के मामलों पर अंकुश लगाने व गांव में पुलिस चौकी खोले जाने की मांग की। वहीं, पुलिस ने सोमवार को आरोपित से पूछताछ कर उसे कोर्ट में पेश कर दिया। जहां से उसे पुलिस अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

सिविललाइंस कोतवाली क्षेत्र के जौरासी गांव में स्थित महादेव मंदिर के शिवलिंग पर रविवार शाम एक मुस्लिम युवक ने खून चढ़ा दिया था। इसकी भनक लगने पर मौके पर मौजूद लोगों ने मुस्लिम युवक इलियास कुरैशी को मौके पर ही पकड़ लिया था। पुलिस ने मामले में मुकदमा भी दर्ज कर लिया था। वहीं, इस मामले में सोमवार को हिंदू संगठन के लोग कोतवाली सिविल लाइंस पहुंचे। हिंदू संगठन के लोगों ने नारेबाजी की। प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र बिष्ट से इस मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की। हिंदू संगठन के साथ आए ग्रामीणों ने गांव में बढ़ रहे गोकशी के मामलों पर चिंता जताई। उन्होंने गांव में एक पुलिस चौकी खोलने की भी मांग की। ग्रामीणों का कहना था कि क्षेत्र में खनन भी हो रहा है। इस तरह के मामलों को लेकर आए दिन विवाद होते हैं। खनन पर भी रोक लगाने की मांग की गई। प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र बिष्ट ने ग्रामीणों को इन मामलों में कार्रवाई का आश्वासन दिया।

संक्षिप्त खबरें

बांग्लादेश उच्चायोग की सुरक्षा बढ़ाई गई

नई दिल्ली। अगरतला में बांग्लादेश के वाणिज्य दूतावास पर प्रदर्शनकारियों के हमले के एक दिन बाद दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को दिल्ली में चाणक्यपुरी स्थित बांग्लादेश उच्चायोग के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, सुरक्षा बढ़ा दी गई है और उच्चायोग के चारों ओर अतिरिक्त पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। हम यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि इसके परिसर के आसपास कोई भीड़ नहीं जुटे। अधिकारी ने बताया कि संसद का शीतकालीन सत्र जारी है, इसलिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 मध्य दिल्ली में लागू है। धारा 163 पांच या अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगाती है। बांग्लादेश में हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के साथ-साथ हिंदू समुदाय पर हमलों के विरोध में अगरतला में सोमवार को हजारों लोगों ने बांग्लादेशी मिशन के पास बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर बांग्लादेश के सहायक उच्चायोग में घुसकर तोड़फोड़ की, इस घटना को विदेश मंत्रालय (एमईए) ने बेहद खेदजनक बताया। माना जाता है कि नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग ने अगरतला स्थित अपने मिशन में हुए उल्लंघन पर विरोध दर्ज कराया है।

मुफ्त की रेवड़ी को घर-घर पहुंचाने का दिया मंत्र:केजरीवाल

केजरीवाल पार्टी के सभी विंग से व्यक्तिगत तौर पर जुड़कर जमीनी हकीकत से हो रहे रू-ब-रू

- केजरीवाल की वालेंटियर्स से अपील, छोटी-छोटी बैठकें कर आप सरकार से मुफ्त मिल रही छह रेवड़ियों के बारे में जनता को बताएं और जनता के फीडबैक उनतक पहुंचाए

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रही, आम आदमी पार्टी की रणनीति वैसे -वैसे धारदार होती जा रही। आम आदमी पार्टी की रीढ़ माने जाने वाले वालेंटियर्स की इस चुनाव में भी महत्ती भूमिका है। इसे आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल भी बखूबी समझते हैं। इस कारण वह एक-एक वालेंटियर्स से सीधे संपर्क में हैं। उनसे विभिन्न माध्यमों से बात कर रहे हैं। उन्हें सरकार के काम और खासकर दिल्ली सरकार की ओर से दी जा रही मुफ्त रेवड़ियों को घर-घर पहुंचाने के लिए प्रेरित कर रहे। इसके लिए अरविंद केजरीवाल पार्टी के सभी विंग के हर वालेंटियर्स से खुद सीधा संपर्क कर रहे हैं। मंगलवार को उन्होंने वीडियो कॉल के जरिए महिला विंग के सभी वालेंटियर्स से संपर्क साधा। उन्हें मुफ्त को रेवाड़ी को घर-घर तक पहुंचाने का ना सिर्फ मंत्र दिया, बल्कि उनसे जमीनी हकीकत भी समझी। बातचीत के दौरान वालेंटियर्स ने केजरीवाल को बताया कि जनता फिर से अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री के तौर पर देखना चाहती है। अरविंद केजरीवाल से बातचीत करने के लिए महिला विंग की अध्यक्ष सारिका चौधरी और उनके साथ 500 से अधिक महिला वालेंटियर्स इस वीडियो कॉल से जुड़ीं। महिला विंग ने अरविंद केजरीवाल को बताया कि वह घर-घर जा रही हैं और छोटी- छोटी बैठकें कर छह रेवड़ियों पर लोगों के साथ चर्चा कर रही हैं। इस दौरान काफी महिला वालेंटियर ने अरविंद केजरीवाल से बात भी की। महिलाओं ने कहा कि आप बहुत अच्छा काम कर रहें हैं। हम सभी आपके साथ पूरी शिद्दत के साथ लगे हुए हैं। एक-एक व्यक्ति से बात कर आम आदमी पार्टी सरकार द्वारा किए जा रहे जनहित के कार्यों पर उनसे चर्चा कर रहे हैं। जनता को यह भी बता रहे हैं कि अगर ह्लआपह्व की सरकार चली गई तो उनको मिल रही मुफ्त बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिलाओं का बस में सफर और बुजुर्गों की तीर्थयात्रा समेत अन्य सुविधाएं बंद हो जाएंगी। जनता को यह भी बताया जा रहा है कि बड़ी मुश्किल से अरविंद केजरीवाल और उनकी टीम ने दिल्ली की खस्ता हाल को सुधारा है। दिल्ली की जनता को तमाम मुफ्त की सुविधाएं देने के साथ-साथ दिल्ली का बजट भी मुनाफे में बनाए रखा है। अगर दूसरी सरकार आ गई तो फिर दिल्ली 10 साल पहले वाली स्थिति में चली जाएगी। आपके स्कूल और अस्पताल का बेड़ा गर्क हो जाएगा। महिला विंग के वालेंटियर्स ने बताया कि दिल्ली की जनता ह्लआपह्व सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों से संतुष्ट है। लोग स्कूल, अस्पताल, बिजली, पानी की सुविधाओं से बेहद खुश हैं। ज्यादातर लोग चाहते हैं कि पिछली बार की तरह इस बार भी आम आदमी पार्टी की प्रचंड बहुमत की सरकार बनें और अरविंद केजरीवाल एक बार फिर दिल्ली के मुख्यमंत्री बनें। जनता को अरविंद केजरीवाल पर पूरा भरोसा है। जनता कह रही है कि जब तक आप हैं, उनका कोई भी काम नहीं रुकेगा। इस दौरान अरविंद केजरीवाल ने सभी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि आप सभी जमीन पर बहुत मेहनत कर रहे हैं। आप सभी की इस मेहनत का परिणाम भी सुखद आयेगा। आप सभी इसी तरह मेहनत से लगे रहें। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आप सभी ज्यादा से ज्यादा बैठकें करने की कोशिश करें। कई टीम बनाकर अपनी एरिया में लोगों के साथ बैठक करें। इन बैठकों में छह रेवड़ियों की जनता को विस्तार से बताएं। छह रेवड़ियों के फायदे और उसके बंद होने के नुकसान भी बताएं, ताकि जनता सही निर्णय कर सके। केजरीवाल ने वालेंटियर्स से उनका अनुभव और जमीनी हकीकत की जानकारी भी ली। साथ ही वालेंटियर्स की राय भी जानी। केजरीवाल ने कहा कि वालेंटियर्स हमारी रीढ़ है। उनकी मेहनत की बदौलत ही पार्टी आज इस मुकाम पर है। महिला वालेंटियर्स ने बताया कि दिल्ली केजरीवाल को फिर से मुख्यमंत्री बनाने को बेताब है।

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया आठवले दिल्ली प्रदेश का महाधिवेशन तालकटोरा स्टेडियम में संपन्न हुआ

- नशा मुक्त दिल्ली और जहां झुग्गी वहां दुकान और जहां पटरी वहीं दुकान के लिए संकल्प लिया, दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी उतरेगी पार्टी: रामदास आठवले

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया आठवले दिल्ली प्रदेश का महाधिवेशन आज तालकटोरा स्टेडियम नई दिल्ली में आयोजित किया गया। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री एवं पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री रामदास आठवले समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए श्री रामदास आठवले ने कहा कि रिपब्लिकन पार्टी आफ इंडिया दिल्ली प्रदेश ने दिल्ली को नशा मुक्त करने का संकल्प लिया है। हम भावी युवा पीढ़ी को नशामुक्त करना चाहते हैं। पार्टी दलितों, पिछड़ों, वंचितों और समाज के सभी वर्गों के गरीब लाचार लोगों के जीवन में खुशहाली लाना चाहती है। जहां झुग्गी वहां मकान और जहां पटरी वहीं दुकान के लिए पार्टी अभियान चलाएगी। पार्टी दिल्ली में दिव्यांग जनों के लिए कल्याणकारी योजनाएं चलाएंगी। आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया आठवले दिल्ली से केजरीवाल सरकार को हराने के लिए भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर केजरीवाल के कुशासन से दिल्ली को मुक्ति दिलाएंगी। श्री आठवले ने कहा कि रिपब्लिकन पार्टी इस बार दिल्ली विधानसभा चुनाव में उतरना चाहती है इसके लिए भाजपा से कुछ सीटों की हम मांग करेंगे। हम एनडीए के सहयोगी दल हैं इसलिए दिल्ली में पूरी ताकत से भाजपा के साथ मिलकर केजरीवाल को सत्ता से उखाड़ फेंकेंगे। दिल्ली में कमजोर वर्गों के सभी सर्व समाज के लोगों के कल्याण, महिलाओं की संरक्षा और सम्मान रिपब्लिकन पार्टी की प्राथमिकता सूची में शामिल है। इस अवसर राष्ट्रीय महासचिव श्री राजीव मेनन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री मिथलेश पांडे, राष्ट्रीय सचिव श्रीमती लक्ष्मी देवी, नार्थ इंडिया प्रेसिडेंट श्रीमती मंजू छिब्बर, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष फखरे आलम, कार्यकारी अध्यक्ष श्री अनिल भाई चौधरी, दिल्ली प्रदेश महिला अध्यक्ष श्रीमती प्रेमलता दुबे, दिल्ली प्रदेश उपाध्यक्ष श्री हर्ष असडी, श्री जिनेंद्र जैन, महामंत्री श्री सुनील सत्याथी, सचिव श्री दीपक चावला, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया आठवले से पश्चिमी दिल्ली से पूर्व लोकसभा सांसद प्रत्याशी रहे शिक्षाविद डॉ दयानंद वत्स भारतीय सहित हजारों की संख्या में रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया दिल्ली प्रदेश के कार्यकर्ताओं ने महाधिवेशन में हिस्सा लिया और समाज के सभी वर्गों के लोगों को साथ लेकर दिल्ली में पार्टी संगठन की मजबूती का संकल्प लिया। शिक्षाविद् दयानंद वत्स भारतीय , पूर्व लोकसभा सांसद प्रत्याशी, पश्चिमी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया आठवले दिल्ली प्रदेश, पूर्व उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता

पराली हटाने के लिए किसानों को प्रति एकड़ ढाई हजार रुपए की मदद मिले : राघव चड्ढा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

सर्दियों में होने वाले वायु प्रदूषण के लिए पराली जलाए जाने को एक महत्वपूर्ण कारण माना जाता है। दिल्ली और उत्तर भारत के वायु प्रदूषण पर मंगलवार को आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि किसान अपनी खुशी से पराली नहीं जलता है बल्कि मजबूरी में उसे ऐसा करना पड़ता है। उत्तर भारत में वायु प्रदूषण को लेकर राघव का कहना था कि पूरे उत्तर भारत ने धुएं की चादर ओढ़ रखी है। हर सांस में अपने साथ हम न जाने कितनी बीड़ी सिगरेट का धुआं ले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण केवल दिल्ली का मुद्दा नहीं बल्कि पूरे उत्तर भारत का मुद्दा है। वायु प्रदूषण कोई सरहद नहीं समझता। राज्यसभा में बोलते हुए राघव चड्ढा ने कहा कि दिल्ली से ज्यादा प्रदूषण आज भागलपुर, भिवानी, मुजफ्फरनगर, हापुड़, नोएडा, विदिशा, आगरा, फरीदाबाद जैसे कई इलाकों में है। राघव चड्ढा ने राज्यसभा में कहा कि वायु प्रदूषण का सारा दोष देश के किसानों के ऊपर मढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि, मैं आज देश के किसानों की बात उठाना चाहता हूं। आईआईटी ने बताया है कि पराली जलाना प्रदूषण के कई कारणों में से एक है, लेकिन यह वायु प्रदूषण का इकलौता कारण नहीं है। चड्ढा ने कहा कि पूरा साल तो हम कहते हैं कि किसान हमारा अन्नदाता है, लेकिन जैसे ही नवंबर का महीना आता है तो हम कहने लगते हैं कि किसान पर जुमार्ना लगाया जाए। उन्होंने कहा कि किसान मजबूरी में पराली जलाते हैं। राघव चड्ढा ने राज्यसभा को बताया कि राजस्थान, मध्य प्रदेश, हरियाणा उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में पराली जलाए जाने की घटनाएं बढ़ी हैं। वहीं पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में 70 फीसदी से अधिक की कमी देखी गई। उन्होंने कहा कि पंजाबियों की खुराक चावल नहीं है, देश की आवश्यकता पूरी करने के लिए पंजाब ने धान की खेती की। इससे हमारा नुकसान हुआ है, जलस्तर नीचे चला गया। धान की फसल काटने के बाद जो पराली बचती है उसे हटाने के लिए केवल 10 से 12 दिन होते हैं क्योंकि अगली फसल बोनी होती है। राघव चड्ढा ने राज्यसभा को बताया कि राजस्थान, मध्य प्रदेश, हरियाणा उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में पराली जलाए जाने की घटनाएं बढ़ी हैं। वहीं पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में 70 फीसदी से अधिक की कमी देखी गई। उन्होंने कहा कि पंजाबियों की खुराक चावल नहीं है, देश की आवश्यकता पूरी करने के लिए पंजाब ने धान की खेती की। इससे हमारा नुकसान हुआ है, जलस्तर नीचे चला गया। धान की फसल काटने के बाद जो पराली बचती है उसे हटाने के लिए केवल 10 से 12 दिन होते हैं क्योंकि अगली फसल बोनी होती है। मशीनों से पराली निकलने पर प्रति एकड़ 2 से 3 हजार रुपए का खर्च आता है, इसलिए किसान को मजबूरन पराली जलानी पड़ती है। राघव चड्ढा ने कहा कि इसके लिए मैं एक समाधान लेकर आया हूं। उन्होंने कहा कि पराली हटाने के लिए केंद्र सरकार किसानों को प्रति एकड़ 2000 रुपए की मदद दे और राज्य सरकार इसमें 500 रुपए की मदद देगी तो इस समस्या का अल्पकालीन समाधान निकाला जा सकता है।

आप सत्ता के लालच में किसी भी हद तक जा सकती है: भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पंजाब में कुरान को अपवित्र करने के मामले में महरौली के आप विधायक नरेश यादव की दोषसिद्धि का हवाला देते हुए मंगलवार को आम आदमी पार्टी (आप) पर आरोप लगाया कि वह सत्ता के लालच में किसी भी हद तक जा सकती है। भाजपा प्रवक्ता शाजिया इल्मी ने यहां संवाददाताओं से कहा कि एक अन्य आप विधायक नरेश बाल्यान को हाल में दिल्ली पुलिस ने जबरन वसूली के आरोपों में गिरफ्तार किया है। उन्होंने आप संयोजक अरविंद केजरीवाल को भी निशाना बनाया। उन्होंने कहा, चाहे जबरन वसूली हो या सांप्रदायिक उन्माद पैदा करना, ऐसी धूर्त मानसिकता एवं ऐसा दल सत्ता के लालच में किसी भी हद तक जा सकता है। केजरीवाल के साथ संबंध खराब होने के बाद आप छोड़कर भाजपा में आयीं इल्मी ने कहा कि दिल्ली का सत्तारूढ़ दल मुसलमानों का वोट पाने के लिए तमाम तरह की बातें कहता है लेकिन उसके विधायक पंजाब में कुरान को अपवित्र करने की साजिश रचते हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल के मित्र एवं समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव को भी इस बारे में कुछ बोलना चाहिए। उन्होंने कहा, आप ने सारी सीमाएं लांघ दी है और वह खतरनाक पड़ाव पर पहुंच गयी है। उन्होंने कहा कि अब लोगों को ऐसे नेताओं से निजात पाने के बारे में निर्णय लेना है। इल्मी ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में कानून व्यवस्था को लेकर केजरीवाल ने हाल में दिल्ली पुलिस को जो निशाना बनाया, उसकी वजह बाल्यान के विरूद्ध कार्रवाई है। पंजाब के मालेरकोटला जिले की एक अदालत ने पिछले सप्ताह नरेश यादव को कुरान को अपवित्र करने के 2016 के मामले में दो साल की कैद की सजा सुनायी।

दिल्ली की अदालत ने शिक्षक को 2015 में पांच नाबालिग लड़कियों का यौन उत्पीड़न करने का दोषी करार दिया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली की एक अदालत ने एक स्कूल शिक्षक को 2015 में एक नाबालिग छात्रा का गंभीर यौन उत्पीड़न करने और उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाने के अलावा पांच नाबालिग लड़कियों का यौन उत्पीड़न करने और उन्हें आपराधिक रूप से धमकाने के मामले में दोषी ठहराया है। अदालत ने कहा कि अगर कोई पुरुष किसी महिला के शरीर के किसी विशेष अंग पर बेतुके और घृणित तरीके से टिप्पणी करता है, तो यह उसकी यौन मंशा को दर्शाता है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमित सहरावत एक स्कूल के प्रयोगशाला सहायक के खिलाफ मामले की सुनवाई कर रहे थे, जिस पर यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम और यौन उत्पीड़न के दंडात्मक प्रावधानों के तहत आरोप लगाया गया था।

विशेष लोक अभियोजक संदीप कौर ने कहा कि पांचों पीड़ितों ने संयुक्त रूप से आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है, जो शिक्षा निदेशालय का कर्मचारी है। अदालत ने 30 नवंबर को दिए गए आदेश में कहा, यह कानून का स्थापित सिद्धांत है कि महिलाओं के खिलाफ यौन अपराध के मामलों में सिर्फ पीड़िता की गवाही भी अभियोजन पक्ष के मामले को साबित करने के लिए पर्याप्त हो सकती है, लेकिन वर्तमान मामले में यह किसी एक पीड़िता का मामला नहीं है बल्कि पांच पीड़िताएं हैं, जिन्होंने आरोपी के खिलाफ गवाही दी है।

अदालत ने कहा कि सभी पीड़ितों की गवाही विश्वसनीय है और आरोपी के खिलाफ लगाए गए प्रत्येक के आरोप एक जैसे ही हैं। अदालत ने कहा, कुछ तथ्य ऐसे होते हैं जो पीड़ित अपने एक बयान में बताते हैं लेकिन दूसरे बयान में उसके बारे में नहीं बताते, लेकिन इस मामले में पीड़ित स्कूल जाने वाले बच्चे हैं और उनकी उम्र 12 वर्ष से कम है, इसलिए उनसे यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि उनके बयान प्रत्येक चरण में पूरी तरह एक जैसे रहेंगे। अदालत ने बचाव पक्ष के वकील की इस दलील को भी खारिज कर दिया कि लड़कियों ने झूठा मामला दर्ज कराया क्योंकि वे आरोपी से नाराज थीं। अदालत ने कहा कि पीड़ितों ने पहले स्कूल के प्रधानाचार्य से शिकायत की थी। अदालत ने कहा कि आरोपी के मोबाइल फोन से वीडियो क्लिप बरामद की गई, जिससे साबित होता है कि उसने लड़कियों की क्लिप उस समय बनाई थी जब वे स्कूल में खेल रही थीं या नाच रही थीं।अदालत ने कहा कि आरोपी ने एक पीड़िता के शरीर के अंगों पर टिप्पणी की, एक अन्य लड़की के कंधे और कमर को छुआ तथा सभी पांचों पीड़ितों से स्तनपान कराने वाली माताओं और शिशुओं के बारे में टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि आरोपी के समग्र

दिल्ली के चिन्मय स्कूल में 13 साल के बच्चे का शव मिला, मामले में जांच शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली के वसंत विहार स्थित चिन्मय स्कूल में 13 साल के छात्र प्रिंस की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। परिजनों ने स्कूल के ही एक बच्चे पर गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। बताया जा रहा है कि प्रिंस का स्कूल के बच्चे से झगड़ा हुआ था। प्रिंस छठी क्लास में पढ़ता था। प्रिंस के पिता कुशाग्र ड्रेन क्लीनर है। इनका एक और बेटा पीयूष है। बताया गया कि क्लासरूम के अंदर बच्चे का शव मिला है। तीन नवंबर को ही प्रिंस का जन्मदिन था। उधर, बेटे की लाश देखकर मां का कलेजा कांप उठा। प्रिंस की मां नीतू का रो-रोकर बुरा हाल है। वह बार-बार यही कह रही है कि मेरे बेटे को क्यों मारा? मां समेत परिजन स्कूल के टीचरों पर आरोप लगा रहे हैं। जांच में सामने आया कि यह सीबीएसई का स्कूल है। छात्र का ईडब्ल्यूएस कोटे से दाखिला हुआ था। झगड़े की बात अभी कंफर्म नहीं है। बताया गया कि प्रिंस अपने स्कूल में फुटबाल टीम का कैप्टन था। वहीं, बच्चे की मौत की सूचना पर परिजन व आसपास के लोग मौके पर पहुंचे हैं। परिजन स्कूल के बाहर हंगामा कर रहे हैं। हंगामा बढ़ता देख बच्चों की छुट्टी कर दी गई और स्कूल को बंद कर दिया गया है। परिजन टीचरों पर हत्या का आरोप लगा रहे हैं। पुलिस के अनुसार, प्रिंस वसंत विहार कुसुमपुर पहाड़ी में रहता था। जिस बच्चे से झगड़ा हुआ था, वह अपने माता-पिता के साथ स्कूल के अंदर है। फोर्टिस अस्पताल वसंत कुंज से आज सुबह 10.15 बजे सूचना मिली कि प्रिंस पुत्र सागर निवासी ए-120, कुदुमपुर पहाड़ी वसंत विहार को मृत अवस्था में लाया गया है। जांच और शव के निरीक्षण से पता चला है कि मृतक के शरीर पर कोई चोट नहीं थी। मुंह से झाग जैसा कुछ निकल रहा था। डॉक्टरों ने मौखिक रूप से बताया कि मृतक को दौरे पड़ने की समस्या हो सकती है। जांच की जा रही है। स्कूल के बच्चों और शिक्षकों की जांच की जा रही है और उसके अनुसार आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

डिलीवरी ब्वॉय की हत्या का आरोपी पंजाब से गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

तिलक नगर में जोमैटो डिलीवरी ब्वॉय सागर सिंह की चाकू मारकर हत्या करने के मामले में वांछित आरोपित सुरजीत सिंह को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। वह वारदात के बाद 2022 से फरार था। कोर्ट ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया था। धूम्रपान करने को लेकर हुए विवाद में सुरजीत सिंह ने अपने साथी हर्षदीप सिंह के साथ मिलकर डिलीवरी ब्वॉय की हत्या कर दी थी। हर्षदीप सिंह को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। सुरजीत सिंह गिरफ्तारी से बचने के लिए निहंग का वेश धारण कर लिया था। डीसीपी सतीश कुमार का कहना है कि सुरजीत सिंह, तिलक नगर का रहने वाला है। उसके खिलाफ 15 जून 2022 को कृष्णपुरी, तिलक नगर के रहने वाले जोमैटो डिलीवरी ब्वॉय सागर सिंह की हत्या के मामले में मुकदमा दर्ज हुआ था। धूम्रपान को लेकर हुए विवाद में आरोपित ने अपने साथी हर्षदीप सिंह के साथ मिलकर सागर सिंह की हत्या कर दी थी। हर्षदीप ने डिलीवरी ब्वॉय को धूम्रपान करने से मना किया था, जिस कारण उसका हर्षदीप सिंह से झगड़ा हो गया था। घटना के बाद हर्षदीप को स्थानीय पुलिस ने पकड़ लिया, जबकि सुरजीत सिंह पंजाब के बटाला भाग गया था। काफी समय तक सुरजीत के नहीं पकड़े जाने पर उसे पकड़ने की जिम्मेदारी क्राइम ब्रांच को सौंपी गई। एसीपी नरेश कुमार व इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार की टीम ने उसकी तलाश में दिल्ली और पंजाब में कई संभावित ठिकानों पर दबिश दी। टीम को मोबाइल की लोकेशन पंजाब के अमृतसर में होने का पता चला। वहां सात दिनों तक जांच के बाद पुलिस टीम ने आरोपित को गुरदासपुर जिले के बटाला बाईपास के पास मडियावल गांव से दबोच लिया। सुरजीत सिंह ने बताया कि वारदात के बाद दिल्ली से भागकर वह पंजाब चला गया था। वहां विभिन्न डेरों में शामिल होकर वह निहंग के रूप में रहने लगा। सुरजीत सिंह पहले एक कांच की दुकान में काम करता था। वहां उसकी आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति हर्षदीप सिंह से दोस्ती हो गई थी।

मंगोलपुरी में युवक की हत्या

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद मौके पर स्थानीय पुलिस पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोटमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। मृतक की पहचान पंकज के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक घटना मंगोलपुरी के ब्लॉक में बीती देर रात तकरीबन ढाई से तीन बजे के दौरान की है। रात में कुछ युवकों के बीच कहासुनी हुई, जो झगड़े में तब्दील हो गई। झगड़े के दौरान गोलियां चलीं। इस गोलीबारी में एक युवक को गोली लग गई, जिसे नजदीक के संजय गांधी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया।

मोहल्ला बसों के साथ दिल्ली में परिवहन क्रांति 2.0 की शुरूआत, अगले 2 सप्ताह में दिल्ली की सड़कों पर उतरेंगी 150 शानदार मोहल्ला बसें

सीएम आतिशी ने कुशक नाला इलेक्ट्रिक बस डिपो में मोहल्ला बसों का निरीक्षण किया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आप सरकार ने एक बार फिर दिल्लीवालों से किया अपना वादा निभाया है। मोहल्ला बसों के साथ दिल्ली में परिवहन क्रांति 2.ड की शुरूआत हो रही है। दिल्ली में अपने 2 सप्ताह के भीतर 150 मोहल्ला बसों को सड़कों पर उतारा जाएगा। इस बाबत मुख्यमंत्री आतिशी ने मंगलवार को कुशक नाला डिपो में मोहल्ला बसों का निरीक्षण किया। सीएम ने यहाँ बसों में लोगों के लिए मौजूद सुविधाओं का निरीक्षण किया, बसों के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की जांच की और खुद अधिकारियों के साथ बस में सफर भी किया। इस मौके पर सीएम आतिशी ने कहा कि, ह्लमोहल्ला बसों के साथ दिल्ली की सड़कों पर परिवहन क्रांति के नए दौर की शुरूआत होगी और अरविंद केजरीवाल जी के मार्गदर्शन में आई ये मोहल्ला दिल्ली में लास्ट माइल कनेक्टिविटी के लिए गेम चेंजर साबित होंगी।

सीएम आतिशी ने कहा कि, ह्लआज हम कुशक नाला इलेक्ट्रिक बस डिपो पर मोहल्ला बसों का निरीक्षण करने आए है। इस डिपो में इन 9 मीटर की 150 लो फ्लोर इलेक्ट्रिक मोहल्ला बसों की पहली खेप आ चुकी है ह्व

उन्होंने कहा कि, इन बसों का 2 रूट पर निरीक्षण भी हो चुका है। ये 150 बसें आने वाले 2 सप्ताह में दिल्ली की सड़कों पर उतर जायेंगी। जिन भीड़भाड़ वाले इलाकों में 12 मीटर की बड़ी बसें नहीं जा पाती है, उन इलाकों में अरविंद केजरीवाल जी के मार्गदर्शन में लाई गई ये मोहल्ला बसें गेम चेंजर साबित होंगी।

सीएम आतिशी ने साझा किया कि, ह्लदिल्ली में हमेशा से ट्रांसपोर्ट में लास्ट माइल कनेक्टिविटी की समस्या रही है। इस समस्या का समाधान करने के लिए 2025 तक दिल्ली की सड़कों पर 2140 सड़कें उतरेंगी। ये सभी बसें पूरी तरह वातानुकूलित है। बस पैनिक बटन, सीसीटीवी और जीपीएस से लैस है। मात्र मिनट की चार्जिंग के साथ ये बसें 200 किमी तक चल सकती है।

उन्होंने कहा कि, अरविंद केजरीवाल जी के मार्गदर्शन में दिल्लीवालों को सुविधा देने का काम ह्लआपह्व सरकार पिछले 10 सालों से कर रही है। डीटीसी बसों में आम परिवार के लोग जाते है। उन्हें सबसे शानदार सुविधाएं मिले ये अरविंद केजरीवाल का विजन है और आप सरकार लगातार इसपर काम कर रही है। बता दे कि, नौ मीटर लंबी ये बसें इलेक्ट्रिक बैटरी से संचालित होती हैं और विशेष रूप से उन क्षेत्रों में चलाने के लिए डिजाइन की गई हैं, जहां दिल्ली परिवहन निगम (उ्छ्ल्उ) की 12 मीटर लंबी मानक बसें नहीं चल सकती थीं, जैसे कि भीड़भाड़ वाले मोहल्ले और तंग गलियां। ये बसें मेट्रो स्टेशनों जैसे महत्वपूर्ण परिवहन बिंदुओं को बेहतर तरीके से जोड़ने में भी मदद करेंगी।

यह न केवल लोगो के समय और पैसे की बचत करेगी, बल्कि उन्हें ऑटो रिक्शा लेने या अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए कई बस रूट बदलने की आवश्यकता भी समाप्त कर देगी।

मोहला बसों की विशेषताएं

मोहल्ला बस 196 किलोवाट की कुल क्षमता वाले छह बैटरी पैक से सुसज्जित है, जो 45 मिनट की चार्जिंग के साथ 200+ किमी की रेंज प्रदान करती है।9 मीटर की इन मोहल्ला बसों में 23 यात्री सीटें और 13 यात्रियों के खड़े होने की क्षमता है।

आसानी से पहचान के लिए मोहल्ला बसों को हरे रंग का रखा गया है। मोहल्ला बसों में 25% सीटें (6 सीटें) गुलाबी रंग की हैं, जो विशेष रूप से महिला यात्रियों के लिए आरक्षित हैं।

मोहल्ला बस योजना का लक्ष्य 9 मीटर लंबी इलेक्ट्रिक बसों के द्वारा दिल्लीवासियों को उनके घर के आसपास फीडर बस सेवाएं प्रदान करना है। दिल्ली सरकार की योजना 2025 तक कुल 2,140 ऐसी बसें शुरू करने की है, जो विशेष रूप से सीमित सड़क चौड़ाई या भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों के लिए होंगी।

दिल्ली सरकार ने मोहल्ला बसों की पार्किंग और रखरखाव के लिए पूरी दिल्ली में 16 डिपो बनाए हैं।

मोहल्ला बसों के लिए डिपो

पूर्वी जोन

1. गाजीपुर डिपो में 60 मोहल्ला बसें होंगी।
2. ईस्ट विनोद नगर में 180 मोहल्ला बसें होंगी।

हाईकोर्ट ने मानवाधिकार कार्यकर्ता नदीन खान की गिरफ्तारी पर लगाई रोक

नई दिल्ली । सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने के बाद आपराधिक साजिश रचने व दुश्मनी को बढ़ावा देने के मामले में मानवाधिकार कार्यकर्ता नदीन खान की गिरफ्तारी पर दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार तक रोक लगा दी है। अदालत ने कहा कि राष्ट्र की सद्भावना इतनी नाजुक नहीं है। वीडियो अपलोड होने के बाद पुलिस ने नदीन के विरुद्ध प्राथमिकी की थी। न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने नदीन खान को बुधवार को जांच में शामिल होने व सहयोग करने का आदेश दिया। साथ ही यह भी कहा कि जांच अधिकारी की अनुमति के बगैर वह राष्ट्रीय राजधानी से बाहर नहीं जाएंगे। अदालत ने नदीन खान की याचिका पर नोटिस जारी कर पुलिस से जवाब मांगा है। नदीन ने उनके खिलाफ की गई प्राथमिकी को रद करने का निर्देश देने की मांग की है। अदालत ने खान और एपीसीआर द्वारा दायर याचिकाओं के जवाब में एक नोटिस जारी किया, जिसमें दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर को रद करने की मांग की गई थी।

दिल्ली पुलिस ने मानवाधिकार कार्यकर्ता नदीम खान के खिलाफ एक एफआईआर दर्ज की है, जिसमें सोशल मीडिया पर एक वीडियो अपलोड करने के बाद उन पर दुश्मनी और आपराधिक साजिश को बढ़ावा देने का आरोप लगाया गया है। पुलिस का आरोप है कि वीडियो, जिसके बारे में उनका दावा है कि उसने स्थानीय समुदायों में अशांति फैलाई, इसी के कारण मामला दर्ज किया गया। खान, जो 2020 से एसोसिएशन फॉर द प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स (एपीसीआर) के राष्ट्रीय सचिव के रूप में काम कर रहे हैं, उनका नाम शिकायत में है। करीब तीन मिनट का वीडियो हुआ था वायरल एफआईआर के अनुसार, 2.5 मिनट के वीडियो में एक व्यक्ति एक प्रदर्शनी स्टॉल पर खड़ा है, जो एक बैनर की ओर इशारा करता है और नदीम खान, अखलाक, रोहित वेमुला, पहलू खान और 2020 के सीएए/एनआरसी विरोध प्रदर्शन के साथ-साथ दिल्ली दंगों जैसे लोगों पर चर्चा करता है। वीडियो में कथित तौर पर एक विशिष्ट समुदाय को पीड़ितों के रूप में दिखाया गया है, जिसे पुलिस सांप्रदायिक तनाव भड़काने का प्रयास बताती है। तस्वीरें भी हैं शामिल वीडियो में कई राजनेताओं और मीडिया हस्तियों की तस्वीरें भी शामिल हैं, जिन्हें कई बोर्डों पर प्रदर्शित किया गया है। उन पर नफरत फैलाने का आरोप लगाया गया है। एफआईआर में कहा गया है कि वीडियो में मौजूद व्यक्ति ने इन तस्वीरों को भारत भर में हुई विभिन्न घटनाओं से जोड़ते हुए एक विशेष समुदाय को पीड़ित के रूप में पेश किया है

दिल्ली सरकार आईजीडीटीयूडब्ल्यू के खातों का सीएजी से ऑडिट करवाएगी

प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने इंदिरा गांधी दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी फॉर वूमेन (आईजीडीटीयूडब्ल्यू) के खातों का अगले पांच वर्षों के लिए सीएजी से ऑडिट करवाने का फैसला लिया है। मंगलवार को मुख्यमंत्री आतिशी ने आईजीडीटीयूडब्ल्यू के खातों की अगले पांच सालों के लिए सीएजी से ऑडिट कराने को मंजूरी दे दी। इस बाबत आतिशी ने कहा कि सरकार के इस कदम से यूनिवर्सिटी के वित्तीय मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी। ऑडिट के जरिए किसी भी प्रकार की अनियमितताओं और वित्तीय कुप्रबंधन को पहचान कर उसे दूर करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा का स्तर सुधारने के साथ-साथ बेहतर फाइनेंशियल मैनेजमेंट दिल्ली सरकार की प्राथमिकता है। इस दिशा में सीएजी ऑडिट सुनिश्चित करेगा कि लोगों के टैक्स का का सही इस्तेमाल हो। आतिशी ने कहा कि सरकार का यह कदम यूनिवर्सिटी के वित्तीय मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही को सुनिश्चित करेगा। उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली सरकार के लिए अपने उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षा का स्तर सुधारने के साथ-साथ बेहतर फाइनेंशियल मैनेजमेंट हमेशा से प्राथमिकता रही है।

इस दिशा में सीएजी ऑडिट के जरिए यह सुनिश्चित होगा कि लोगों के टैक्स का सही और बेहतर तरीके से इस्तेमाल हो। साथ ही इससे अनियमितताओं और वित्तीय कुप्रबंधन को भी दूर करने में भी मदद मिलेगी। सीएजी द्वारा ऑडिट कराए जाने से यह सुनिश्चित होगा कि यूनिवर्सिटी के सभी वित्तीय लेन-देन और खर्चों की गहन जांच हो। यह प्रक्रिया न केवल वित्तीय कुप्रबंधन को रोकने में मदद करेगी बल्कि पूरे सिस्टम में पारदर्शिता भी लाएगी। सीएजी ऑडिट से प्रशासनिक पारदर्शिता को बढ़ावा मिलेगा।

आप सांसद राघव चड्ढा ने राज्यसभा में पराली प्रबंधन के लिए किसानों को प्रति एकड़ ढाई हजार रुपए मदद देने का रखा प्रस्ताव

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पंजाब से राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने मंगलवार को राज्यसभा में पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण का मुद्दा उठाया और पराली को खत्म करने के लिए कुछ अहम सुझाव भी दिए। इस दौरान उन्होंने पराली प्रबंधन के लिए किसानों को प्रति एकड़ 2,500 रुपए मदद देने का प्रस्ताव रखा, ताकि किसान पराली को जलने के बजाय उसका प्रबंधन कर सके। उन्होंने कहा कि हम एआई के बारे में बहुत बात करते हैं, लेकिन अब एक्यूआई के बारे में बात करने का समय है। पराली का सही तरीके से प्रबंधन तभी संभव है, जब केंद्र सरकार, राज्य सरकार के उपायों का भी समर्थन करे। वायु प्रदूषण पूरे उत्तर भारत की समस्या है। केंद्र सरकार को इसके लिए शॉर्ट-टर्म और लॉन्ग-टर्म दोनों समाधान पर काम करना चाहिए।।

आम आदमी पार्टी के पंजाब से राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने कहा कि उत्तर भारत ने आज एक धुएं की चादर ओढ़ी हुई है और हर सांस के साथ ना जाने कितनी सिगरेट और बीड़ी का धुआं हम अपने अंदर ले जा रहे हैं। वायु प्रदूषण सिर्फ दिल्ली का मुद्दा नहीं है बल्कि पूरे उत्तर भारत का मुद्दा है। सरहद, प्रदूषण तो समझता नहीं है और आज दिल्ली से कहीं ज्यादा वायु प्रदूषण भागलपुर, मुजफ्फरनगर, नोएडा, हापुड़, विदिशा, भिवानी, भिवाड़ी, आगरा और फरीदाबाद जैसे इलाकों में है। लेकिन क्योंकि वायु प्रदूषण का सारा दोष किसान पर मढ़ा जाता है, आज मैं उस किसान की आवाज उठाना चाहता हूं। आईआईटी की एक स्टडी बताती है कि पराली जलाना वायु प्रदूषण का एक कारण है, लेकिन इकलौता कारण नहीं है। फिर भी सारा दोष किसान को दिया जाता है। हम पूरा साल कहते हैं कि किसान हमारा भगवान है, हमारा अन्नदाता है। लेकिन जैसे ही नवंबर का महीना आता है तो हम कहते हैं कि किसान क्रिमिनल है, उसे जेल में डाला जाए, उस पर जुमार्ना लगाए जाए। इसीलिए मैं कहना चाहता हूं कि कोई भी किसान जानबूझकर अपनी खुशी से पराली नहीं जलाता है बल्कि मजबूरी में जलाता है। इस साल हमारे सूबे पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में 70 फीसदी की गिरावट देखी गई। जबकि मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में पराली जलाने की घटनाएं बढ़ी हैं। राघव चड्ढा ने कहा कि पंजाब ने धान की खेती क्यों शुरू की? क्योंकि देश का पेट पालना था, देश में अनाज की कमी थी। धान की खेती से पंजाब का भारी नुकसान हुआ। हमारा पानी 600 फीट नीचे चला गया। मिट्टी का क्षरण हो गया, वह भी तब जब चावल हमारी खुराक नहीं है। हम पंजाबियों की खुराक चावल नहीं है। धान की फसल कटने के बाद, जो पराली बचती है, उस पराली को साफ करने के लिए किसान के पास मात्र 10 से 12 दिन होते हैं। क्योंकि अगली फसल बोनी होती है। अगर 10 से 12 दिन में इस पराली को साफ न किया जाए तो अगली फसल की उपज गिर जाती है। इसीलिए किसान को मजबूरन पराली जलानी पड़ती है। अगर हम इसके कोई समाधान की बात करते हैं, हैप्पी सीडर और पेडीचॉपर जैसी मशीनों को चलाने के लिए बहुत ज्यादा पैसा खर्च करना पड़ता है। 2 से 3 हजार रुपए प्रति एकड़ किसान की जेब से लगता है। इसीलिए जो किसान खेती से अपनी लागत नहीं निकाल पा रहा है, वो पैसे कहां से लाएगा। किसान मजबूरी में पराली जलाता है और सबसे ज्यादा नुकसान उस किसान और उसके परिवारों को होता है, जिनको उस जहरीली हवा में सांस लेनी पड़ती है। राघव चड्ढा ने कहा कि मैं एक समाधान लाया हूं। अगर आज हम इस पराली से निजात पाने के लिए पंजाब, हरियाणा के किसान को भी ढाई हजार रुपए प्रति एकड़ देते हैं, तो पंजाब का एक भी किसान पराली नहीं जलाएगा। इसमें दो हजार रुपए भारत सरकार दे, पांच सौ रुपए पंजाब सरकार देगी और हम इस पराली की समस्या से शॉर्ट टर्म समाधान पा लेंगे। लंबे समय के लिए समाधान है क्रॉप डाईवर्शिफिकेशन यानि कि धान की खेती से हमें कॉटन, मक्का, दालें, ऑयल सीड्स की ओर बढ़ना होगा। हम एआई की तो बहुत बात करते हैं, हमें एक्यूआई की बात करनी होगी।

दिल्ली की कानून व्यवस्था को लेकर केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर खोला भाजपा के खिलाफ मोर्चा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में लॉ एंड आर्डर को लेकर एक बार फिर सोशल मीडिया के जरिए भाजपा को घेरना शुरू कर दिया है। अरविंद केजरीवाल लगातार बीते कई दिनों से दिल्ली में लगातार बढ़ती क्राइम की घटनाओं को लेकर भाजपा को घेरते हुए दिखाई दे रहे हैं। मंगलवार सुबह से ही अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया के जरिए दिल्ली में हो रही घटनाओं पर चिंता जाहिर करते हुए इसके लिए पुलिस को दोषी बताया है। अरविंद केजरीवाल ने अपने पहले सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, ह्वदिल्ली में खुलेआम लोगों के मर्डर हो रहे हैं और भाजपा कह रही है कि दिल्ली में क्राइम कोई मुद्दा ही नहीं है। दिनदहाड़े महिलाओं के साथ रेप हो रहे हैं, महिलाएं डरी हुई हैं, और भाजपा कह रही है कि दिल्ली में क्राइम कोई मुद्दा ही नहीं है। सड़कों पर खुलेआम गोलियां चल रही हैं, और भाजपा कह रही है कि दिल्ली में क्राइम कोई मुद्दा ही नहीं है। व्यापारियों को फिरौती के फोन आ रहे हैं, और भाजपा कह रही है कि दिल्ली में क्राइम कोई मुद्दा ही नहीं है। अगर आप समस्या को स्वीकार ही नहीं करोगे तो समाधान कैसे निकलेगा ?ह्व इसके बाद अरविंद केजरीवाल ने दूसरे पोस्ट में लिखा, ह्वकल रात मंगोलपुरी में भी सरेआम एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। परसों दिल्ली में तीन मर्डर हुए थे। क्राइम के खिलाफ सभी दिल्ली वालों को एकजुट होकर आवाज उठानी होगी। सबसे जरूरी अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा है ह्व अब एक बार फिर अरविंद केजरीवाल ने एक न्यूजपेपर की कटिंग को पोस्ट करते हुए लिखा, ह्वदिल्ली में बढ़ते स्नैचिंग के मामलों पर भले ही ये रिपोर्ट आज की है लेकिन मैं काफी समय से अपराध के बढ़ते ग्राफ को लेकर चिंतित हूं। हैरानी की बात है कि 2023 में रिपोर्ट हुए स्नैचिंग के आधे मामले भी अभी तक सॉल्व नहीं हुए हैं। आज हमारी दिल्ली की जनता जानना चाहती है कि ये चरमराती हुई कानून व्यवस्था कब सुधरेगी ?ह्व इन दिनों अरविंद केजरीवाल अपनी जनसभा और पदयात्रा के दौरान जहां पर भी जाते हैं, वहां पर क्राइम के मुद्दे को लेकर दिल्ली पुलिस और केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय को घेरते हुए दिखाई देते हैं।

विकासपुरी से एक वाहन चोर गिरफ्तार

नई दिल्ली । पश्चिमी दिल्ली जिला पुलिस की एएटीएस ने 30 नवंबर को स्मार्ट मॉनिटरिंग टूल्स की मदद से वाहन चोरी के मामले में एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी विकास के पास से दो चोरी की स्कूटी और एक बाइक बरामद की है। आरोपी दिल्ली-एनसीआर से दोपहिया वाहन चोरी कर उन्हें दूसरे राज्यों में बेचता था। सीसीटीवी फुटेज से आरोपी के बारे में जानकारी जुटाकर उसे विकासपुरी के गंदा नाला के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। उससे पूछताछ की जा रही है।

अवैध शराब के साथ अंतरराज्यीय तस्कर धरा

नई दिल्ली । द्वारका जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने 29 नवंबर को 25 कार्टन अवैध शराब के साथ एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी टीपू सुल्तान के पास से तस्करी में इस्तेमाल की जा रही गाड़ी भी जब्त की गई है। पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि अंतरराज्यीय सीमाओं पर निगरानी के लिए लगाए गए एएनपीआर कैमरों की फुटेज के विश्लेषण में तस्करों के बारे में जानकारी मिली। आरोपी हरियाणा से अवैध शराब की बोतलें तस्करी के लिए लाते थे।

आराम की जिंदगी जीने के लिए करते थे चोरी

नई दिल्ली । द्वारका जिला पुलिस की एएटीएस टीम ने सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों अक्षत और अंकुर के पास से एक बाइक और एक गाड़ी बरामद की गई है। दोनों भाई लग्जरी लाइफ जीने के लिए वाहन चोरी करते थे और फिर उन्हें सस्ते दामों में बेच देते थे। पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया का वाहन चोरी के मामले में एएटीएस टीम के इंचार्ज इंस्पेक्टर कमलेश मीणा की टीम जांच कर रही थी। इसी टीम ने छापा मारकर दोनों भाइयों को गिरफ्तार किया है।

डिलीवरी ब्वॉय की हत्या का आरोपी पंजाब से गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

तिलक नगर में जोमैटो डिलीवरी ब्वॉय सागर सिंह की चाकू मारकर हत्या करने के मामले में वांछित आरोपित सुरजीत सिंह को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। यह वारदात के बाद 2022 से फरार था। कोर्ट ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया था। धूम्रपान करने को लेकर हुए विवाद में सुरजीत सिंह ने अपने साथी हर्षदीप सिंह के साथ मिलकर डिलीवरी ब्वॉय की हत्या कर दी थी। हर्षदीप सिंह को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। सुरजीत सिंह गिरफ्तारी से बचने के लिए निहंग का वेश धारण कर लिया था। डीसीपी सतीश कुमार का कहना है कि सुरजीत सिंह, तिलक नगर का रहने वाला है। उसके खिलाफ 15 जून 2022 को कृष्णपुरी, तिलक नगर के रहने वाले जोमैटो डिलीवरी ब्वॉय सागर सिंह की हत्या के मामले में मुकदमा दर्ज हुआ था। धूम्रपान को लेकर हुए विवाद में आरोपित ने अपने साथी हर्षदीप सिंह के साथ मिलकर सागर सिंह की हत्या कर दी थी। हर्षदीप ने डिलीवरी ब्वॉय को धूम्रपान करने से मना किया था, जिस कारण उसका हर्षदीप सिंह से झगड़ा हो गया था। घटना के बाद हर्षदीप को स्थानीय पुलिस ने पकड़ लिया, जबकि सुरजीत सिंह पंजाब के बटाला भाग गया था। काफी समय तक सुरजीत के नहीं पकड़े जाने पर उसे पकड़ने की जिम्मेदारी क्राइम ब्रांच को सौंपी गई। एसीपी नरेश कुमार व इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार की टीम ने उसकी तलाश में दिल्ली और पंजाब में कई संभावित ठिकानों पर दबिश दी। टीम को मोबाइल की लोकेशन पंजाब के अमृतसर में होने का पता चला। वहां सात दिनों तक जांच के बाद पुलिस टीम ने आरोपित को गुरदासपुर जिले के बटाला बाईपास के पास मडियावल गांव से दबोच लिया। सुरजीत सिंह ने बताया कि वारदात के बाद दिल्ली से भागकर वह पंजाब चला गया था। वहां विभिन्न डेरों में शामिल होकर वह निहंग के रूप में रहने लगा। सुरजीत सिंह पहले एक कांच की दुकान में काम करता था। वहां उसकी आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति हर्षदीप सिंह से दोस्ती हो गई थी।

संदिग्ध हालात में छात्र की मौत

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिमी जिले के वसंत विहार इलाके में चिन्मय विद्यालय के अंदर छठी कक्षा में पढ़ने वाले 12 वर्षीय प्रिंस नामक छात्र की संदिग्ध हालात मंत मौत हो गई। घटना आज सुबह मंगलवार की है। सुबह 10:15 बजे फॉर्टिस अस्पताल वसंत कुंज से दिल्ली पुलिस को यह सूचना दी गई कि बच्चे की मौत हो गई है। पुलिस द्वारा शुरूआती पूछताछ में पता लगा कि बच्चे के मुंह से अचानक झाग निकलने लगा। उसके बाद स्कूल प्रशासन उसे फोर्टिस अस्पताल लेकर गई, जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दूसरी तरफ इस घटना के बाद मृतक बच्चों के परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। वह लगातार स्कूल प्रशासन पर आरोप लगा रहे हैं कि प्रिंस का स्कूल के अंदर किसी लड़के से झगड़ा हुआ था, जिसके कारण उसकी मौत हुई है। मृतक बच्चे के परिजन और रिश्तेदारों ने चिन्मय विद्यालय के बाहर खड़े होकर स्कूल प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। वहीं पुलिस का

कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने बाबरपुर इलाके के सफाई कर्मचारियों को ऑफिस में बुलाकर किया सम्मान

दिल्ली के लोगों से अपील, सफाई कर्मचारियों को सम्मान दें और दिल्ली को साफ और सुन्दर बनाने में अपना योगदान दें

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक एवं दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने मंगलवार को अपनी विधानसभा बाबरपुर के सफाई कर्मचारियों को अपने ऑफिस में बुलाकर उनको सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दिल्ली को साफ और सुन्दर बनाने में आपका अहम योगदान है। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारियों की मेहनत का आदर करना हम सबका कर्तव्य है। उन्होंने आगे कहा कि एमसीडी में हमारी सरकार ने पिछले दो साल में 8500 सफाई कर्मियों को पक्का किया है और सफाई कर्मियों को समय से सैलरी मिल रही है पहले इसके लिए धरना करना पड़ता था। गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली को साफ-सुथरा रखने एवं स्वच्छ वातावरण बनाने में हमारे सफाई कर्मचारियों की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं। उनकी सेवा भावना की जितनी प्रशंसा की जाए कम है। स्वच्छता ही सेवा है और हमारे सफाई कर्मचारी स्वच्छता का कार्य कर देश की बहुत बड़ी सेवा कर रहे हैं। बीमारियों को पनपने से रोक रहे हैं, समाज को स्वस्थ वातावरण उपलब्ध करा रहे हैं। इस अवसर पर गोपाल राय ने आमने-सामने बैठकर उनसे बातचीत की और समस्याओं को सुना। गोपाल राय ने उपस्थित सफाई कर्मचारियों को कहा कि आप हमारी सेवा करते हो। आपकी किसी तरह की भी समस्या हो, आपकी मदद की जायेगी । उन्होंने कहा कि हमारी सरकार गरीबों के कल्याण के लिए तमाम कदम उठा रही है। लोगों को मुफ्त और बेहतर इलाज उपलब्ध करा रही है , मुफ्त बिजली और पानी की सुविधा दे रही है साथ ही साथ शानदार सरकारी स्कूल बना दिए है जहाँ गरीब के बच्चे बेहतर शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। सरकार ने मोहल्ला क्लीनिक खोले हैं लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं देने का इंतजाम किया है। गोपाल राय ने कहा कि जब से हमारी सरकार एमसीडी में आई है, दो साल में हमने 8500 सफाईकर्मियों को पक्का कर दिया, बाकी को भी पक्के करेंगे। उन्होंने कहा कि आज सफाई कर्मियों को समय से सैलरी मिल रही है पहले इसके लिए धरना करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों के लोग जब एक साथ मिल कर कार्य करेगें , तभी दिल्ली स्वच्छ और सुंदर बनेगा ।

140वीं जयंती पर भारत के प्रथम राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद को श्रद्धा सुमन अर्पित किए

● सादा जीवन उच्च विचार के प्रणेता थे राजेंद्र बाबू: शिक्षाविद् दयानंद वत्स भारतीय

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

अखिल भारतीय स्वतंत्र पत्रकार एवं.लेखक संघ के राष्ट्रीय महामंत्री शिक्षाविद् दयानंद वत्स भारतीय ने आज संघ के मुख्यालय बरवाला मे भारत के प्रथम राष्ट्रपति भारत रत्न स्वर्गीय डॉ. राजेंद्र प्रसाद की 140वीं जयंती पर कृतज्ञ राष्ट्र की और से डॉ. राजेंद्र प्रसाद को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। वत्स ने कहा कि देशरत्न के नाम से लोकप्रिय डॉ. राजेंद्र प्रसाद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व सादा जीवन उच्च विचार को समर्पित रहा। वे तीन बार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष और भारतीय संविधान सभा के भी अध्यक्ष रहे। भारतीय संविधान के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। वे उच्चकोटि के विद्वान, शिक्षक और स्वतंत्रता सेनानी थे। शिक्षाविद् दयानंद वत्स भारतीय, राष्ट्रीय महामंत्री, 9910601710

दिल्ली की सड़कों पर उतरेंगी 150 मोहल्ला बस, मुख्यमंत्री आतिशी ने किया निरीक्षण

दिल्ली में रहने वाले लोग जो ऑफिस जाने के लिए डीटीसी बसों का प्रयोग करते हैं, उन्हें दिल्ली सरकार ने मोहल्ला बस का तोहफा दिया है। 9 मीटर की इन छोटी बसों को लास्ट माइल कनेक्टिविटी के तहत शुरू किया जा रहा है। मंगलवार को मुख्यमंत्री आतिशी ने 150 मोहल्ला बसों का निरीक्षण किया। 9 मीटर की ये ध्वनिरहित बसें भीड़भाड़ वाले इलाकों के लिए बनाई गई हैं, इनका ट्रायल पहले ही पूरा हो चुका है। बसों का निरीक्षण करने के बाद मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा है कि दिल्ली की अनूठी मोहल्ला बसें 9 मीटर लंबी इलेक्ट्रिक लो-फ्लोर बसें हैं। 150 बसों का पहला जत्था आ चुका है। ये बसें तैयार हैं और दो रूटों पर इनका ट्रायल भी हो चुका है। आज हम इन बसों और इनके चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का निरीक्षण करने आए हैं। एक बार जब ये 150 बसें दिल्ली की सड़कों पर आ जाएंगी, तो ये मोहल्ला बसों के रूप में काम करेंगी, जो 9 मीटर लंबी हैं और भीड़भाड़ वाले इलाकों तक पहुंच सकती हैं, जहां 12 मीटर की बड़ी इलेक्ट्रिक और सीएनजी बसें नहीं जा सकती हैं। उन्होंने आगे कहा कि अरविंद केजरीवाल के मार्गदर्शन में दिल्ली सरकार ने यह पहल की है। दिल्ली में परिवहन हमेशा से एक समस्या रही है, खासकर लास्ट-माइल कनेक्टिविटी। मेट्रो का काफी विस्तार हुआ है, लेकिन मेट्रो स्टेशन से घर पहुंचना दिल्लीवासियों के लिए एक बड़ी समस्या बनी हुई है। लास्ट-माइल कनेक्टिविटी समस्या को दूर करने के लिए दिल्ली भर में 2,000 से अधिक ऐसी मोहल्ला बसें चलाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि एम्स, आईएनए, गोविंदपुरी जैसे इलाकों को इस मोहल्ला बसों से कवर किया जाएगा। इस बस में खास बात यह है कि जब तक बस के दरवाजे बंद नहीं होते हैं बस नहीं चलेगी। बस के अंदर आराम से सफर कर सकते हैं। 10 साल से दिल्ली सरकार जनता की सुविधा के लिए काम कर रही है।

दो सगे भाई मिल साउथ से द्वारका तक कर रहे गाड़ी चोरी

संवाददाता

द्वारका जिला के एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड की पुलिस टीम ने दो ऐसे सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है, जो कार और मोटरसाइकिल चोरी की वारदात को अंजाम दे रहे थे। इनके पास से पुलिस टीम ने चोरी की कार और बाइक बरामद किया है। गिरफ्तार भाइयों की पहचान अक्षत महेश्वरी और अंकुर कुमार के रूप में हुई है। यह दोनों साउथ दिल्ली के संगम विहार और देवली गांव इलाके में रह रहे थे। डीसीपी अंकित सिंह ने बताया कि अक्षत पहले से 7 आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। जिसमें चोरी और सेंधमारी की वारदात शामिल है। जबकि अंकुर शॉर्टकट से पैसा कमाने के लिए भाई के साथ मिलकर वारदात करना शुरू किया था। इनकी गिरफ्तारी से बिंदापुर और डिफेंस कॉलोनी थाना के दो मामलों का खुलासा पुलिस ने किया है। एसीपी ऑपरेशन राम अवतार की देखरेख में इंस्पेक्टर कमलेश कुमार, सब इंस्पेक्टर दिनेश कुमार, सहायक सब इंस्पेक्टर विजय सिंह, हेड कांस्टेबल मनोज, इंदर, मनीष और सोनू की टीम ने बिंदापुर इलाके से हुई ऑटो लिफ्टिंग की वारदात को सुलझाने के लिए सीसीटीवी फुटेज की मदद से छानबीन शुरू किया था। पुलिस टीम उस फुटेज के आधार पर जांच करती हुई बिंदापुर से 35 किलोमीटर दूर देवली गांव पहुंच गई। वहां छानबीन करती हुई इन आरोपियों का पता लगाने में आखिरकार कामयाब हो गई। फिर इन दोनों भाइयों को एक-एक करके पुलिस ने पकड़ा। इनके पास से चोरी की मोटरसाइकिल के अलावा एक कार भी बरामद की गई। जो डिफेंस कॉलोनी और बिंदापुर थाना इलाके से चुराई गई थी। अक्षत पहले डाबड़ी इलाके में रहता था, लेकिन पुलिस से बचने के लिए यहां से वह देवली गांव शिफ्ट हो गया। इसने पहले डिफेंस कॉलोनी इलाके से बाइक चोरी की थी और उसके बाद बिंदापुर इलाके में आकर कार चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। दोनों ही चोरी की गाड़ियों को बेचने की फिराक में थे। जिससे मोटी रकम हाथ लग सके और यह लेविस लाइफ की जरूरतों की पूर्ति कर सके।

आप सत्ता के लालच में किसी भी हद तक जा सकती है: भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पंजाब में कुरान को अपवित्र करने के मामले में महरौली के आप विधायक नरेश यादव की दोषसिद्धि का हवाला देते हुए मंगलवार को आम आदमी पार्टी (आप) पर आरोप लगाया कि वह सत्ता के लालच में किसी भी हद तक जा सकती है। भाजपा प्रवक्ता शाजिया इल्मी ने यहां संवाददाताओं से कहा कि एक अन्य आप विधायक नरेश बाल्यान को हाल में दिल्ली पुलिस ने जबरन वसूली के आरोपों में गिरफ्तार किया है। उन्होंने आप संयोजक अरविंद केजरीवाल को भी निशाना बनाया। उन्होंने कहा, ह्वह्वचाहे जबरन वसूली हो या सांप्रदायिक उन्माद पैदा करना, ऐसी धूर्त मानसिकता एवं ऐसा दल सत्ता के लालच में किसी भी हद तक जा सकता है। केजरीवाल के साथ संबंध खराब होने के बाद आप छोड़कर भाजपा में आयीं इल्मी ने कहा कि दिल्ली का सत्तारूढ़ दल मुसलमानों का वोट पाने के लिए तमाम तरह की बातें कहता है लेकिन उसके विधायक पंजाब में कुरान को अपवित्र करने की साजिश रचते हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल के मित्र एवं समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव को भी इस बारे में कुछ बोलना चाहिए। उन्होंने कहा, ह्वह्वआप ने सारी सीमाएं लांघ दी है और वह खतरनाक पड़ाव पर पहुंच गयी है ।ह्लह्ल उन्होंने कहा कि अब लोगों को ऐसे नेताओं से निजात पाने के बारे में निर्णय लेना है। इल्मी ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में कानून व्यवस्था को लेकर केजरीवाल ने हाल में दिल्ली पुलिस को जो निशाना बनाया, उसकी वजह बाल्यान के विरूद्ध कार्रवाई है। पंजाब के मालेरकोटला जिले की एक अदालत ने पिछले सप्ताह नरेश यादव को कुरान को अपवित्र करने के 2016 के मामले में दो साल की कैद की सजा सुनायी।

देर रात युवक को घर से बाहर बुलाकर मार डाला

नई दिल्ली। मंगोलपुरी इलाके में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। मामले में बदमाशों ने सोमवार देर रात युवक को घर से बुलाकर गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान 19 वर्षीय पंकज के रूप में हुई है। पुलिस ने हत्या की धारा में मुकदमा दर्ज कर दो युवकों को हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। जानकारी के अनुसार अस्पताल में सफाईकर्मी जयचंद के ब्लॉक मंगोलपुरी में पत्नी एवं तीन बच्चों के साथ रहते हैं। जयचंद ने बताया कि उनका छोटा बेटा पंकज कपड़े की फैक्ट्री में काम करता था। वह सोमवार रात को घर में सोया हुआ था। तभी एक युवक ने रात करीब दो बजे फोन कर पंकज को बाहर बात करने के लिए बुलाया। बताया जाता है कि पंकज घर से कुछ कदम की दूरी पर स्थित पार्क में गया था। इसी दौरान युवकों ने ताबड़तोड़ फायरिंग करनी शुरू कर दी। इस हमले में पंकज को तीन गोली लगी, जबकि दो राउंड फायरिंग हवा में की गई। हमलावर गोली मारने के बाद मौके से फरार हो गए। इस दौरान वहां मौजूद पंकज के दोस्त भागकर घर पहुंचे और उसके बड़े भाई रोहित को घटना की सूचना दी। जयचंद ने बताया कि बड़े बेटे ने वारदात की सूचना दी थी। स्थानीय लोगों ने घायल पंकज को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

हाई वे पेट्रोलिंग के दौरान हथियार सहित दबोचा

राज पार्क थाना की पुलिस ने किया बदमाश गिरफ्तार

संवाददाता

बाहरी दिल्ली के राज पार्क थाना की पुलिस टीम ने एक हथियारबंद बदमाश को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से कंट्री मेड पिस्टल, जिंदा कारतूस के अलावा चोरी का मोबाइल भी बरामद किया गया है। गिरफ्तार बदमाश की पहचान एंथोनी के रूप में हुई है, यह मंगोलपुरी इलाके का रहने वाला है।डीसीपी सचिन शर्मा ने बताया कि एसीपी राजवीर मलिक की देखरेख में एसएचओ वीरेंद्र, हेड कांस्टेबल तुलसी राम और छोटेलाल की टीम ने हाईवे पेट्रोलिंग के दौरान संदेह होने पर इस बदमाश को जांच के लिए रोका था। पूछताछ शुरू की और शक होने पर जब तलाशी ली गई तो उसके पास से हथियार बरामद किया गया। इसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। जो मोबाइल बरामद किया गया है, वह राज पार्क थाना इलाके से चोरी का निकला। कोर्ट में पेश करने के बाद इसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

द्वारका एक्सप्रेस वे पर पकड़ी गई शराब से भरी कार

हरियाणा से भरकर लाया गया था शराब की खेप

संवाददाता

द्वारका जिला के स्पेशल स्टाफ की पुलिस टीम ने बॉर्डर पार हरियाणा से शराब तस्करी करके द्वारका इलाके में बेचने के लिए लाए गए शराब के साथ एक इंटर स्टेट शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। इसके पास से 1250 क्वार्टर शराब का बरामद किया गया। साथ ही तस्करी में इस्तेमाल कार को भी जप्त किया गया है। डीसीपी अंकित सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान टीपू सुल्तान के रूप में हुई है। यह नजफगढ़ इलाके का रहने वाला है। पुलिस टीम को शराब तस्करी के बारे में एक इनफार्मेशन मिली थी। जिसके आधार पर एसीपी राम अवतार की देखरेख में इंस्पेक्टर विश्वेंद्र ढाका, हेड कॉन्स्टेबल विजेंद्र कुमार, कांस्टेबल प्रदीप, हेमराज और लेडी कांस्टेबल गीता की टीम ने द्वारका एक्सप्रेसवे के पास डिचाउ इलाके में ट्रैप लगाकर स्विफ्ट कार को जांच के लिए रोका। उसमें 25 पेटी शराब की भरी हुई थी। जिसके अंदर से 1250 क्वार्टर बरामद किया गया। आरोपी के खिलाफ बाबा हरिदास नगर थाना में दिल्ली एक्साइज एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। शराब को और गाड़ी को जप्त कर लिया गया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

राजधानी दिल्ली में 2 दिन के अंदर हुई 5 लोगों की हत्या

मंगोलपुरी में बीती रात गोली मारकर युवक की ले ली जान
नारायणा, नरेला, प्रशांत विहार, कोतवाली में हो चुका मर्डर

संवाददाता

बाहरी दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके में बीती रात एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान पंकज के रूप में हुई है, परिवार वाले पड़ोस में रहने वाले बदमाशों पर ही इस वारदात को अंजाम देने का आरोप लगा रहे हैं। पुलिस को वारदात वाली जगह से खाली कारतूस भी मिला है। इस हत्या की वारदात के साथ ही दिल्ली में पिछले दो दिनों के अंदर हत्या की 5 वीं वारदात सामने आ चुकी है। जिसमें अधिकतर में आपसी रंजिश को वजह से खून किया गया है। यह वारदात नॉर्थ दिल्ली के कोतवाली, रोहिणी के प्रशांत विहार, बाहरी दिल्ली के मंगोलपुरी और वेस्ट दिल्ली के नारायणा इलाके हो चुकी है। कुछ मामलों का खुलासा हो चुका है, कुछ में जांच जारी है। मंगोलपुरी में सनसनीखेज हत्या की वारदात सोमवार रात को हुई है। मिली जानकारी के अनुसार पंकज का तीन लड़कों के साथ के ब्लॉक में झगड़ा हो रहा था। उसी दौरान अचानक एक ने उसपर गोली चला दी और सभी मौके से फरार हो गए। घायल पंकज को तुरंत नजदीक के हॉस्पिटल में ले जाया गया, जहां उसको डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटनास्थल से खाली कारतूस के अलावा वहां आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को भी अपने कब्जे में लिया है और आगे की छानबीन कर रही है। इस मामले को सुलझाने के लिए मंगोलपुरी थाना के अलावा जिला के ऑपरेशन सेल की टीम को भी लगा दिया गया है। सबूत इकट्ठा करने के लिए क्राइम टीम को भी मौके पर जांच के लिए बुलाया गया था। मृतक के परिवार वालों, दोस्तों से पूछताछ कर पता लगाया जा रहा है। डीसीपी सचिन शर्मा ने कहा कि तड़के चार बजे इस वारदात की सूचना पुलिस को मिली थी।

दिल्ली में भरी शाम 16 लाख की हुई लूट का खुलासा

स्पेशल स्टाफ ने 3 दबोचा, 10.66 लाख बरामद

संवाददाता

साउथ ईस्ट दिल्ली के पुल प्रहलादपुर इलाके में भरी शाम एक कंपनी के कलेक्शन मैनेजर के साथ हुई 16 लाख की लूट के सनसनीखेज मामले का खुलासा स्पेशल स्टाफ की टीम ने कर लिया है। इस मामले में तीन लुटेरों को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से 10.66 लाख बरामद कर लिया गया है। चौथे आरोपी की तलाश की जा रही है, बाकी की रकम उसके पास है। साउदर्न रेंज के ज्वाइंट सीपी एस के जैन ने बताया कि 30 नवंबर की शाम 4 बजे के बाद लूटपाट की यह वारदात हुई थी। जब पीड़ित कलेक्शन मैनेजर कैश कलेक्ट करके ऑफिस लौट रहा था। इस दौरान बदमाशों ने उसे रास्ते में रोका चाकू की नोक पर कैश से भरा बैग लूट कर फरार हो गया। डीसीपी रवि कुमार के निर्देश पर स्पेशल स्टाफ के इंस्पेक्टर प्रमोद आनंद, सब इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार, आकाश तोमर, हेड कांस्टेबल विपिन कुमार, प्रवीण कुमार, दिनेश, प्रेम, कांस्टेबल आशीष, कुलदीप और लक्खा की टीम ने टेक्निकल सर्विलांस, सीसीटीवी फुटेज और अपने सोर्स की मदद से पता लगाकर इन दोनों को दबोचा। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर पुलिस को पता चला कि कंपनी के एक ड्राइवर ने कैश कलेक्शन के बारे में जानकारी शेयर की थी। वारदात वाले दिन वह छुट्टी पर चला गया था। लेकिन पुलिस का शक जांच के दौरान उसपर भी हो गया।

अकेले स्कूटी/ बाईक चुराकर लोगों की उड़ा रहा था नींद

संवाददाता

पश्चिमी जिला के एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड की पुलिस टीम ने एक शातिर ऑटो लिफ्टर को गिरफ्तार किया है। जो अकेले ही स्कूटी और मोटरसाइकिल चोरी की वारदात को अंजाम देकर लोगों की नींद उड़ा रहा था। इसके पास से पुलिस टीम ने तीन चोरी की स्कूटी और मोटरसाइकिल बरामद की है। जो अलग-अलग थाना इलाकों से चुराई गई थी। गिरफ्तार आरोपी की पहचान विकास के रूप में हुई है। यह पहले से दो आपराधिक मामलों में भी शामिल रहा है। डीसीपी वेस्ट विचित्र वीर ने बताया कि ऑटो लिफ्टिंग की वारदात को सुलझाने के लिए अअळऱ की टीम को लगाया गया था। पुलिस टीम सीसीटीवी फुटेज की मदद से वारदात वाली जगह पर जांच करके इसके बारे में पता लगाने में जुटी हुई थी। एसीपी ऑपरेशन अरविंद कुमार यादव की देखरेख में इंस्पेक्टर मनीष चौधरी, हेड कांस्टेबल संजय कुमार, कांस्टेबल धर्मेंद्र, रोहित कुमार और सचिन कुमार की टीम ने इस आरोपी के बारे में पता लगाया और विकासपुरी नाला रोड पर शाम के समय इसको ट्रैप कर लिया ।जब यह एक स्कूटी से रिंग रोड की तरफ से नाला रोड पर जा रहा था। स्कूटी की जब जांच की गई तो वह स्कूटी विकासपुरी इलाके से चोरी की मिली। आरोपी की पहचान की गई और उसकी निशानदेही पर चोरी की एक और मोटरसाइकिल के साथ स्कूटी बरामद की गई। जो डाबड़ी और नांगलोई इलाके से चुराई गई थी। आरोपी विकास बाहरी दिल्ली के निहाल विहार इलाके का रहने वाला है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस ने नौ साल की लापता बच्ची को परिजनों के हवाले किया

गुरुग्राम, एजेंसी। स्थानीय पुलिस ने नौ साल की एक लापता बच्ची को ढूंढकर परिजनों के हवाले कर दिया। साथ ही बच्चों का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी। जानकारी के अनुसार सेक्टर-14 पुलिस थाना में एक लावारिस बच्चा घूमता हुआ मिला। उससे पूछताछ की गई तो उसने अपना नाम कुंज राठौर पुत्र रिंकू राठौर निवासी भोपाल बताया। उसकी उम्र नौ साल की थी। पुलिस थाना प्रबंधक के नेतृत्व में महिला मुख्य सिपाही मोनिका ने लावारिस, गुमशुदा बच्चे को उसके घर पहुंचाने के उद्देश्य से बच्चे के माता-पिता व घर का पता करने के प्रयास किए। पुलिस टीम द्वारा काफी सूचनाएं एकत्रित करने के बाद बच्चे के माता-पिता का पता चला कि वे सरस्वती एनक्लेव मारुति कुंज भोंडसी में रहते हैं। पुलिस टीम द्वारा बच्चे को सकुशल उसके परिजनों के हवाले किया गया। बच्चे के परिजनों को बच्चे का ध्यान रखने के संबंध में हिदायत दी। बच्चे के परिजनों ने अपने बच्चे को सकुशल पाकर गुरुग्राम पुलिस का धन्यवाद किया।

अवैध मादक पदार्थों सहित तीन आरोपी काबू

गुरुग्राम। पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के साथ तीन आरोपियों को काबू करने में सफलता हासिल की गई। आरोपियों के पास से पांच किलो 723 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया। जानकारी के अनुसार पुलिस अवैध मादक पदार्थों को रखने वालों पर नजर रखे हुए थी। इसी दौरान डीएलएफ फेज-3 की पुलिस टीम ने एक महिला नेहा निवासी गांव नाथूपुर को गांव से ही काबू किया। उसके पास से 245 ग्राम अवैध गांजा मिला। अपराध शाखा सिकंदरपुर की पुलिस टीम ने एक आरोपी अजीत निवासी गांव पाली जिला महेंद्रगढ़ को नजदीक गांव समसपुर मंदिर के सामने से दो किलो 978 ग्राम अवैध गांजा सहित काबू किया। अपराध शाखा फर्रुखनगर, गुरुग्राम की पुलिस टीम ने एक आरोपी सचिन निवासी गांव खुरमपुर खेड़ा गुरुग्राम को नजदीक बालाजी वाटिका फर्रुखनगर से दो किलो 500 ग्राम अवैध गांजा सहित काबू किया। पुलिस टीम द्वारा काबू किए गए तीनों आरोपियों के कब्जा से कुल पांच किलो 723 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया। आरोपियों के कब्जा से अवैध मादक पदार्थ बरामद किए जाने पर उनके खिलाफ सम्बंधित थानों में केस दर्ज किए गए हैं।

समाधान शिविरों में 50 प्रतिशत शिकायतों के समाधान का दावा

गुरुग्राम। हरियाणा सरकार द्वारा 22 अक्टूबर से प्रत्येक कार्य दिवस दो घंटे समाधान शिविर आयोजन करने के निदेर्शों के बाद से समाधान शिविरों में लोगों की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। नगर निगम गुरुग्राम क्षेत्र में समाधान शिविरों में 22 अक्टूबर से 3 दिसंबर तक प्राप्त शिकायतों में से 50 प्रतिशत शिकायतों का समाधान करने का नगर निगम ने दावा किया है। शेष बची शिकायतों की समयसीमा निधाज्रित करके आगामी कार्रवाई की जा रही है। नगर निगम आयुक्त अशोक कुमार गर्ग के मुताबिक निगम क्षेत्र में अब तक कुल 884 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 441 शिकायतों का समाधान किया जा चुका है। इसके अलावा 30 ऐसी शिकायतें भी थी, जो निगम से संबंधित नहीं थी, उन्हें रिजेक्ट करके शिकायतकर्ता को संबंधित विभाग के बारे में जानकारी दी गई है। शेष अन्य 413 ऐसी शिकायतें हैं, जिनके समाधान में समय लगना है। इन शिकायतों की समयसीमा निर्धारित करके टेंडर प्रक्रिया की जा रही है। निगमायुक्त अशोक कुमार गर्ग ने मंगलवार को आयोजित समाधान शिविर में शिकायतों की सुनवाई करने के दौरान प्रॉपर्टी टैक्स, सफाई, पानी के बिल आदि से जुड़ी शिकायतों का मौके पर ही समाधान करवाया।

हुडा सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन के पास रिफ्लेक्टिव गुरुग्राम अभियान शुरू

गुरुग्राम। कोहरे वाली सर्दियों के मौसम के दौरान सडक सुरक्षा में सुधार के लिए चल रहे प्रयासों के तहत गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस और सडक सुरक्षा संगठन ने मंगलवार को हुडा सिटी सेंटर में अपना रिफ्लेक्टिव गुरुग्राम अभियान चलाया। यह अभियान सर्दियों के कोहरे के कारण कम दृश्यता की स्थिति के दौरान उनकी दृश्यता बढ़ाने के लिए साइकिल, मैन्युअल रूप से खींचे जाने वाले रिक्शा, गाडि़यां, ऑटो-रिक्शा और ट्रैक्टर ट्रॉली पर प्रतिबिंबित टेप चिपकाने पर केंद्रित था। जोनल अधिकारी जेड चौक एवं यातायात निरीक्षक संदीप सिंह और आरएसओ टीम ने रिफ्लेक्टर टेप लगाने की मुहिम की शुरुआत की।

एएसआई ने पत्नि और साली की चाकूओ से गोदकर की हत्या, हुआ फरार

नौकरानी के लिये दरवाजा खोला था पत्नि ने, लेकिन मौत बनकर घुस गया पति

भोपाल,एजेंसी। राजधनी भोपाल के ऐशबाग थाना इलाके में दोहरे हत्याकांड की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। आरोपी पुलिस विभाग में एएसआई के पद पर पदस्थ है, जिसने अपनी पत्नी और साली को चाकूओ से गोदकर बेरहमी से उन्हें मौत के घाट उतार दिया और फरार हो गया। शुरूआती जानकारी के मुताबिक आरोपी योगेश मरावी पुलिस विभाग मे है, और फिलहाल मंडला जिले में एएसआई के पद पर पदस्थ है। योगेश का अपनी पत्नि विनीता मरावी के साथ बीते करीब पांच-छह साल से पारिवारिक विवाद चल रहा है, अनबन के कारण पत्नि विनिता अपनी बहन के साथ ऐशबाग क्षेत्र में प्रभात चौराहे के पास किराए के फ्लैट में रहती थी। बताया गया है कि विनिता के यहॉ काम करने वाली महिला मंगलवार को करीब 10 बजे के बाद फ्लैट पर पहुंची और बेल बजाई। दरवाजा विनिता ने खोला तभी पीछे से हाथ में थैला लेकर आया उसका पति योगोश तेजी से आया और नौकरानी को पीछे धक्का देते हुए फ्लैट के भीतर जा घुसा और दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। नौकरानी ने पुलिस को बताया कि इसके चंद मिनटो बाद ही फ्लैट के भीतर से चीखने और जोर-जोर से बचाओ-बचाओ की आवाजे आने लगी। कुछ देर बाद ही योगेश फ्लैट का दरवाजा खोलकर बाहर आया और उसने दरवाजे को लॉक कर उसकी चाबी नौकरानी को दी और तेजी से भाग गया। अनहोनी की आशंका के चलते नौकरानी ने फौरन ही इसकी सूचना विनिता के परिजनो को दी, इसके बाद पुलिस तक खबर पहुंची। खबर मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंची पुलिस जब अंदर दाखिल हुई तो उसे फ्लैट में 30 से 35 साल की दो महिलाओ के शव रक्तरजिंत हालत में पड़े नजर आये वहीं फर्श पर चारो और खून फैला हुआ था। दोहरे हत्याकांड की सूचना

मिलते ही मौके पर आला अफसर सहित एफएसएल टीम और डॉग स्क्वॉड टीम भी मौके पर पहुंच गई। डीसीपी जोन-1 प्रियंका शुक्ला ने जानकारी देते हुए बताया कि शुरूआती जॉच में सामने आया है, कि पत्नि और साली की हत्या करने के बाद आरोपी एएसआई योगेश वहॉ से भाग निकला।

उसके सीसीटीवी फुटेज पुलिस को मिले हैं, जिसमें वह हाथ में थैला लेकर आते हुए नजर आया है, पुलिस का अनुमान है की इस थेले में योगेश हत्या के इरादे से ही चाकू छिपाकर लाया होगा, पुलिस ने घटनास्थल से चाकू बरामद किया है। बताया जा रहा है कि योगेश जब फ्लैट के अंदर घुसा उस समय विनिता की बहन सो रही थी, पहले आरोपी ने विनिता के पेट सहित अन्य हिस्सो पर चाकूओ से करीब आधा दर्जन से अधिक वार किये। अनुमान है की उसकी चीखे सुनकर सो रही बहन की नींद खुल गई होगी और उसके सामने आने पर योगेश ने उसके पर भी आधा दर्जन से अधिक वार कर डाले। या पत्नि पर वार करने के बाद वह साली के पास पहुंचा और उसके शरीर को चाकू से कई वार कर गोद डाला। घटना स्थल की बारीकी से छानबीन के साथ ही पुलिस ने दोनो महिलाओ के शवो को पीएम के लिये भेजते हुए फिलहाल सरगर्मी से आरोपी योगेश मरावी की तलाश में जुटी है। जॉच टीम का कहना है, की आरोपी की गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ और परिजनो के बयान दर्ज किये जाने के बाद ही हत्या का सही कारण साफ हो सकेगा।

हरियाणा में राज्यसभा उपचुनाव के लिए नामांकन शुरू, टिकट के लिए कई पूर्व मंत्रियों और सांसदों ने तेज की लॉबिंग

हरियाणा में रिक्त हुई राज्यसभा सीट के लिए मंगलवार को अधिसूचना जारी होने के साथ ही नामांकन का काम शुरू हो गया है। 10 दिसंबर तक नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे। विधायकों के संख्या बल के हिसाब से भाजपा की जीत तय मानी जा रही है। कांग्रेस पिछले राज्यसभा उप चुनाव की तरह इस चुनाव से भी किनारा कर सकती है।

प्रात: किरण /एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में रिक्त हुई राज्यसभा की एक सीट के लिए मंगलवार को अधिसूचना जारी होने के साथ ही नामांकन का काम शुरू हो गया है। 10 दिसंबर तक नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे।

कृष्ण लाल पंवार के इसराना से विधायक बनने के बाद खाली हुई सीट पर उपचुनाव के लिए आइएएस अधिकारी अशोक कुमार मीणा को निर्वाचन अधिकारी तथा विधानसभा उप सचिव गौरव गोयल को सहायक निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है।

17 अक्टूबर को कैबिनेट में हुए थे शामिल: पंवार ने विधायक बनने के बाद 14 अक्टूबर को राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दिया था। इसके बाद 17 अक्टूबर को वह नायब सरकार में कैबिनेट मंत्री बन गए। कृष्ण लाल पंवार का बतौर राज्यसभा सदस्य कार्यकाल एक अगस्त 2028 तक था। इसके कारण अब एक सीट के लिए उपचुनाव कराया जाएगा। 11 दिसंबर को नामांकन पत्रों की जांच के बाद 13 दिसंबर को नामांकन वापस लिए जा सकते हैं। जरूरत पड़ी तो 20 दिसंबर को सुबह नौ से शाम चार बजे तक मतदान कराया जाएगा और उसी

- भाजपा के कई संगठन पदाधिकारी भी दौड़ में, प्रत्याशी की घोषणा कभी भी संभव
- आइएएस अशोक कुमार मीणा बने निर्वाचन अधिकारी
- विधानसभा उप सचिव गौरव गोयल सहायक निर्वाचन अधिकारी

दिन मतगणना होगी। वोटिंग उसी सूरत में होगी, जब दूसरा नामांकन आएगा। विधायकों के संख्या बल के हिसाब से भाजपा की जीत तय मानी जा रही है। कांग्रेस पिछले राज्यसभा उप चुनाव की तरह इस चुनाव से भी किनारा कर सकती है।

नेताओं में शुरू हुई लॉबिंग: वहीं, उपचुनाव की अधिसूचना जारी होते ही भाजपा में राज्यसभा जाने के इच्छुक नेताओं की लाबिंग तेज हो गई है। भाजपा किसी भी समय प्रत्याशी के नाम का एलान कर सकती है। ऐसे में टिकटार्थियों ने दिल्ली दरबार के चक्कर लगाने शुरू कर दिए हैं।

भाजपा ने वंचित कार्ड खेला तो पूर्व मंत्री डॉ. बनवारी लाल प्रबल दावेदार हैं, जिनका टिकट विधानसभा चुनाव में काट दिया गया था। बनवारी लाल केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के करीबी हैं। इसी तरह सिरसा से लोकसभा सदस्य रह चुकी सुनीता दुग्गल की वंचित वर्ग में अच्छी पकड़ मानी जाती है। वे भी टिकट की दौड़ में हैं।

टिकट के लिए लंबे समय से लॉबिंग कर रहे कुलदीप बिश्नोई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी मिल चुके हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली भी इस सीट के प्रबल दावेदारों में माने जा रहे हैं। लोकसभा चुनाव हारने के बाद भी बड़ौली को भाजपा की तरफ से विधानसभा टिकट का प्रस्ताव दिया गया था, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया।

चर्चा में ये नाम भी शामिल: इसी तरह करनाल के पूर्व सांसद संजय भाटिया का नाम भी चर्चा में है। भाटिया पंजाबी समुदाय से आते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के लिए उन्होंने अपनी सीट छोड़ दी थी। पार्टी में कई अहम जिम्मेदारियां निभा चुके भाटिया धरातल पर संगठन के लिए काम कर रहे हैं। इसी तरह तरुण भंडारी का भी नाम टिकटार्थियों में है, जिन्होंने लोकसभा और विधानसभा चुनाव में दूसरे दलों में सेंधमारी करते हुए भाजपा के पक्ष में खासा माहौल बनाया।

जीजा ने साले को डंडे से पीटकर मार डाला शराब के नशे में दोनों में हुई थी मारपीट

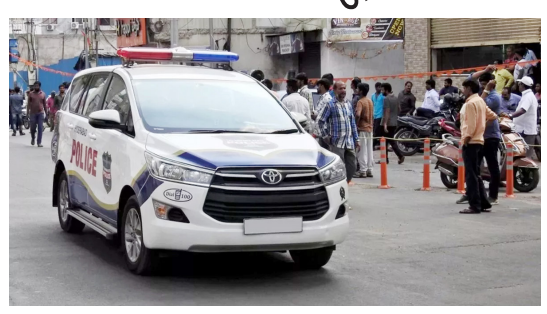

प्रात: किरण /एजेंसी

गुरुग्राम। बिलासपुर थाना क्षेत्र के नूरपुर में खेती की देखभाल करने के लिए रखे गए जीजा-साले में रविवार रात शराब पीने के बाद झगड़ा हो गया। जीजा ने साले के सिर में डंडा मारकर हत्या कर दी। मामले की जानकारी सोमवार को पुलिस के पास पहुंची। इसके बाद जांच करते हुए मंगलवार दोपहर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

बिहार के रहने वाले दोनों: मृत युवक की पहचान बिहार के सीतामढ़ी के बरी सोरिया गांव निवासी अजय के रूप में की गई। बिलासपुर पुलिस के अनुसार, नूरपुर भोड़ा निवासी धर्मबीर ने थाने में शिकायत दी थी कि उन्होंने अजय और उसके जीजा बिहार के मुजफ्फरपुर निवासी गोविंद को खेती की देखभाल के लिए रखा था। दोनों खेत में ही बने कमरे में रहते थे।

पी रखी थी बहुत शराब: रविवार रात जब वह खेत में फसल में पानी लगा रहे थे तो उन्होंने देखा कि गोविंद व अजय दोनों ने शराब पी रखी थी और शराब के नशे में दोनों झगड़ा कर रहे थे। उसके बाद उन्हें रात साढ़े दस बजे झगड़े की आवाज सुनाई दी। देखा कि गोविंद ने अजय को ट्यूबवेल के आगे बने बरामदे में फर्श पर डाला हुआ है और उसके साथ मारपीट की जा रही है। अजय के सिर में पीछे की तरफ से खून बह रहा था। इसके बाद गोविंद वहां से फरार हो गया। आसपास के लोग अजय को अस्पताल ले गए। यहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। शिकायतकर्ता ने सोमवार को थाने में हत्या की धाराओं में केस दर्ज कराया।थाना पुलिस टीम ने घटनास्थल की जांच की। स्वजन को सूचित करने के साथ ही आरोपी गोविंद को बोहड़ा कलां बस स्टैंड से गिरफ्तार किया गया।

गुरुग्राम: गहने चोरी करके भाग रहे दो अंतरराज्यीय बदमाश पुलिस मुठभेड़ में काबू

पुलिस की जवाबी कार्यवाही में गोली लगने से घायल हुए दोनों आरोपी

प्रात: किरण /एजेंसी

गुरुग्राम। चोरी की वारदात को अंजाम देने के लिए गुरुग्राम आए दो अंतरराज्यीय आरोपियों की गुरुग्राम पुलिस से मुठभेड़ हो गई। पुलिस से बचने के लिए उन्होंने पुलिस पर फायरिंग की। बचाव में पुलिस द्वारा की गई फायरिंग में दोनों घायल हो गए। जिन्हें हिरासत में लेकर अस्पताल में भर्ती कराया गया। आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। वे यहां एक घर से गहने चोरी करके भाग रहे थे। जानकारी के अनुसार सोमवार की रात को अपराध शाखा पालम विहार के उप-निरीक्षक सुमित कुमार की टीम को पुलिस कंट्रोल रूम के माध्यम से एक सूचना मिली कि एक होंडा सिटी कार में सवार व्यक्ति गुरुग्राम में लूट/चोरी की किसी वारदात को अंजाम देने के लिए घूम रहे हैं। उनके पास हथियार भी हो सकते हैं। जिस पर पुलिस टीम द्वारा 75 फुटा रोड (सेक्टर रोड) से धर्मपुर की तरफ जाने वाले रास्ते पर सुरक्षा उपकरण सहित नाकाबंदी कर जांच शुरू की। पुलिस टीम को संदिग्ध कार नाकाबंदी की

तरफ तेज गति से आती हुई दिखाई दी। जिसके पीछे अपराध शाखा सेक्टर-31 की पुलिस टीम थी। कार चालक को नाकाबंदी पर रोकने का प्रयास करने पर कार चालक ने बैरिकेट्स में टक्कर मार दी। फिर कार को नीचे कच्चे रास्ते में उतारकर भागने लगा। अपराध शाखा पालम विहार की पुलिस टीम के ड्राइवर ने सरकारी गाड़ी होंडा सिटी कार के आगे लगा दी, जिस पर उस कार चालक ने पुलिस टीम की गाड़ी में टक्कर मार दी। कार चालक ने अपराध शाखा पालम विहार की गाड़ी के ड्राइवर पर गोली चलाकर जानलेवा हमला किया तो गोली गाड़ी में कंडक्टर साईड खिडकी में जा लगी। पुलिस टीम द्वारा आरोपियों को गोली नहीं चलाने की चेतावनी दी गई। पुलिस टीम द्वारा हवाई फायर किया गया तथा अपनी व टीम की सुरक्षा के लिए आरोपियों पर गोली चलाई तो एक एक गोली दोनों आरोपियों के पैर में लगी। गोली लगने से दोनों आरोपी जमीन पर गिर गए। जिनको पुलिस टीमों द्वारा काबू किया गया। आरोपियों की पहचान रंजीत सोनी (36) (कार चालक) निवासी संगम विहार दिल्ली व तंजीर आलम (29) निवासी माधवपुर बेरिया जिला बेतिया (बिहार) के रूप में हुई। मुठभेड़ में गोली लगने के कारण घायल हुए बदमाशों/आरोपियों को ईलाज के लिए अस्पताल में दाखिल कराया गया। आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करके उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस की प्राथमिक जांच में पता चला है कि आरोपी थाना पालम विहार क्षेत्र से एक घर से आभूषण चोरी करके भाग रहे थे। पुलिस टीम ने आरोपियों द्वारा वारदात को अंजाम देने में प्रयोग की गई एक कार, दो पिस्टल, चार जिन्दा कारतूस, नौ खाली खोल कारतूस, एक गोली का सिक्का, एक बैग, दो पेचकस, एक रॉड, दो कैप, एक मास्क, एक एटीएम कार्ड व चोरी किए हुए लगभग 10 लाख रुपए के आभूषण बरामद किए गए।

रेलवे की जानलेवा लापरवाही, सूचना के बावजूद 11 स्टेशन और 342 किमी सफर करती रही मौत', कटड़ा में उतारा यात्री का शव

रेलवे की लापरवाही ने एक यात्री की जान ले ली। अंबाला से हेमकुंड एक्सप्रेस में सवार यात्री की लुधियाना स्टेशन पर तबीयत बिगड़ी और बेहोशी की सूचना दी गई। 11 स्टेशनों पर ट्रेन रुकी लेकिन किसी ने भी यात्री को उतारना उचित नहीं समझा। करीब 342 किलोमीटर दूर कटड़ा स्टेशन पर यात्री का शव नीचे उतारा गया। मौत का कारण हार्ट अटैक माना जा रहा है।

प्रात: किरण /एजेंसी

अंबाला। रेलवे की एक जानलेवा लापरवाही यात्री की मौत का कारण बन गई। अंबाला से हेमकुंड एक्सप्रेस में सवार यात्री की पंजाब के लुधियाना रेलवे स्टेशन पर तबीयत बिगड़ी और बेहोशी की सूचना अटेंडेंट द्वारा दे दी गई। लुधियाना सहित 11 स्टेशनों पर ट्रेन का ठहराव हुआ, लेकिन किसी ने भी यात्री को उतारना उचित नहीं समझा। करीब 342 किलोमीटर (किमी) लुधियाना से दूर कटड़ा स्टेशन पर यात्री का शव नीचे उतारा गया। शव की शिनाख्त सुरेंद्र सिंह निवासी चंडीगढ़ के रूप में हुई है। करीब साढ़े सात घंटे मौत हेमकुंड एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में सफर करती रही, लेकिन किसी ने भी सुरेंद्र को नहीं उतारा। मौत कहां पर हुई, इसका तो खुलासा नहीं हुआ, लेकिन यह स्पष्ट हो गया कि मौत का कारण हार्ट अटैक माना गया है। कटड़ा

राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) की तफ्तीश में पाया कि यात्री के बेहोश होने की सूचना लुधियाना रेलवे स्टेशन पर ही मिल गई थी। पोस्टमार्टम के बाद शव को स्वजनों के हवाले कर दिया गया है। मृतक की जेब से उसका पर्स और मोबाइल गायब मिला था।

सुरेंद्र को चंडीगढ़ उतरना था: अंबाला छावनी रेलवे स्टेशन से सुरेंद्र सिंह 29 नवंबर 2024 की रात चंडीगढ़ जाने वाली हेमकुंड एक्सप्रेस 14609 में सवार हो गया। यात्री को चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन पर उतरना था, लेकिन वह लुधियाना पहुंच गया। जब ट्रेन लुधियाना स्टेशन पर पहुंची तो स्लीपर कोच एस-3 में अटेंडेंट ने सुरेंद्र सिंह को बेहोशी की हालत में गिरा देख इसकी सूचना कंट्रोल को दे दी।

लुधियाना स्टेशन पर ट्रेन का ठहराव करीब पंद्रह मिनट रहा, लेकिन सुरेंद्र सिंह को किसी ने नहीं उतारा। इसके बाद ट्रेन जालंधर, टांडा उड़मुड़, दसूहा, मुकेरियां, पठानकोट, कठुआ, हीरानगर, सांबा, जम्मू, मारटियर तुषार मेहता रेलवे स्टेशन के बाद कटड़ा स्टेशन पर पहुंची। यहां पर जम्मू से ही पुलिस को सूचना मिल चुकी थी, जिसके चलते ट्रेन के आने से पहले ही कटड़ा पुलिस पहुंच गई और 30 नवंबर को सुबह 8 बजकर 25 मिनट पर शव को ट्रेन से उतारा। मृतक की जेब से मोबाइल और पर्स गायब था, जिसके चलते शिनाख्त को लेकर भी पुलिस ने इंटरनेट मीडिया का सहारा लिया, जिसके चलते एक दिसंबर को शव की पहचान हो गई।

थाना प्रभारी बोले- प्रारंभिक जांच में हार्ट अटैक से मौत होने की बात सामने आई कटड़ा जीआरपी थाना प्रभारी नीरज ने बताया कि सुरेंद्र सिंह की मौत डॉक्टरों की प्रारंभिक जांच में हार्ट अटैक से होनी बताई है।

शव का पोस्टमार्टम कराकर स्वजनों को दे दिया गया है। उन्होंने माना कि पूछताछ में ट्रेन के अटैंडेंट में बताया कि लुधियाना स्टेशन पर यात्री के बेहोश होने की सूचना दी थी। जम्मू से हमें सूचना मिली थी जिसके चलते शव को उतारा गया।

सुरेंद्र नहीं पहुंचा घर तो शुरू हुई तलाश: सिंह का मोबाइल जेब से गायब मिला लेकिन इस नंबर की काल दूसरे नंबर पर फॉरवर्ड की थी। ऐसे में जब सुरेंद्र घर नहीं पहुंचा, तो स्वजनों ने उसकी तलाश के लिए फोन किया, लेकिन यह फोन कोई और व्यक्ति उठा रहा था। व्यक्ति का कहना था कि यह मेरा नंबर है, जिससे स्पष्ट हो गया कि सुरेंद्र के मोबाइल कॉल किसी दूसरे नंबर पर फारवर्ड कर दी है। यह भी बड़ा सवाल है कि इस मोबाइल को किसने फारवर्ड की है।

प्रशिक्षण -डीसी अजय कुमार ने ली जिला रेड क्रॉस कार्यकारिणी समिति की बैठक

गुरुग्राम: होटल, बार, स्विमिंग पूल में 30 प्रतिशत स्टाफ का प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण जरूरी

प्रात: किरण/एजेंसी

गुरुग्राम। जिला के होटल, बार, स्विमिंग पूल में सुरक्षा की दृष्टि से 30 प्रतिशत स्टाफ का प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण जरूरी है। इसका गैर अनुपालन आपदा अथवा अन्य किसी अप्रिय स्थिति में नागरिकों की सुरक्षा के लिए जोखिम पैदा कर सकता है। ऐसे में सभी संस्थान अपने यहां कार्यत स्टाफ सदस्यों को निर्धारित संख्या के अनुरूप प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण अवश्य कराएं। यह बात जिला उपायुक्त एवं जिला रेड क्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष अजय कुमार ने मंगलवार को जिला रेड क्रॉस कार्यकारिणी समिति की लघु सचिवालय में आयोजित बैठक में कही।

उन्होंने कहा कि यदि कोई संस्थान निर्धारित मानकों की पालना नहीं करेगा तो उसके विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला रेड क्रॉस सोसायटी की आय बढ़ाने वाले सुझावों पर अपनी सहमति

- निर्धारित मानकों के गैर अनुपालन पर होगी कार्रवाई
- बैठक में जिला रेड क्रॉस की आय बढ़ाने सहित लिए गए कई अहम निर्णय

प्रदान करते हुए जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी को निर्देश दिए कि जिला में जिस भी पंचायत भूमि की पट्टे की राशि प्रतिवर्ष पांच लाख से अधिक है तो उस राशि का पांच प्रतिशत जिला रेड क्रॉस सोसाइटी को दिया जाएगा। जिला रेड क्रॉस सोसायटी में प्रत्येक दिन दिव्यांगजन आते है, दिव्यांगजन बिना किसी असुविधा के समय व्यर्थ किए बगैर उपकरण प्राप्त कर सकें इसके लिए एलिम्को संस्थान के सहयोग रेड क्रॉस सोसायटी के भवन में पीएम दिव्यांश केंद्र व आसरा सेंटर स्थापित करने के प्रक्रिया आरम्भ की गई है। बैठक में बताया गया कि जिला रेड क्रॉस के पास पंचगाव को छोडकर कहीं पार्किंग का स्थान नही है। ऐसे में डीसी अजय कुमार ने गुरुग्राम में अन्य स्थानों पर पार्किंग विकल्प चिन्हित करने के भी निदेज्श दिए।

इसी क्रम में बैठक के विभिन्न एजेंडों सहित सिविल लाइन्स स्थित कामकाजी महिलाओं के होस्टल का नया भवन बनाने पर भी विचार विमर्श किया गया। बैठक में सोसाइटी के सचिव विकास कुमार ने गुरुग्राम जिला रेड क्रॉस सोसायटी की ओर से संचालित प्रोजेक्ट/कार्य एवं वर्ष 2023-24 की प्रोगेस रिपोर्ट प्रस्तुत की। सचिव विकास कुमार ने बताया जिला में दो जगह बरसात व आगजनी से प्रभावित परिवारों को सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से मूलभूत सुविधाओं से संबंधित सामग्री उपलब्ध कराई गई। इसी क्रम में रेड क्रॉस में 56 आजीवन सदस्य बनाए गए। सर्दी में रात के समय बाहर सो रहे व्यक्तियों, बेघरों को व स्लम एरिया में 2236 कंबल वितरित किए गए। इसके साथ साथ हर साल यूथ रेड क्रॉस शिविरों का आयोजन महाविद्यालय में किया जाता है, जिसमें युवाओं को रेड क्रॉस सोसायटी के बारे में जानकारी, सामाजिक कुरीतियों से बचाव, प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण एवं विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों के माध्यम से जागरुक किया जाता है।

परिवार पहचान पत्र, पेंशन की शिकायतों के तुरंत समाधान के दिए निर्देश

गुरुग्राम। स्थानीय लघु सचिवालय में मंगलवार को डीसी अजय कुमार की अध्यक्षता में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। डीसी ने अधिकारियों को निदेज्श देते हुए कहा कि लोगों की समस्याएं दूर करने में किसी स्तर पर देरी न हो। बिना किसी ठोस वजह के आवेदनों को लंबित न रखा जाए। हर संभव कोशिश करें कि नागरिकों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान हो। उन्होंने कहा कि हर रोज की रिपोर्ट मुख्यालय को जाती है। जहां प्रतिदिन आने वाली समस्याओं पर की जाने वाली कार्रवाई की समीक्षा होती है। मंगलवार को समाधान शिविर में 17 समस्याएं आई। डीसी ने सभी समस्याओं पर संज्ञान लिया और संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के लिए सौंपा। शिविर में पेंशन और परिवार पहचान से संबंधित ऐसे बहुत से आवेदन आए, जिनका मौके पर ही समाधान कर दिया गया। पेंशन और परिवार पहचान पत्र से संबंधित समस्याओं के बारे में डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन मामलों की फिजीकल वेरीफिकेशन हो चुकी है।

एक हैं, तो सुरक्षित हैं के नारे के मर्म को समझा हिंदुसमाज ने

यह स्वीकार तो करना ही होगा कि भारत के उद्योग और वित्त संसार के गढ़ महाराष्ट्र के लोगों ने एक है तो सुरक्षित है के पीछे की भावना को जोरदार तरीके से पुष्ट किया है। इस नारे ने उन लोगों को हराया है जो समाज को जाति, धर्म, भाषा में बांटना चाहते थे और समाज को बांटने की कोशिश करने वालों को सजा दी है। सज्जाद नोमानी ने भाजपा का समर्थन करने वाले मुसलमानों के बहिष्कार का फतवा भी जारी किया था। नोमानी और उनके जैसे कुछ मजहबी और सियासी नेताओं की अपीलों और हरकतों के चलते ही उदारवादी हिन्दू मतदाता भी लामबंद हुआ।

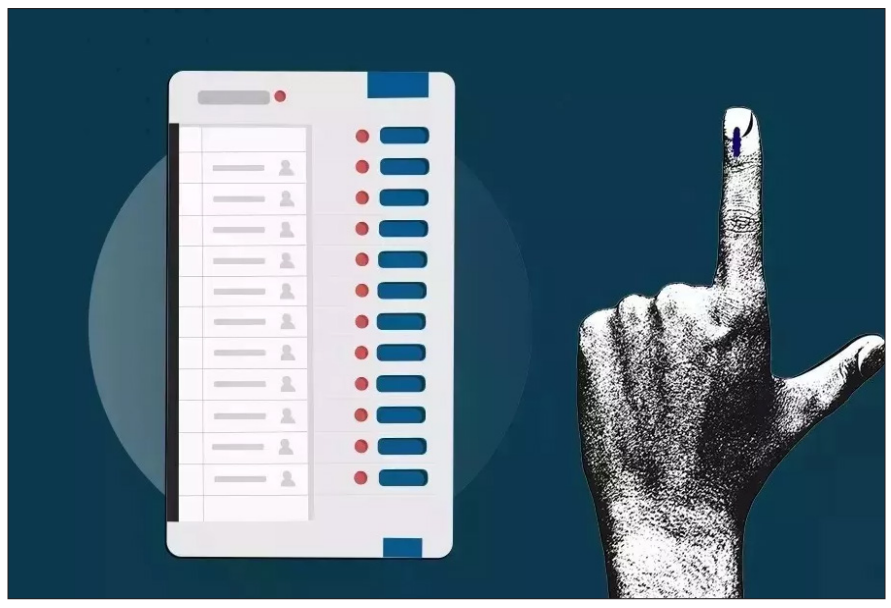

डॉ. आर.के. सिन्हा
लेखक

महाराष्ट्र विधान सभा चुनावों को लेकर सारे देश की निगाहें लगी हुई थीं। सारे देश को ही बेसब्री से इंतजार था कि क्या बीते लोकसभा चुनाव में अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन के बाद भाजपा का प्रदर्शन महाराष्ट्र विधान सभा चुनावों में किस तरह का रहता है। दरअसल इसी साल में मात्र पाँच माह पूर्व संपन्न लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र के कई प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में आश्चर्यजनक असफलताओं के बाद, भाजपा के सामने बड़ी चुनौती यही थी कि वह राज्य में खोई हुई जमीन को किस तरह वापस हासिल कर लें। महाराष्ट्र में मुस्लिम वोटों के ध्रुवीकरण के कारण भाजपा को लोकसभा चुनावों में कम से कम सात निर्वाचन क्षेत्रों में काफी नुकसान उठाना पड़ा था , जिसमें धुले और मुंबई उत्तर-पूर्व क्षेत्र भी शामिल हैं। इन दोनों जगहों में भाजपा का पहले से ही बहुत मजबूत आधार था। इन नतीजों के मद्देनजर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने एक अभियान शुरू किया, जिसका उद्देश्य न केवल इन खोई हुई जमीनों को वापस पाना था, बल्कि अपनी छवि को फिर से परिभाषित करना भी था। प्रधानमंत्री ने इस चुनाव में एक नया नारा पेश किया, ह्यएक हैं तो सुरक्षित हैंह्व। यह नारा विशेष रूप से हिंदू मतदाताओं को आकर्षित कर एकजुट करने के लिए बनाया गया था, जिसमें जातीय विभाजन के खिलाफ पूरे हिंदू समाज की एकता पर जोर दिया गया था। बेशक, इस नारे ने महायुति गठबंधन को तगड़ा लाभ पहुंचाया। मोदी जी का नारा सिर्फ.हिन्दू मतदाताओं को एक करना भर ही नहीं था। इसे पूरे समाज ने राष्ट्रीय एकता के साथ जोड़कर भी देखा। महायुति गठबंधन में भाजपा, शिवसेना (शिंदे) और एनसीपी (अजित पवार) शामिल हैं। इस आह्वान के परिणामस्वरूप हिंदू वोटों का भाजपा और उसके सहयोगियों के पक्ष में मौन और अत्यंत ही प्रभावी एकीकरण हुआ। यह नारा विपक्ष द्वारा स्थापित कथानक का सीधा जवाब था। और, इसे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एक अन्य नारे ह्यबंटेंगे तो कटेंगेह्व से और भी शक्ति मिल गई। इन नारों का उद्देश्य उन क्षेत्रों में हिंदू मतदाताओं को आश्वस्त करना था, जहां उन्हें लगता था कि अल्पसंख्यक वोटों के एकीकरण के कारण उनका राजनीतिक प्रभाव कम हो रहा है। मोदी और योगी के नारों से इसलिए भी हिन्दू मतदाता जुड़े , क्योंकि; कई मुस्लिम मौलवी लगातार यह अपील कर रहे थे कि मुस्लिम महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के उम्मीदवारों को ही वोट दे। इस्लामी प्रचारक मौलवी सज्जाद नोमानी विधानसभा चुनाव से पहले लगातार यह फतवे दे रहे थे , कि मुसलमानों को तो भाजपा के खिलाफ ही वोट देना है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान सज्जाद नोमानी का एक वीडियो वायरल हुआ था। उसमें वह मुस्लिम समुदाय से कांग्रेस-सेना(उद्धव)-एनसीपी (शरद पवार) गठबंधन को ही वोट देने की अपील करते हुए दिखाई दिए थे। सज्जाद नोमानी ने भाजपा का समर्थन करने वाले मुसलमानों के बहिष्कार का फतवा भी जारी किया था। नोमानी और उनके जैसे कुछ मजहबी और सियासी नेताओं की अपीलों और हरकतों के चलते ही उदारवादी हिन्दू मतदाता भी लामबंद हुआ। पत्रकारिता छोड़कर सियासत में आए औरंगाबाद के पूर्व सांसद इम्तियाज जलील की पिछले महीने मुंबई में निकाली रैली ने भी हिन्दुओं को सोचने के लिए मजबूर कर दिया था। वे सैकड़ों कारों और दूसरे वाहनों के साथ मुंबई में आ गए थे। जलील को विधानसभा चुनाव में औरंगाबाद पूर्व सीट पर भाजपा के अतुल सावे ने शिकस्त दी। दरअसल राष्ट्रीय उलेमा काउंसिल और महाराष्ट्र और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य सज्जाद नोमानी सरकारी नौकरियों में मुसलमानों के लिए कोटा की जोरदार तरीके से मांग कर रहे थे। इस कारण भी मोदी और योगी के नारों ने हिन्दू मतदाताओं को बहुत सोचने के लिए मजबूर किया। महाराष्ट्र में जैसे-जैसे चुनाव अभियान आगे बढ़ा, भाजपा की रणनीति विभाजन के कथित खतरों के खिलाफ सांस्कृतिक और राष्ट्रीय एकता की रक्षा करने की कहानी में विकसित हुई। पीएम मोदी सहित महायुति के नेताओं ने रैलियों और बैठकों की एक श्रृंखला में भाग लिया, जिसमें एक साथ खड़े होने के महत्व पर जोर दिया गया। कहानी स्पष्ट थीः भाजपा के तहत एकता हिंदू समुदाय और विस्तार से राष्ट्र के लिए सुरक्षा और प्रगति का मार्ग है।मोदी और योगी के नारों को संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अपने वार्षिक दशहरा संबोधन में समर्थन दिया। उन्होंने हिंदू एकता का आह्वान किया और बांग्लादेश में समुदाय पर हमलों से सबक लेने का आग्रह किया। वरिष्ठ संघ पदाधिकारी दत्तात्रेय होसबोले ने भी हिंदू एकता के आह्वान को बढ़ाते हुए बटेंगे तो कटेंगे नारे का इस्तेमाल किया। आपको याद होगा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बटेंगे तो कटेंगे के नारे ने हरियाणा चुनाव में भी अपना असर दिखाया था। मुंबई और ठाणे में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की फोटो के साथ बटेंगे तो कटेंगे के संदेश वाले होर्डिंग्स देखे गए थे। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही था कि क्या योगी और उनका नारा हरियाणा के बाद महाराष्ट्र में भी सफल हो पाएगा? महाराष्ट्र विधान सभा चुनाव का गहराई से विश्लेषण करने से साफ है कि उपर्युक्त नारे से प्रभावित होकर हिन्दू मतदाता एक साथ तो आए। उन्होंने अपने को जाति से ऊपर पहले हिन्दू समाज और सनातनी परंपरा को माना। योगी जी ने महाराष्ट्र में दो दर्जन से अधिक सभाओं को संबोधित किया। अब जबकि महाराष्ट्र विधानसभा के नतीजे आ चुके है, तब कहना पड़ेगा कि कांग्रेस और गांधी परिवार ने सत्ता की लालसा में पंथनिरपेक्षता (सभी संप्रदायों के साथ समान व्यवहार) की भावना को तोड़ दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र में भाजपा और उसके सहयोगियों को मिली जीत तथा कई राज्यों में उपचुनावों में मिली बड़ी जीत को ह्यएकताह्व तथा ह्यएक हैं तो सुरक्षित हैंह्व नारे के पीछे की भावना बताया । महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव प्रचार अभियान के शुरू होने से ठीक पहले प्रधानमंत्री मोदी द्वारा गढ़ा गया यह नारा जाति के आधार पर वोटों के बंटने के खिलाफ भाजपा के आह्वान को दशार्ता था। भाजपा के नेता हाल ही में हुए चुनावों में विपक्ष के लोकसभा चुनाव के समय किए मिथ्या प्रचार का जवाब देने में सफल रहे कि मोदी सरकार संविधान में आमूलचूल परिवर्तन करना चाहती है।र

जनसंख्या पर भाजपायी विमर्श को बढ़ाते भागवत

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने लोगों से दो से ज्यादा बच्चे पैदा करने की गुजारिश की है और उसे जनसंख्या विज्ञान के 2.1 के फामूर्ले से जोड़कर चाहे सियासी अर्थों को छिपाने की कोशिश की हो, लेकिन सच्चाई यह है कि इस बयान के पीछे उनके संगठन के वे ही पुराने गहन राजनैतिक मकसद मौजूद हैं जिसके लिये वह जानी जाती है- ध्रुवीकरण। उनका बयान ऊपरी खुले तौर पर चाहे संघ की राजनीतिक विंग भारतीय जनता पार्टी द्वारा अब तक की सोच के विपरीत दिखाई देता हो, जो देश के सामने अक्सर बढ़ती आबादी को लेकर चिंता जताती आई है, परन्तु भागवत के बयान को भाजपा के लिये एक दिशानिर्देश की तरह भी देखा जा रहा है। बहुत सम्भव है कि केन्द्र सरकार भागवत के बयान के अनुकूल कोई ऐसी जनसंख्या नीति लेकर आये जिससे हिन्दुओं की आबादी को बढ़ाया जा सके। संघ और भाजपा जनसंख्या सम्बन्धी वास्तविक तथ्यों व आंकड़ों को दरकिनार कर यह प्रचारित करती आई है कि देश में हिन्दुओं की आबादी घट रही है और मुस्लिमों की बढ़ रही है। देश में इस्लामोफोबिया बढ़ाने के लिये जनसंख्या को गलत तरीके से पेश करना संघ-भाजपा की पुरानी नीति है। अनेक महत्वपूर्ण मौकों पर भागवत हों या इन दो संगठनों से जुड़े लोग, इसका डर दिखाते रहे हैं। नागपुर में एक संगठन के सम्मेलन में दिये भाषण में भागवत ने कहा कि- 2.1 की कम प्रजनन दर वाला समाज अपने आप नष्ट हो जाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इससे कम जनसंख्या वाला समाज तब भी नष्ट हो जाता है जब कोई संकट न हो। बिना संकट के भी ऐसे समाज के नष्ट होने की बात उन्होंने सम्भवतः इसलिये कही होगी ताकि लोग इस बात को तार्किक व वैज्ञानिक आधारों वाला कोई निष्कर्ष समझें और उन पर यह तोहमत न लगे कि वे लोगों को डरा रहे हैं या हिन्दू-मुस्लिम कर रहे हैं। उन्होंने कई भाषाओं और समाज के नष्ट होने की बात करते हुए लोगों को चेताया कि प्रजनन दर 2.1 से कम नहीं होनी चाहिये। इस वृद्धि दर को बनाये रखने के लिये लोगों को दो से ज्यादा (यानी तीन) बच्चे पैदा करने चाहिये। उन्होंने याद दिलाया कि देश में 1998 और 2002 में जो जनसंख्या सम्बन्धी नीतियां तय की गयी थीं उनमें भी 2.1 की दर को बनाये रखने की बात कही गयी थी। हालांकि उन्होंने अमूमन कम याददाश्त वाली जनता के सामने स्पष्ट नहीं किया कि ये दोनों नीतियां भारतीय जनता पार्टी प्रणीत नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस शासित कार्यकाल में लाई गयी थीं। चूंकि उनमें अनेक ऐसे राजनीतिक दलों का समावेश था जो इस मामले में दूसरी राय रखते थे, यह नीति कभी भी प्रभावशाली ढंग से लागू नहीं हो पाई थी। अटल बिहारी वाजपेयी वाली यह सरकार 2004 में जाती रही तथा उसके बाद आई यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट की सरकार (पीएम डॉ. मनमोहन सिंह- दो कार्यकाल) ने इस अनर्गल विषय को तूल देने या बढ़ती आबादी को लेकर रोना-धोना करने की बजाय अधिकतम आबादी को काम देने की नीति पर कार्य किया। 2014 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने भी इस पर कोई काम करने की बजाय सियासी मुद्दा बनाकर समाज के भीतर उसे जिन्दा रखा। अपने पहले कार्यकाल (2014-19) के दौरान मोदी आबादी को लेकर एक सकारात्मक रवैया अख्तियार करते नजर आये। उन्होंने अधिक जनसंख्या को, खासकर युवाओं की बहुलता के कारण भारत के लिये एक सौगात बताया। यह एक तरह से चीन की तरह की रणनीति अपनाने जैसा था जिसने बड़ी आबादी को अपनी ताकत बना दिया है। चूंकि पहले-पहल के मोदी भारत को चीन और अमेरिका के मुकाबले में लाने के दावे करते रहे, इसलिये कुछ समय तक तो उनकी पार्टी ने भी देश की आबादी बढ़ने का दुखड़ा सुनाना बन्द कर दिया जो इसका ठीकरा अक्सर मुस्लिम समुदाय पर फोड़ते थे। यह कारगर साबित इसलिये नहीं हुआ क्योंकि भाजपा और संघ के लोग हमेशा से जो बात सुनते आये थे और जिस पर भरोसा करते रहे, मोदी उसके विपरीत बोल रहे थे।

चीन-नेपाल की नजदीकी का क्या है मतलब? ड्रैगन की नापाक चाल

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली अपनी पहली विदेश यात्रा पर चीन पहुंच गए हैं। इस यात्रा को नेपाल को चीन के और नजदीक ले जाने का सूचक माना जा रहा है, क्योंकि परंपरागत तौर पर नेपाल के नए प्रधानमंत्री पहली विदेश यात्रा पर भारत आते रहे हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि भारत विरोध और चीन से मित्रता ओली की व्यक्तिगत रुचि रही है। ओली हमेशा चीन के साथ संबंधों को प्रगाढ़ करने की वकालत करते रहे हैं। उन्होंने भारत विरोध का सहारा लेकर ही अपनी राजनीति मजबूत की है, फिर चाहे वह 2015 में की गई सीमा की नाकाबंदी हो, 2019 में सीमा-विवाद का राजनीतीकरण करना हो या फिर नेपाल का एक विवादित नक्शा लाना हो, जिसमें नेपाल ने भारत के कुछ संप्रभु क्षेत्रों को अपना दिखाया। ओली का राजनीतिक झुकाव चीन की ओर होना भारत के लिए चिंता का विषय बना हुआ है, लेकिन उनकी इस यात्रा को नेपाल का भारत से दूर जाना मान लेना भारत की ह्यपड़ोसी प्रथमह्व नीति को कमजोर करार देने के बराबर है। तथ्य बताते हैं कि जितनी भी बार ओली और उनकी कम्युनिस्ट पार्टी आफ नेपाल (एमाले) ने चीन के साथ समझौते या राजनीतिक संबंधों की वकालत की है, वह मुख्यतः प्रतीकात्मक ही रही है और परिणामों पर कम खरी उतरी है। चूंकि नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता एक सामान्य बात है और हर छह-आठ महीनों में एक नई सरकार आती है, ऐसे में हर प्रधानमंत्री का भारत आना नेपाली विदेश नीति के लिए दूसरे पड़ोसी देश की अनदेखा करने का संकेत माना जा सकता है। इससे उसके हित प्रभावित हो सकते हैं। यहां यह भी देखना जरूरी है कि ओली नेपाली कांग्रेस पार्टी के साथ एक गठबंधन वाली सरकार चला रहे हैं और नेपाली कांग्रेस भारत के साथ मजबूत संबंधों की वकालत करती रही है। चूंकि मौजूदा सरकार में विदेश मंत्री नेपाली कांग्रेस से हैं, ऐसे में नेपाली कांग्रेस भारत के साथ इतना बड़ा जोखिम लेने से बचेगी। इसलिए नेपाल दो पड़ोसियों के बीच संतुलित विदेश नीति बनाए रखने का प्रयास कर रहा है, लेकिन सवाल यह है कि क्या ओली का चीन के प्रति झुकाव नेपाल के लिए फायदे का सबब बना है? उत्तर नकारात्मक ही है, क्योंकि नेपाल और चीन के बीच जितने भी बड़े समझौते पिछले दस वर्षों में हुए हैं, उनमें ज्यादातर ठंडे बस्ते में पड़े हैं और यह बात चीन को सताती रही है। मई 2017 में चीन ने नेपाल के साथ बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) पर समझौता किया, जिसे चीन की एक बड़ी कूटनीतिक सफलता के तौर पर देखा गया, क्योंकि भारत लगातार बीआरआई के अंतर्गत बने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे की आलोचना करता रहा है। बीआरआई समझौते के तहत चीन को नेपाल में बड़े बुनियादी ढांचे वाली तमाम परियोजनाओं में निवेश करना है, जिनमें ट्रांस-हिमालयन बहुआयामी कनेक्टिविटी नेटवर्क खास है, जो नेपाल को रेल एवं सड़क मार्ग से तिब्बत प्रांत से जोड़ने वाला है। इससे ऐसा लगा कि नेपाल चीन के रास्ते भारत पर अपनी निर्भरता कम करने का मार्ग खोज रहा है, लेकिन करीब सात वर्ष बीत जाने के बाद भी नेपाल में ऐसी एक भी परियोजना लागू नहीं हो सकी है। इसके दो कारण हैं। पहला, नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता के चलते परियोजनाओं की पहचान नहीं हो पाई है। दूसरा, नेपाल लगातार चीन से बीआरआई के अंतर्गत आने वाली परियोजनाओं के लिए सहयोग वित्तीय सहायता के तौर पर चाहता है। जबकि चीन कर्ज देने में रुचि रखता है। श्रीलंका का उदाहरण देखते हुए नेपाल इससे डर रहा है। बड़े कर्ज के चलते श्रीलंका को अपने हंबनटोटा जैसे बंदरगाह का नियंत्रण चीन के हाथों में देना पड़ा है। अगर नेपाल चीन से कर्ज लेता है तो भविष्य में उसे नेपाल पर दबाव बनाने का अवसर मिलेगा, जो बीआरआई का मुख्य वैश्विक उद्देश्य रहा है। वर्ष 2016 में ओली ने अपनी चीन यात्रा के दौरान उसके साथ परिवहन एवं परिगमन समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत नेपाल चीन के छह बंदरगाहों के रास्ते अन्य देशों से व्यापार कर सकता है। नेपाल पूरब में चीन से और तीन ओर से भारत से घिरा हुआ है। वह भारत के बंदरगाहों का उपयोग कर अन्य देशों से व्यापार करता रहा है। यह उसके लिए हर तरह से फायदेमंद है, लेकिन 2015 में भारत के साथ सीमाबंदी का मुद्दा सामने आने के बाद ओली ने चीन को एक विकल्प के तौर पर दिखाने का प्रयास किया।

अडानी को जांच से बचाने का मोदी सरकार का निराशोन्मत्त प्रयास

कई मायनों में, अडानी का मामला इस बात का उदाहरण है कि कैसे शक्तिशाली निगमों और राजनीतिक अभिजात वर्ग के हित एक दूसरे से इस तरह से जुड़े हुए हैं कि वे लोकतांत्रिक और कानूनी प्रक्रियाओं को विकृत कर रहे हैं, जिनकी पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होनी चाहिए। जब सरकार गंभीर अपराधों के लिए जांच के दायरे में आई किसी कंपनी के पीछे खड़ी होती है, तो यह इस बात को लेकर परेशान करने वाले सवाल खड़े करता है कि किस हद तक कॉर्पोरेट हित राष्ट्रीय नीति को प्रभावित कर रहे हैं। अडानी समूह कोई अलग उदाहरण नहीं है

के रवींद्रन
लेखक

कई मायनों में, अडानी का मामला इस बात का उदाहरण है कि कैसे शक्तिशाली निगमों और राजनीतिक अभिजात वर्ग के हित एक दूसरे से इस तरह से जुड़े हुए हैं कि वे लोकतांत्रिक और कानूनी प्रक्रियाओं को विकृत कर रहे हैं, जिनकी पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होनी चाहिए। जब सरकार गंभीर अपराधों के लिए जांच के दायरे में आई किसी कंपनी के पीछे खड़ी होती है। अमेरिकी अधिकारियों द्वारा लगाये गये भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के गंभीर आरोपों के बाद अडानी समूह और भारत सरकार द्वारा किये गये बचाव ने भारत में कॉरपोरेट हितों और राजनीतिक शक्ति के बीच परस्पर सम्बंधों के बारे में गंभीर सवाल खड़े किये हैं। जहां एक ओर अमेरिकी जांच ने भ्रष्टाचार सहित गंभीर वित्तीय अपराधों को उजागर किया,वहीं अडानी समूह और भारत सरकार दोनों ने कंपनी का बचाव करने के लिए एक संयुक्त मोर्चा पेश किया और कहा कि आरोपों को केवल तकनीकी रूप से तैयार किया गया है और कम्पनी का नेतृत्व किसी भी कदाचार में शामिल नहीं है। लेकिन बचाव को मोदी सरकार की ओर से कॉरपोरेट हितों को बचाने के लिए एक रणनीतिक चाल के रूप में ही देखा जा सकता है। अमेरिकी आरोप, जो संभावित धोखाधड़ी गतिविधियों, स्टॉक मूल्य हेरफेर और अपतटीय संस्थाओं से संबंधों की ओर इशारा करते हैं, न केवल कंपनी के संचालन के लिए बल्कि भारत के व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र पर इसके व्यापक प्रभाव के रूप में एक गंभीर खतरा पेश करते हैं। अमेरिकी जांचकताओं ने अडानी समूह के लेन-देन में गहराई से जांच की है, जिसमें अनियमितताओं का आरोप लगाया गया है, जिसका अंतरराष्ट्रीय व्यापार और घरेलू निवेश विश्वास दोनों पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकता है। स्थिति की गंभीरता के बावजूद, अडानी समूह और भारत सरकार की प्रतिक्रिया दृढ़ रही है। अरबपति गौतम अडानी के नेतृत्व वाले समूह ने कहा है कि उसके खिलाफ आरोप निराधार हैं, उन्हें गलतफहमी या सबसे खराब स्थिति में, अनुपालन में तकनीकी त्रुटियों के अलावा कुछ नहीं बताया जा सकता। भारत सरकार की ओर से अडानी समूह के बचाव को मजबूत राजनीतिक समर्थन मिला है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ताओं ने दावा किया है कि यह निजी संस्थाओं से जुड़ा एक विशुद्ध रूप से कानूनी मामला है, और इसलिए, सरकार से चल रही कानूनी कार्रवाई में हस्तक्षेप करने की उम्मीद नहीं की जानी चाहिए। हालांकि, इस बयानबाजी ने अंतर्निहित प्रेरणाओं के बारे में संदेह को कम करने में बहुत कम मदद की है। मामले को वित्तीय कदाचार के गंभीर मामले के बजाय कानूनी तकनीकी मुद्दों के रूप में पेश करके, अडानी समूह और भारत सरकार दोनों ही रणनीतिक रूप से आरोपों की मूल प्रकृति से ध्यान हटाने की कोशिश कर रहे हैं। प्रतिक्रिया उल्लेखनीय रूप से एक समान रही है, भारत में प्रमुख राजनीतिक हस्तियों और यहां तक कि मीडिया आउटलेट्स ने अडानी समूह के पक्ष में दलीलें दीं तथा इसे वित्तीय घोटाले में उलझी कंपनी के बजाय विदेशी हस्तक्षेप का शिकार बताया। इस बचाव के व्यापक निहितार्थ महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि यह इस बात पर सवाल उठाता है कि भारत में कॉर्पोरेट प्रभाव किस हद तक सरकारी कार्रवाई से जुड़ा है। ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और रसद में अपने विशाल व्यावसायिक हितों के साथ अडानी समूह भारत की सबसे प्रभावशाली कॉर्पोरेट संस्थाओं में से एक है। इसका उदय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के आर्थिक विकास के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ है। पिछले दशक में अडानी समूह की धूमकेतु की तरह वृद्धि को अक्सर देश की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने की इसकी आकांक्षाओं के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। इस प्रकार, समूह का बचाव केवल एक कॉर्पोरेट मुद्दा नहीं है - इसे राष्ट्रीय हित का मामला बना दिया गया है। अगर भ्रष्टाचार के इन आरोपों को दबा दिया जाता है या महज तकनीकी बातों के तौर पर खारिज कर दिया जाता है, तो इससे पारदर्शिता और नैतिक व्यावसायिक गतिविधियों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता में विश्वास कम होने का जोखिम है। अडानी समूह के राजनीतिक हस्तियों के साथ घनिष्ठ संबंध अच्छी तरह से उजागर हैं। कई लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या इन संबंधों ने समूह को नियामक जांच की पूरी सीमा से बचाने में मदद की है। इसलिए, समूह का बचाव करने में सरकार की भूमिका ने राजनीतिक अभिजात वर्ग की संभावित मिलीभगत के बारे में चिंता जताई है, जो जवाबदेही पर कॉर्पोरेट सुरक्षा को प्राथमिकता देने वाली प्रणाली को बढ़ावा दे रहा है। अडानी समूह और भारत सरकार दोनों द्वारा निर्मित कथा एक निर्दोष पक्ष के रूप में सावधानीपूर्वक तैयार किये गये चित्रण पर टिकी हुई है, इस आरोप के साथ कि इसे विदेशी शक्तियों द्वारा गलत तरीके से निशाना बनाया जा रहा है। यह बयानबाजी एक व्यापक राष्ट्रवादी कथा की प्रतिध्वनि है जो घरेलू निगमों, विशेष रूप से सरकार के साथ निकटता रखने वालों को अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप के शिकार के रूप में पेश करती है। आरोपों को भारत की संप्रभुता और इसकी आर्थिक उपलब्धियों पर हमले के रूप में पेश करके, सरकार ने आलोचना को कुशलतापूर्वक टाल दिया है, और खुद को विदेशी आलोचकों के खिलाफ राष्ट्रीय गौरव के रक्षक के रूप में पेश किया है। हालांकि,यह राष्ट्रवादी रूपरेखा अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे से ध्यान हटाती है कि क्या अडानी समूह ने विकास और मुनाफे की तलाश में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय कानूनों और नैतिक मानदंडों का उल्लंघन किया है? यदि अमेरिकी अधिकारी अपनी जांच को आगे बढ़ाते रहते हैं, तो इससे दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव पैदा हो सकता है।

मौत के संदेश में क्या सच है ऐ राम ही जाने

संजय गोस्वामी

हाल ही में ब्लैक एंड वाइट विश्लेषण में आजतक टीवी में मौत के संकेत पहले मिल जाते है दिखाया गया और उसमें अस्पताल में एक मैना का संवाद भी दिखाया कि हम भी आ रहें हैं जैसा की मालूम होगा बिहार की लोक गायिका शारदा सिन्हा जिंदगी और मौत से जूझते हुए अपने जीवन के अंतिम दिनों में जब अस्पताल में थी तो का मंगलवार रात दिल्ली के एम्स अस्पताल में निधन हो गया। उन्हें कैंसर था। गायिका मल्टीपल मायलोमा नामक रक्त कैंसर से जूझ रही थीं, जिसने 2018 से उनके स्वास्थ्य को काफी प्रभावित किया है। उन्होंने छठ पूजा के पहले दिन यानि 5नवंबर 24को अंतिम सांस ली, यह दिन उनके प्रशंसकों के लिए विशेष रूप से उनके प्रतिष्ठित छठ महापर्व गीतों के कारण महत्वपूर्ण है।जहाँ तक मौत को जानने का संदेश मिलने की बात है यह कहीं विज्ञान ने सिद्ध तो नहीं किया है लेकिन कभी कदाल दिव्य मनुष्य को हो जाता होगा लेकिन जीवन के अंतिम दिनों तक केवल जिसे फांसी पर चढ़ाई जाती है उसे ही मालूम होता होगा ईश्वर ने सभी को समय पर जन्म व मौत उनके कर्मों के आधार पर मिलता है आखिर दिन क्या अंतिम समय तक स्थूल शरीर में जीवन की आस में मनुष्य रहता है ईश्वर ने सबको एक ही समय दिया है लेकिन इंसान गलतियां कर बैठता है और अकाल मौत हो जाता है यानि मौत भी दो प्रकार से होती है एक अकाल मौत दूसरा समयानुसार मौत, मौत तो जीवन का सत्य है लेकिन लोग जानकर भी अनजान बन जाते हैं, मैं एक बार इसी तरह काल के चक्र में फंसकर 2002 में अस्पताल में प्रभु राम की कृपा से बाहर निकला हूँ मुझे फरवरी 2002 में पटना से मुंबई आने के क्रम में काल ने पकड़ लिया था

मैं ईश्वर को ही अपना सबकुछ मानता हूं घर परिवार आपका कुछ भी अपना नहीं है जिसे आप अपना मानते हैं वहीं आपके मरने पर जला देते हैं रोते हैं चिल्लाते हैं और फिर कुछ दिनों बाद भूलकर फिर माया के दलदल में धंसते चले जाते हैं मेरी मौत तो बहुत ही पहले तय थी आप 2002 का अस्पताल में पड़ा मौत और जीवन की जंग से लड़ रहा था देखें जब मैं टाइफाइड में कभी 104-105 डिग्री ऋसे निचे जा ही नहीं रहा था करीब 1महीने हो गए डॉ ने लगभग सभी दवाई चलाई लेकिन कोई सूट नहीं कर रहा था उस उस समय एक ही सहारा मेरे माता-पिता थे जो खारघर से आते जाते थे जब एक महीने से ऊपर हो गया और उस समय न कुछ खा पा रहा था सिर्फ पानी चढ़ रहा था कोई भी दवा शुट नहीं कर रहा था बर्फ की सिल्ली से कुछ बाहर से बड़े बड़े डाक्टर को बुलाया गया अंत मेंजब डॉक्टर ने जबाव दे दिया डॉक्टर ने आठ मे हार मान ली क्योंकि उस समय जो वार्ड में शिफ्ट किया था वहां सब पटापट मर रहे थे सारे घर से आ गए थे डॉक्टर बोल दिया 2दिन के अंदर आपका लड़का चला जाएगा मैं ,चल नहीं पा रहा था उस समय आपकी स्थिति बड़ी विचित्र रहती उस समय मेरी नई शादी हुई थी और मेरी एक बच्ची हुई थी मैं सबका रोते रोते बुरा हाल था मैं बेहोश की अवस्था में था एक ही जिच अपने अंदर ध्यान किया था वो थे गुरु गोबिंदसिंहजी का ध्यान अचानक पैर हाथ सुन हो गए और एक का काली सी परछाई दिखाई देती है और आंख बंद हो रहा था यानि यमराज मेरी प्राण लेने के लिए कमरे में आया तो जरूर था लेकिन गुरु गोबिंदसिंह जी महाराज घोड़े पर सवार होकर आए थे और यमराज को भगा दिया आप इसे कुछ भी माने मैं तो मानता हूं एक अद्भुत सा प्रकाश मेरे खड़े से टकराती है और कुछ समय बाद कुछ ताकत सा आ गया डाक्टर ने निर्णय लिया अतः में एक दवाई चलाकर देखता हूं जो हाई एंटीबायोटिक था मोनोसेफ इंजेक्शन नस में पानी चढ़ने का ट्यूब लगा था और उसी से दिया गया और धिरे धिरे सब दवा सुट करने लगा ओर कुछ दिनों बाद ठीक हुआ सपने में गुरु गोबिंदसिंह जी महाराज ने कहा कि अगर तुम इस दुनिया से चला जाता तो तुम्हारे माता पिता का मेरे ऊपर से विश्वास उठ जाता ,मेरे टिचर डा शमशेर सिंह फिजिक्स पढ़ाते भक्त कुछ अच्छी बातें भी करते थे जैसे उन्होंने बताया कि एक राजा ने गुरु नानक देव को मारना चाहा पानी आग जब कुछ कर नहीं पाया तब पत्थर ही पत्थर उनके शरीर पर रख दिया और गुरु नानक देव जी पत्थर के ऊपर लेटे हुए थे और उसने क्षमा मांगी गुरु नानक देव जी ने उनसे कहा लंगर चला एक बार गुरु नानक देव जी मरे हुए हाथी को जिंदा कर देते हैं और फिर राजा के कहने पर उसे पुनः मौत दे देते हैं तभी राजा पुछता है अब आप इसे जिंदा क्यों नहीं कर रहे हैं गुरु जी कहते हैं यह प्रकृति का नियम है तो आया है वो जाएगा भी मैंने मालिक से फरियाद लगाई और जिंदा हो गया था।

संक्षिप्त खबरें

बारात में शामिल होने गए किसान की धारदार हथियार से हत्या

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ जिले के अंतू थानाक्षेत्र में उपाध्यायपुर गांव के एक खेत में मंगलवार सुबह एक व्यक्ति का शव पाया गया जिसकी धारदार हथियार से हमलाकर हत्या की गई है। पुलिस ने यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) दुर्गेश कुमार सिंह ने मंगलवार को बताया कि खेत में एक व्यक्ति का शव पाया गया जिसकी धारदार हथियार से हमलाकर हत्या की गई है। उन्होंने बताया कि इस व्यक्ति की पहचान गांव के ही किसान अयोध्या प्रसाद वर्मा (37) के रूप हुई है जो गांव में ही एक शादी समारोह में शामिल होने गया था। उन्होंने बताया कि रात में शादी समारोह के बीच जब वह शौच के लिए खेत में गया था तब उसकी हत्या कर दी गई। सिंह ने बताया कि सुबह लोगों ने शव देखकर परिजनों और पुलिस को सूचना दी। पुलिस के मुताबिक वर्मा के परिजनों ने बताया कि वह कुछ दिन पहले कोहडौर थानाक्षेत्र के काँधरपुर में बारात गया था जहां उसका उस गांव के शनि और अन्य लोगों से विवाद हुआ था एवं फिर इन लोगों ने घर पर आकर जान से मारने की धमकी दी थी। पुलिस के अनुसार शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पर्यटन विभाग को ताजमहल को बम से उड़ाने की धमकी मिली

आगरा। आगरा में उत्तर प्रदेश (यूपी) पर्यटन के क्षेत्रीय कार्यालय को मंगलवार को एक ई-मेल भेजकर ताजमहल को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी-ताज सुरक्षा) सैयद अरीब अहमद ने बताया, ताजमहल को बम से उड़ाने की धमकी वाला ई-मेल यूपी पर्यटन को प्राप्त हुआ है। ईमेल के हिसाब से हमें कुछ नहीं मिला। बम निरोधक दस्ता, खोजी कुत्ते और अन्य टीम सुरक्षा जांच के लिए ताजमहल पहुंच गई हैं। यूपी पर्यटन की उप निदेशक दीप्ति वत्स ने कहा, हमें मंगलवार को बम की धमकी वाला एक ई-मेल मिला जिसके बाद हमने वह ई-मेल आगरा पुलिस और एएसआई को भेज दिया।

बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हमले के मुद्दे पर सरकार संसद में वक्तव्य दे : मायावती

लखनऊ,। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे हमलों को लेकर मंगलवार को चिंता जताई और सरकार से इस पर संसद में बयान देने तथा उचित कदम उठाने की मांग भी की। बांग्लादेश की 17 करोड़ की आबादी में हिंदुओं की जनसंख्या करीब आठ प्रतिशत है। पांच अगस्त को शेख हसीना की आवामी लीग सरकार के तख्तापलट के बाद से बांग्लादेश के 50 जिलों में हिंदुओं पर 200 से अधिक हमले दर्ज किए गए हैं। मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा, बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद वहां नई सरकार में खासकर हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रही हिंसा और जुल्म-ज्यादती आदि तथा उससे वहां बिगड़ते हालात अति दुखद और चिंताजनक है। इसको लेकर भारत के लोगों में काफी आक्रोश है। उन्होंने कहा, सरकार इस पर संसद में वक्तव्य दे और उचित कदम उठाए।

साइबर जालसाजों ने रसायन आयात-निर्यात करने वाली कंपनी से एक करोड़ रुपये ठगे

नोएडा, । नोएडा में साइबर जालसाजों ने रसायन खरीद के नाम पर एक कंपनी से कथित तौर पर एक करोड़ रुपये ठग लिये। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रसायन का आयात-निर्यात करने वाली कंपनी ह्यन्यू एज टेकसी रिसर्च प्राइवेट लिमिटेडह्न के वरिष्ठ अधिकारी आशीष की शिकायत पर साइबर अपराध पुलिस थाने प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है जिसमें कहा गया कि उनकी कंपनी ने सितंबर में 500 मीट्रिक टन फिनोल रसायन की खरीद के संबंध में पुर्तगाल की एक कंपनी को ऑर्डर दिया था। थाना साइबर अपराध के प्रभारी निरीक्षक विजय गौतम ने बताया कि इस दौरान फोन और ईमेल के जरिये संचार हुआ लेकिन कंपनी प्रतिनिधि से मुलाकात कर कागजी प्रकिया पूरी करने से मना कर दिया गया। उन्होंने बताया कि रसायन नहीं पहुंचने पर पड़ताल की गई तो कंपनी को पता चला कि ई-मेल और फोन नंबर फर्जी थे। गौतम ने बताया कि शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

संभल घटना को लेकर बागपत कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

बागपत,। कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे भीम आर्मी और आजाद पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया है। उन्होंने संभल घटना को लेकर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन कलेक्ट्रेट प्रभारी को सौंपा। मांग की गई है कि मृतकों को न्याय दिलाया जाए। ज्ञापन में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश के संभल जनपद में जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान उत्तर प्रदेश के स्थानीय प्रशासन के गलत मैनेजमेन्ट के कारण अराजकता और हिंसा हुई। इसमें पांच लोगों की जान चली गयी और आम नागरिक एवं पुलिसकर्मी भी घायल हुए।

राहुल गांधी उत्तर प्रदेश के कांग्रेस सांसदों के साथ बुधवार को करेंगे संभल का दौरा

प्रात : किरण, संवाददाता

लखनऊ,। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी उत्तर प्रदेश के कांग्रेस सांसदों के साथ बुधवार को संभल का दौरा करेंगे। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। राय ने बताया कि पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा भी राहुल के साथ संभल का दौरा कर सकती हैं। उन्होंने कहा, ह्यह्यप्रतिनिधिमंडल में उत्तर प्रदेश से पार्टी के सभी छह सांसद शामिल होंगे, जिसका नेतृत्व राहुल गांधी करेंगे। इनमें पार्टी महासचिव और प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे भी होंगे। प्रदेश कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि वह भी राहुल गांधी के साथ संभल जाएंगे, जो रायबरेली से सांसद हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या केरल के वायनाड से पार्टी की सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा भी अपने भाई के साथ संभल जाएंगी, राय ने कहा कि वह भी जा सकती हैं। संभल में बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक शनिवार को खत्म हो रही थी। हालांकि, जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया ने इसे बढ़ाकर 10 दिसंबर कर दिया। इस बीच, जिलाधिकारी ने कहा है कि शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 (निषेधाज्ञा) जिले में 31 दिसंबर तक लागू रहेगी। उन्होंने कहा, ह्यह्य10 दिसंबर तक कोई भी बाहरी व्यक्ति, सामाजिक संगठन या जनप्रतिनिधि, सक्षम प्राधिकार से अनुमति लिए बिना जिले में प्रवेश नहीं कर सकता।ह्नह्न संभल की एक अदालत के आदेश पर 24 नवंबर को मुगलकालीन मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हिंसा भड़क गई थी जिसमें चार लोगों की मृत्यु हुई थी और कई अन्य घायल हुए थे। अदालत में दायर वाद में दावा किया गया है कि मस्जिद की जगह कभी हरिहर मंदिर हुआ करता था। राहुल गांधी के संभल दौरे के बारे में पूछे जाने पर संभल के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने मंगलवार को बताया, संभल में पहले से ही बीएनएसएस की धारा 163 लागू है। किसी को भी संभल आने की अनुमति नहीं है। यदि वह आते हैं तो उन्हें नोटिस दिया जाएगा। संभल से सपा विधायक इकबाल महमूद ने सोमवार को देर शाम पत्रकारों को बताया, मैं चारों मृतकों के परिजनों से मिलने गया था और मैंने उनसे सहानुभूति व्यक्त की। संभल में हुए अत्याचार का मुद्दा विधानसभा और संसद में उठाया जाएगा और 10 दिसंबर के बाद सपा का प्रतिनिधिमंडल यहां आएगा। इकबाल महमूद ने कहा, हमने मांग की है कि इस घटना की जांच उच्च न्यायालय के न्यायाधीश से कराई जानी चाहिए। हम न्यायिक जांच नहीं मानते हैं। उन्होंने खुद यह जांच बिठाई है। इस बीच, इत्तेहाद-ए-मिलात परिषद के अध्यक्ष मौलाना तौकीर रजा ने मंगलवार को बरेली में संवाददाताओं से कहा, इस देश की एकता और अखंडता के लिए खुदाई का विचार छोड़ देना चाहिए और विकास के बारे में सोचना चाहिए। लुप्त हो चुके डायनासोर के कंकाल भी पाए जा सकते हैं। समय बदल रहा है और हमें बदलते समय के साथ चलना चाहिए।

बांग्लादेश में हिन्दुओं के उत्पीड़न के खिलाफ एकजुट हुए हिन्दूवादी संगठन,विरोध प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

प्रात : किरण, संवाददाता

सीतापुर, । बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार एवं इस्कान के संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के विरोध में सीतापुर में अनेक हिंदू संगठनों ने ह्यबांग्लादेशी हिन्दू रक्षा संघर्ष समितिह्न के मंच पर एक जुट होकर विरोध प्रदर्शन किया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार हिन्दू समाज के विभिन्न संगठन लालबाग शहीद पार्क में एकत्र हुए हुए। यहां पर एक सभा के माध्यम से वक्ताओं ने मौजूद लोगों में जोश भरते हुए बांग्लादेश में हिन्दुओ पर अत्याचार के विरुद्ध जमकर नारेबाजी कर भारत सरकार से बांग्लादेश के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग की। विरोध कार्यक्रम में नैमिषारण्य से आए स्वामी विद्यानंद सरस्वती ने संबोधित करते हुए कहा कि आज बांग्लादेश में हिन्दुओं को मारा जा रहा है। मन्दिरों को तोड़ा जा रहा है, हिन्दुओं की बहन बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। बांग्लादेश के संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी का विरोध करते हुए उन्होंने कहा कि 1971 में बांग्लादेश के निर्माण के समय में हिन्दू आबादी लगभग 20 फीसदी के आसपास थी 2022 में वहां की जनगणना के अनुसार हिन्दू आबादी महज 1 प्रतिशत के आसपास सिमट गई है पिछले कई वर्षों से बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ लगातार उत्पीड़न किया जा रहा है। हिंदुओं के धार्मिक स्थलों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है ।उन्होंने कहा कि यह वही हिन्दू भाई हैं जिन्होंने जब बांग्लादेश पर संकट आया था तब मुस्लिम समुदाय के लोगों को भोजन, कपड़े, दवाइयां, रहने आदि की व्यवस्थाएं कराई थी। आज वही समुदाय हिन्दुओं पर अत्याचार करने से पीछे नहीं हट रहा है। यदि आप अब भी नहीं चेते यहां भी वही होगा। साध्वी मुमक्षा देवी ने कहा हिन्दू न सोया था न है और न रहेगा। अब समय बस एकजुट होने का। हिन्दू शेर सेना के विकास हिन्दू ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अगर बांग्लादेश में बेटियों को तलवारबाजी आती होती तो यह नौबत नहीं आती इसलिए सभी हिन्दू अपनी बहन, बेटियों को तलवारबाजी अवश्य सिखाएं। सभा के बाद हाथों में लिए तख्तियों के साथ विरोध मार्च निकालते हुए लालबाग (अटल चौक) पर लोगो ने बांग्लादेश की सरकार के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की मौजूद लोगो ने चौराहा को जाम कर दिया उसके बाद कलेक्ट्रेट पहुंचे जहाँ उन्होंने जिलाधिकारी को राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा।

सड़क हादसे में अधेड़ की मौत, कपड़ों से हुई पहचान

प्रात : किरण, संवाददाता

मीरजापुर, । मड़िहान थाना क्षेत्र के अमोई गांव के पास लालगंज-कलवारी मार्ग पर सोमवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में 48 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान अमोई गांव निवासी मुन्ना सोनी के रूप में हुई है। हादसे के बाद शव सड़क पर खून से लथपथ पड़ा मिला, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पुलिस के अनुसार, मुन्ना सोनी सोमवार को रिश्तेदारी में एक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। देर रात घर लौटते समय, जब वह पैदल चल रहे थे, तभी घर से करीब 500 मीटर की दूरी पर एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में उनका सिर बुरी तरह कुचल गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद शव कई घंटों तक सड़क पर पड़ा रहा। राहगीरों ने शव देखा और ग्रामीणों को सूचना दी। इसके बाद मौके पर परिजन पहुंचे और मुन्ना की पहचान उनके कपड़ों के आधार पर की। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में बताया कि यह हादसा किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से हुआ है। परिजनों की ओर से तहरीर मिलने पर मामले की गहराई से जांच की जाएगी। घटना से परिवार में मातम का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से अज्ञात वाहन चालक को जल्द पकड़ने और पीड़ित परिवार को मुआवजा दिलाने की मांग की है।

दिव्यांग किसी से कम नहीं : योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री ने 19 महानुभावों को राज्य पुरस्कार से सम्मानित किया

प्रात : किरण, संवाददाता

लखनऊ, । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर दिव्यांगजन सशक्तीकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 19 महानुभावों को राज्य पुरस्कार से सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 40 दिव्यांगों को सहायक उपकरण वितरित किया। कार्यक्रम में 75 से 90 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले दिव्यांग छात्रों को सम्मानित किया। इसके अलावा 28 युवाओं को कम्प्यूटर प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र दिया गया है। लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दिव्यांग किसी से कम नहीं हैं। हमारे यहां अष्टावक्र व सूरदास जैसी अनेक विभूतियां रहीं हैं। आज भी राम भद्राचार्य जैसी आध्यात्मिक विभूति मार्गदर्शन कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के अंदर दो दिव्यांग विश्वविद्यालय है। हमारे राज्य के अंदर अलग–अलग क्षेत्रों में कालेज संचालित हैं लेकिन इनकी संख्या बढ़ाने की आवश्यकता है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले प्रदेश में सात से 08 लाख दिव्यांगों को ही पेंशन मिलती थी। आधा पैसा बाबू खा जाता था। अब लाभार्थी के खाते में पैसा भेजा जा रहा है। उत्तर प्रदेश में 11 लाख दिव्यांग जन 12 हजार रुपए प्रतिवर्ष पा रहे हैं। इसके अलावा तमाम प्रकार के कार्यक्रम प्रदेश में संचालित हो रहे हैं। दिव्यांगों को 04 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था भी राष्ट्रीय सेवाओं में की गयी है। दुकान खोलने के लिए भी राशि उपलब्ध करायी जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृत्रिम अंग वितरण के भी कार्यक्रम शुरू किये गये हैं। मूकबधिर बच्चों की सर्जरी के लिए अनुदान की व्यवस्था है। परिवहन निगम की बसों में निःशुल्क यात्रा के लिए 40 करोड़ रुपए की व्यवस्था की गयी है। राज्य सरकार आज दो विश्वविद्यालय संचालित कर रही है। एक शकुंतला देवी विश्विद्यालय लखनऊ दूसरा राम भद्राचार्य विवि चित्रकूट,इनकी संख्या बढ़ाने की जरूरत है जिससे इनको और बढ़ावा मिले। दिव्यांग जन के लिए 4% राजकीय सेवाओं आरक्षण की भी व्यवस्था की गई है, हमारे यहां दिव्यांग आईएएस भी व्यवस्था में हैं। प्रदेश सरकार दिव्यांग जन के लिए बहुत सारे अन्य कार्य भी हो रहे हैं,कृत्रिम अंग भी वितरित हो रहे है, ट्राईसाईकिल वगैरह सरकारी भवनों में रैंप की भी व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री नरेंद्र कश्यप ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

हिंदुस्तान जिंक की जीवन तरंग पहल से दिव्यांग बच्चों के लिए समावेशी समाज का निर्माण

विशेष योग्यजन 900 से अधिक छात्रों के लिए शिक्षा की सुविधा

प्रात : किरण, संवाददाता

नई दिल्ली, अजमेर की दसवीं कक्षा की छात्रा नीतू रावत जन्म से ही सुनने में असक्षम है। नीतू के माता-पिता उस समय निराश हो गए जब उन्हें एहसास हुआ कि उसकी स्थिति के कारण रोजमर्रा की बातचीत और पढ़ाई-लिखाई मुश्किल होने वाली है। नोएडा डेफ सोसाइटी (एनडीएस) के सहयोग से हिंदुस्तान जिंक के जीवन तरंग कार्यक्रम से उसका जीवन में बदलाव आया, उसे भारतीय सांकेतिक भाषा (आईएसएल), जीवन कौशल पर साक्षरता और नई तकनीकों पर साक्षरता से परिचित कराया गया। नीतू अब आत्मविश्वास के साथ अपनी सहपाठियों से बातचीत करती है, स्कूल में सक्रिय रूप से भाग लेती है और घर पर बेहतर समझ विकसित करने के लिए अपने भाई-बहनों को आईएसएल भी सिखाती है। नीतू की ही तरह भीलवाड़ा निवासी सातवीं कक्षा के छात्र मनीष कुमावत को भी जन्म से ही सुनने की समस्या थी। अपने परिवार में उन्हें अपने विचारों को व्यक्त करने और अपने आस-पास के लोगों को समझने में कठिनाई होती थी। हिंदुस्तान जिंक के जीवन तरंग कार्यक्रम ने मनीष के जीवन में उल्लेखनीय बदलाव लाया। एनडीएस प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में, उन्होंने आईएसएल सीखा और अपने बुनियादी ज्ञान में सुधार किया। आज, वह एक उज्जवल भविष्य का सपना देखते हैं। वर्ष 2017 से संचालित, हिंदुस्तान जिंक का जीवन तरंग कार्यक्रम विशेष योग्यजन वाले बच्चों की शैक्षिक जरूरतों को पूरा करने के लिए समर्पित है। अजमेर, भीलवाड़ा और उदयपुर के चार विद्यालयों में इस पहल से 900 से अधिक बच्चें लाभान्वित हो रहे है, उनके सीखने के अनुभवों को बदल रही है और समग्र विकास को बढ़ावा दे रही है। 600 से अधिक बच्चों को आईएसएल में प्रशिक्षित किया गया है, और 100 से अधिक दृष्टिबाधित बच्चों ने डेजी प्लेयर, स्मार्टफोन और कंप्यूटर का उपयोग कर प्रौद्योगिकी कौशल हासिल किया है छात्र स्वतंत्रता और उद्यमशीलता की सोच को प्रोत्साहित करने के लिए कला और शिल्प, ब्यूटीशियन प्रशिक्षण और गृह विज्ञान जैसे व्यावहारिक कौशल सीखते हैं। इसके अतिरिक्त, हिंदुस्तान जिंक ने कर्मचारियों, व्यावसायिक भागीदारों और समुदाय के सदस्यों को आईएसएल प्रशिक्षण शुरू देकर अपने प्रयासों को आगे बढ़ाया है, जिससे विशेष जरूरतों वाले लोगों के लिए समावेशिता का समाज तैयार हो रहा है।

राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन ने काली पट्टी बांधकर मनाया काला दिवस

- दिव्यांग जनों को वितरण किए जाने वाले उपकरणों के लिए किए गए रजिस्ट्रेशन

प्रात : किरण संवाददाता

बिजनौर। राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन की बैठक मंगलवार को एजाज अली हाल नगर पालिका बिजनौर में आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष एम.आर. पाशा तथा संचालन राष्ट्रीय प्रभारी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष एजाज सर व मुफ्ती मोहम्मद इरशाद ने संयुक्त रूप से किया। एजाज अली हाल नगर पालिका बिजनौर से हजारों की संख्या में दिव्यांगजन जुलूस प्रदर्शन करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने एक ज्ञापन आदरणीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के नाम जिलाधिकारी बिजनौर के कार्यलय में उप जिलाधिकारी न्यायिक हर्ष चावला को सौंपा।राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एमआर पाशा ने बताया कि दिव्यांगों की संख्या दो करोड़ तथा पूरे भारतवर्ष में 11 करोड़ है। लेकिन दिव्यांगों के लिए कोई भी सुविधा उपलब्ध नहीं है। इसलिए विश्व विकलांगता दिवस को काला दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। तथा सरकार की नीतियों का विरोध किया गया। तथा सरकार से दिव्यांगों की समस्याओं की ओर ध्यान देने का अनुरोध किया गया। संगठन द्वारा हर वर्ष के भांति इसी वर्ष भी निशुल्क वितरण कार्यक्रम के लिए रजिस्ट्रेशन किए गए। जिसमें 500 लिहाफ, 350 कंबल ,30 सिलाई मशीन,15 ट्राई साइकिल,10 व्हील चेयर,25 जोड़ी बैसाखी आदि का भी रजिस्ट्रेशन किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष एमआर पाशा ने ज्ञापन में निम्न प्रकार की मांगे रखी।राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम आर पाशा ने कहा कि दिव्यांग आयोग का गठन किया जायें। उसका अध्यक्ष दिव्यांग हो,देश व प्रदेश के मुख्यालयो के साथ प्रत्येक जनपद मुख्यालयों पर दिव्यांग भवन बनाए, जाए एवं उनका संचालन दिव्यांगों द्वारा सुनिश्चित किया जाए,उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में डूडा विभाग जो तीसरी मंजिल पर है उसको नीचे शिफ्ट किया जाए, जिसका लाभ दिव्यांग जनों को मिल सके तीसरी मंजिल पर होने के कारण दिव्यांगजन डूडा विभाग नहीं जा पाते तथा विभाग में प्रचलित योजना का लाभ से वंचित रह जाते हैं,दिव्यांगों का आरक्षण 4% से 10% किया जायें,दिव्यांगों का यूडी आईडी कार्ड देश की समस्त परिवहन निगमों जैसे बसे,ट्रेनों,जलयानो एवं वायुयानो में छूट सहित समस्त भारत में मान्य कराने की अनिवार्य व्यवस्था करायी जाए। उन्होंने कहा कि सभी सरकारी कार्यालयों में दिव्यांगों की सुविधा के लिए रैम्प बनाया जायें व दिव्यांगों का उत्पीड़न बन्द किया जायें,सभी नगर पालिका / नगर पंचायतों में दिव्यांगों की सुविधा के लिए रैम्प नहीं है सभी नगर पालिका / नगर पंचायतों में रैम्प बनवाया जायें,रेलगाड़ी के 2 अ/उ.3अ/उ मैं दिव्यांगों को 90 प्रतिशत छूट दी जाए,तथा पीसीओ की तर्ज पर दिव्यांगजनों को साइबर कैफे दिए जाएं,दिव्यांगों की पेन्शन 1000 से 5000 की जायें,सभी दिव्यांगजनों के सरकारी आवास बनाये जायें,दिव्यांग कन्याओं एवं युवाओं की शादी अनुदान राशि कम से कम 2 लाख की धनराशि लाभार्थी के खाते में डाली जाए। उन्होंने कहा कि दिव्यांग अधिकार अधिनियम 2016 को सभी प्रावधानों को अति शीघ्र से लागू किया जाए,दिव्यांगजनों को राजनीति में आरक्षण दिया जाए,लोकसभा विधानसभा पंचायत निकाय चुनाव में दिव्यांग जनों को आरक्षण दिया जाए ताकि वह विधानसभा लोकसभा में अपने समाज की आवाज उठा सके।

श्री वैंकटेश्वरा में पांच दिवसीय एड्स अवेयरनेस वीक-2024 का समापन

- एड्स एक राष्ट्रीय अभिशाप, जनजागरूकता अभियान चलाकर इसके समूल नाश का संकल्प लें। सुधीर गिरि

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोह।श्री वैंकटेश्वरा विश्वविद्यालय में पांच दिनों से चले आ रहे एड्स अवेयरनेस वीक का शानदार समापन हो गया। 30 नवम्बर से चले आ रहे इस पांच दिवसीय एड्स जागरूकता सप्ताह -2024 में नुक्कड़ नाटक, पोस्टर मेकिंग, डिबेट प्रतियोगिता, रेड रिबन जागरूकता रैली एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी के माध्यम से आम जनमानस को इस जानलेवा बिमारी से बचाव एवं रोकथाम के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसके अलावा आज एड्स को लेकर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए जपाइगो (जान हापकिन्स यूनिवर्सिटी का स्वयंसेवी संस्थान) के भारत में डिप्टी कंट्री हेड प्रो. (डा.) कमलेश लाल चन्दानी ने कहा कि राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम बनने के बाद से अब प्रत्येक एड्स संक्रमित व्यक्ति आसानी से मुफ्त जांच एवं सम्पूर्ण ईलाज निःशुल्क पा सकता है। श्री वैंकटेश्वरा संस्थान में पांच दिवसीय एड्स अवेयरनेस वीकह्न के समापन दिवस पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारम्भ संस्थापक अध्यक्ष डा. सुधीर गिरि, मुख्य अतिथि डब्ल्यू एच.ओ. एवं यूनिसेफ के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी एवं जपाइगो के इण्डिया हेड डा. कमलेश लालचंदानी, प्रतिकुलाधिपति डा. राजीव त्यागी, कुलपति प्रो. कृष्णकान्त दवे, कम्युनिटी मेडिसिन के हेड डा. बी.एन सिंह आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्ज्वलित करके एवं जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करके किया। अपने सम्बोधन में मुख्य अतिथि एवं विख्यात हेल्थ एक्सपर्ट डा. कमलेश लाल चन्दानी ने कहा कि एड्स की कोई वैक्सीन एवं शत प्रतिशत प्रभावी उपचार ना होने के कारण यह कैंसर, हेपेटाइटिस, लीवर सोरायसिस जैसी जानलेवा बिमारियों से भी खतरनाक है, लेकिन भारत सरकार ने इसकी रोकथाम के लिए नाको के साथ मिलकर इसकी जाँच एवं महंगे उपचार को प्रत्येक संक्रमित व्यक्ति के लिए बिलकुल निःशुल्क कर दिया ऐसे में भारत में पिछले एक दशक में एड्स से मरने वालों की संख्या में 70 फीसदी तक कमी आई है।

लखनऊ में वैवाहिक कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के छात्रों ने की हिंसा

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ, । हसनगंज थाना क्षेत्र में एक मैरिज लॉन में बीती रात आयोजित वैवाहिक कार्यक्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र पहुंचें और वहां थाली उठाने पर मना करने पर जमकर हिंसा की। हिंसा होने के बाद लड़की के पिता रिंकू सोनकर और उनके परिचितों को चोट आयी। छात्रों की ओर से बुलाये गये और भी छात्रों के साथ मिलकर वहां रात बारह बजे के करीब ईंट पत्थर चलाये गये। समूचे घटना में घायल हुए बाराती और लड़की पक्ष के लोगों के बुलाने पर वहां हसनगंज थाना से पुलिसकर्मी पहुंचें और उन्हें देखकर तत्काल छात्र वहां से भाग निकले। छात्रों के भागने के बाद पुलिसकर्मियों ने उनका पीछा किया और कुछ छात्रों को पकड़ लिया गया। समुचे घटना के मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गयी है। घटनास्थल के नजदीक के आईटी चैराहे पर लगे सीसीटीवी कैमरों में छात्रों के चेहरों को पहचाना जा रहा है। एडीसीपी मध्य मनीषा सिंह ने मामले में देर रात दो बजे मौके पर पहुंच कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि भोजन की थाली को लेकर बवाल हुआ है, छात्रोंकी ओर पत्थरथाजी हुई एवं गोली चलायी गयी है। पुलिस की ओर से कार्यवाही की जा रही है। कुछ संदिग्ध छात्रों को हिरासत में ले लिया गया है।

दुपट्टे से गला घोट किशोरी की हत्या, घर के कमरे में पड़ा मिला शव, हिरासत में आरोपी

प्रात : किरण संवाददाता,

गजरौला। थाना क्षेत्र के एक गांव में 16 वर्षीय किशोरी की दुपट्टे से गला घोटकर हत्या कर दी गई। परिजनों ने दो युवकों पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने एक को हिरासत में लिया है। पुलिस जांच में मामला प्रेम प्रसंग का सामने आ रहा है। आपको बताते चलें कि मौसेरे भाई की बेटी के नामकरण से लौटी 16 वर्षीय किशोरी की घर में ही दुपट्टे से गला घोटकर हत्या कर दी गई। उसका शव कमरे में पड़ा मिला। एसपी, एएसपी समेत आला अधिकारियों ने मुआयना कर जांच की। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। परिजनों ने गांव के ही दो युवकों पर हत्या का आरोप लगाया। पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस की जांच में मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा होने की बात सामने आई है। यह घटना थाना क्षेत्र के गांव में हुई। यहां पर मजदूर का परिवार रहता है। उनके परिवार में पत्नी के अलावा तीन बेटे और दो बेटियां हैं। वह अपनी पत्नी के साथ राजस्थान के दादरी में मजदूरी करता है। पांच दिन पहले ही दोनों राजस्थान गए थे। गांव में ही किशोरी की मौसी रहती हैं। सोमवार की रात किशोरी के मौसेरे भाई की बेटी का नामकरण कार्यक्रम था। जिसमें शामिल होने के लिए किशोरी अपने बहन-भाइयों के साथ गई थी। रात एक बजे तक परिवार के लोगों और रिश्तेदारों ने डीजे पर डांस किया। इसके बाद किशोरी अपनी बड़ी बहन से साथ घर चली गई और दोनों अलग-अलग कमरों में सो गईं। मंगलवार सुबह छोटा भाई चाय लेकर कमरे में पहुंचा तो किशोरी मृत अवस्था में पड़ी मिली। दुपट्टे का फंदा गले में कसा हुआ था। किशोरी के कपड़े अस्त-व्यस्त हुए थे। चीखपुकार मचने पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही गजरौला पुलिस मौके पर पहुंच गई। एसपी कुंवर अनुपम सिंह, एसपी राजीव कुमार सिंह ने भी घटनास्थल का मुआयना किया। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर सबूत जुटाए। बाद में पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

यूपी कालेज पुलिस छावनी में तब्दील,छात्रों ने मजार के पास हनुमान चालीसा पढ़ने का किया ऐलान

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी,। यूपी कॉलेज की जमीन पर वक्फ बोर्ड के दावे को लेकर छिड़े रार के बीच छात्र भी खुल कर कालेज प्रबंधन के साथ खड़े हो गए है। कालेज परिसर में स्थित मजार के पास छात्रों ने मंगलवार को हनुमान चालीसा पढ़ने का ऐलान किया तो विवाद की संभावना देख पुलिस अफसर फोर्स के साथ पहुंच गए। मजार से लेकर कालेज के मुख्य गेट तक पुलिस फोर्स सतर्क हो गई। छात्रों को मजार के पास हनुमान चालीसा पाठ न करने के लिए पुलिस अफसरों ने उन्हें समझाया। पुलिस छावनी में तब्दील परिसर में छात्र नेताओं ने भी अपनी बात अफसरों से रखी। छात्रों ने कहा कि कॉलेज परिसर में मजार के पास अचानक धार्मिक गतिविधियां बढ़ गई है। इससे कालेज में अध्ययन का माहौल बिगड़ रहा है। छात्रों ने वहां लगे बैरिकेडिंग को हटाने की बात कही। अपर पुलिस आयुक्त डॉ एस चनप्पा और डीसीपी वरूणाजोन चंद्रकांत मीणा ने छात्र नेताओं की बातें ध्यान से सुनी। पुलिस अफसरों ने संवाद कर छात्रों को मनाया। इस दौरान छात्र नेताओं ने वक्फ बोर्ड के दावे पर नाराजगी जताई। बताते चलें कि सेंट्रल सुन्नी वक्फ बोर्ड ने 2018 में कॉलेज प्रशासन को नोटिस जारी करते हुए कॉलेज की उस जमीन को अपनी संपत्ति बताई थी, जहां मजार है। यूपी कॉलेज प्रशासन ने वक्फ बोर्ड के दावे को खारिज करते हुए बताया कि यह जमीन वर्ष 1909 में ट्रस्ट ने अधिग्रहीत कर ली थी। ट्रस्ट के गठन के एक साल के भीतर किसी भी प्रकार का दावा नहीं किया गया था। कालेज प्रशासन ने स्पष्ट किया कि विवादित स्थान पर मस्जिद नहीं, बल्कि मजार है। हाल के दिनों में एक बार फिर वक्फ बोर्ड का पुराना नोटिस वायरल होने के बाद से ही कॉलेज परिसर में तनाव है। परिसर में कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पुलिस और पीएसी के जवानों की तैनाती कर दी गई है। खुफिया विभाग भी परिसर में सतर्क है। अफसर छात्रों से संवाद कर रहे है।

संक्षिप्त खबरें

दिव्यांग बच्चों के लिए प्रतियोगिता आयोजित हुई

ग्रेटर नोएडा, कंपोजिट स्कूल मोरना में मंगलवार को विश्व दिव्यांगता दिवस के अवसर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार ने दीप प्रज्जवलित कर किया। दिव्यांग बच्चों ने बाधा दौड़, लेमन रेस, लंबी दौड़, कुर्सी दौड़, व्हीलचेयर रेस आदि प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। इस मौके पर सभी खंड शिक्षा अधिकारी विशेष शिक्षक दिव्यांग बच्चे और उनके अभिभावक के साथ शिक्षक आदि उपस्थित रहे।

मोबाइल टावरों से आरआरयू चोरी

ग्रेटर नोएडा, । शहर में दो अलग-अलग जगह लगे मोबाइल टावरों से आरआरयू चोरी होने का मामला सामने आया है। मोबाइल टावर में लगा यह सबसे कीमती उपकरण होता है, जिसे चोर निशाना बना रहे हैं। कंपनी के टेक्नीशियन की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस चोरों की तलाश में जुटी है। एक कंपनी के टेक्नीशियन राकेश कुमार ने नॉलेज पर थाना पुलिस से शिकायत की कि उनकी कंपनी का मोबाइल टावर एनपीएक्स पुलिस चौकी के समीप ग्रीन बेल्ट में लगा है। इस टावर से आरआरयू चोरी हो गया। वहीं, एक अन्य कंपनी के टेक्नीशियन विपिन कुमार ने सेक्टर बीटा दो कोतवाली में मुकदमा दर्ज करवाया है। आरोप है कि उनकी कंपनी का एक टावर सिग्मा-दो के समीप लगा हुआ है। इस टावर से भी आरआरयू चोरी हो गया। पुलिस ने दोनों घटनाओं में मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का दावा है कि चोरों का पता लगाकर चोरी हुए उपकरण बरामद किए जाएंगे।

मकान का ताला तोड़कर सामान और गहने चुराए

ग्रेटर नोएडा, । बृजवासीपुरम कॉलोनी में बदमाश एक मकान का ताला तोड़कर गहने और कीमती सामना चोरी कर ले गए। घटना के समय दंपति किसी काम से बाहर गए थे। इस बीच घटना को अंजाम दिया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। बिसरख कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बृजवासीपुरम कॉलोनी में उज्ज्वल कुमार श्रीवास्तव परिवार के साथ रहते हैं। वह किसी काम से कोलकाता गए थे, जबकि उनकी पत्नी मुरादाबाद गई थी। इसी बीच बदमाशों ने घर का ताला तोड़कर नगदी, गहने समेत अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया। करीब तीन बाद उनकी पत्नी घर लौटी तो चोरी की घटना के बारे में पता चला। इसकी शिकायत तुरंत पुलिस से की। बिसरख कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस घर के आसपास लगे सीसीटीवी की फुटेज देख रही है। चोरों का पता लगाकर घटना का खुलासा किया जाएगा।

निमार्णाधीन नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर क्रेन में लगी आग, कोई हताहत नहीं

नोएडा, । गौतमबुद्ध नगर जिले के जेवर क्षेत्र में निमार्णाधीन नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक क्रेन में आग लग गई लेकिन इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि इस घटना के चलते मौके पर अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। अधिकारी ने बताया कि घटना सोमवार की है जब निर्माण के काम में लगी एक क्रेन के केबिन में आग गई। देखते ही देखते ऊंची लपटें उठने लगीं और आसपास धुआं फैल गया जिसके बाद श्रमिकों ने उच्चाधिकारियों और दमकल विभाग को इसकी सूचना दी। उन्होंने बताया कि सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने आग पर काबू पा लिया और घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के नोडल अधिकारी शैलेंद्र भाटिया ने कहा, क्रेन में लगी आग को समय रहते काबू कर लिया गया। कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। काम बिना किसी बाधा के जारी है। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर निर्माण कार्य अंतिम चरण दौर में है। इसी माह वाणिज्यिक उड़ान का परीक्षण प्रस्तावित है जिसके लिए नागर विमानन महानिदेशालय की अनुमति का इंतजार किया जा रहा है। अगर परीक्षण सफल होता है तो अगले साल से यहां वाणिज्यिक सेवा शुरू कर दी जाएगी।

पायलट प्रोजेक्ट के रूप में विकसित हो वेटरनरी कॉलेज, इंटरनेशनल स्टेडियम और कान्हा गौशाला : मुख्यमंत्री

●वेटरनरी कॉलेज में पशुओं के रखने, चारागाह के लिए हो पर्याप्त रिजर्व लैंड

प्रातः किरण, संवाददाता

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ताल नदोर में बन रहे वेटरनरी कॉलेज (पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय) और यहां प्रस्तावित इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम तथा कान्हा गौशाला को एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में विकसित किया जाए। सरकार की मंशा इस क्षेत्र को विकास का एक नया मॉडल बनाने की है। सीएम योगी मंगलवार अपराह्न गोरखपुर के ताल नदोर में बन रहे पूर्वी उत्तर प्रदेश के पहले पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय का निरीक्षण कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय की डिजाइन, लेआउट, मॉडल का अवलोकन कर इसके प्रमुख आयामों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि ताल नदोर में 80 से 100 एकड़ में प्रस्तावित इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम और 52 एकड़ में नगर निगम की तरफ से बनाए जाने वाली कान्हा गौशाला को भी पायलट प्रोजेक्ट के रूप में एक दायरे में लाया जाए। इस पायलट प्रोजेक्ट से हम यहां कुल ढाई-तीन सौ एकड़ क्षेत्रफल में विकास का शानदार मॉडल बना सकेंगे। लोक निर्माण विभाग के अफसरों ने बताया कि इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम के लिए 106 एकड़ क्षेत्रफल में प्रारंभिक सर्वे का काम किया जा चुका है। इसके अलावा 52 एकड़ में बनने वाले कान्हा गौशाला का निर्माण सीएनडीएस द्वारा कराया जाएगा। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी कार्यों को एक दायरे में लाने पर काम किया जाए। वेटरनरी कॉलेज के निर्माण की प्रगति के बारे में पूछे जाने पर लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने उन्हें बताया कि प्रथम चरण का निर्माण मार्च 2026 में पूरा करा लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने वेटरनरी कॉलेज के लेआउट का अवलोकन करने के दौरान पशुओं (गाय, भैंस, बकरी, घोड़ा आदि) के रखने और उनकी फीड के लेकर की जा रही तैयारियों की जानकारी ली। जानकारी लेने के बाद उन्होंने निर्देशित किया कि पशुओं के चारागाह के लिए पर्याप्त लैंड रिजर्व करने और गौ सरोवर बनाने के लिए भी व्यवस्था की जाए। इसके लिए संरचना में आवश्यक परिवर्तन भी किए जाएं। सीएम योगी ने वेटरनरी कॉलेज के समीप ही चार एकड़ में बन रहे वृहद गोशाला को भी देखा और निर्देशित किया कि यहां गर्मियों में पशुओं को रखने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम किए जाएं। निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद भाजपा कार्यकताओं से आत्मीय संवाद कर उनका कुशलक्षेम जाना। मुख्यमंत्री द्वारा किए गए निरीक्षण के दौरान विधायक विपिन सिंह, भाजपा के महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता, प्रशासन, पुलिस, पशुपालन, लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पहले चरण के निर्माण पर खर्च होंगे 277 करोड़ 31 लाख रुपये गोरखपुर के ताल नदोर में पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय का शिलान्यास मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसी वर्ष 3 मार्च को किया था। 80 एकड़ में क्रमवार तीन चरणों में बन रहे इस महाविद्यालय के निर्माण पर 350 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आएगी। पहले चरण के निर्माण पर 277 करोड़ 31 लाख रुपये खर्च होंगे।। कार्यदायी संस्था के रूप में लोक निर्माण विभाग को जिम्मेदार दी गई है।

फरीदाबाद : पति की हत्या करने वाली महिला व प्रेमी गिरफ्तार

प्रातः किरण, संवाददाता

फरीदाबाद, । प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की हत्या करने के मामले में पुलिस चौकी टाउन नंबर तीन की टीम ने आरोपित महिला व उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस चौकी टीम ने आरोपी अब्दुला तथा महिला आरोपी रेखा गिरफ्तार किया है। आरोपी अब्दुला (40) ने पूछताछ में बताया कि वह ऑनलाई फास्ट फुड स्पलाई करने की दुकान पर पिछले 3/4 साल से डिलीवरी बॉय का काम करता है। जिसके दौरान पिछले करीब 8 महिने से रेखा को जानता है और उसके साथ दोस्ती है। अभी कुछ दिन पहले रेखा ने उसको बताया कि विजय ने उसके साथ मार-पीट की है। जिसको लेकर 1/2 दिसम्बर की रात को करीब 1-2 बजे अब्दुला रेखा के पास विजय की झुग्गी में आया और वहीं पर दोनों ने विजय को मारने की योजना बनाई। आरोपी अब्दुला ने तकिया से विजय का मुंह दबाया तथा महिला आरोपी ने पैर दबाए। पूछताछ के बाद आरोपी महिला को जेल भेजा गया तथा आरोपी अब्दुला को पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पुलिस चौकी टाउन नम्बर-3 में बलबीर गांव महगांव मुरेना मध्य प्रदेश ने शिकायत में बतलाया कि उसके छोटा विजय (40) पत्नी रेखा व अपनी तीन बेटियों के साथ सुलभ शौचालय पार्क चिमनी बाई चौक के पास एनआईटी फरीदाबाद मे झुग्गी मे रहता था और सुलभ शौचालय मे सफाई का काम करता था। विजय की पत्नी रेखा का मौहम्मद अब्दुला नाम के व्यक्ति से नाजायज संबध थे। मृतक की उसकी पत्नी रेखा व मौहम्मद अब्दुला गांव चिरावक जिला बुलंदशहर उत्तर प्रदेश से इस बारे में कई बार भैंस भी हुई थी और विजय ने उन दोनों को समझाया भी था। 1/2 दिसम्बर की रात को अब्दुला समय करीब 1/2 बजे रेखा से मिलने के लिए आया, जिसने झुग्गी का दरवाजा खट-खटाया और रेखा ने दरवाजा खोल दिया। इसके उपरांत रेखा व आरोपी ने मिलकर विजय का तकिया से मुह दबा कर मार दिया था। जिस पर शिकायत पर थाना स्त्ररू नगर में हत्या की धाराओं में मामला दर्ज किया गया।

फरीदाबाद : बलात्कार के दोषी चालक को मिली बीस साल की सजा

प्रातः किरण, संवाददाता

फरीदाबाद, । दोस्त की नाबालिग बेटी को कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर हरिद्वार ले जाने और वहां दुष्कर्म करने के केस में युवक को कोर्ट ने मंगलवार को 20 साल की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 50 हजार रुपए का जुमार्ना भी लगाया गया है। लडकी आठवीं क्लास में पढ़ती थी। युवक उसे प्रेम करने का झांसा देकर आते जाते पीछा करता रहता था। उसे सजा सुनाने के बाद जेल भेज दिया गया है। फरीदाबाद लीगल सेल के एडवोकेट रविंद्र गुप्ता ने बताया कि 15 वर्षीय लडकी अपने परिवार के साथ रहती है। उसके पिता ऑटो चालक हैं। एसजीएम नगर निवासी साहिल सैफी उर्फ रहीसुद्दीन (26) उसका पीछा करता था। वह भी ऑटो चलाता है। एक दिन उसके पिता का ऑटो खराब हो गया। उसे छोड के लिए सैफी उसके घर पहुंच गया। यहां उसकी मुलाकात लडकी से हुई। इसके बाद वह अक्सर उसका पीछा करने लगा। वह युवती से कहता था कि वह उससे प्यार करता है और शादी करेगा। 8 मई 2019 को पीड़िता स्कूल से घर जा रही थी। रास्ते में सैफी उसे मिल गया और कहा कि तुम्हारे मां-बाप का एक्सीडेंट हो गया है, तुम्हें बुलाया है। लडकी ऑटो में बैठ गई। इसके बाद रास्ते में उसे नशीला पदार्थ मिलाकर कोल्ड ड्रिंक पिला दिया, जिससे वह बेहोश हो गई। केस के अनुसार लडकी को जब होश में आयी तो वह हरिद्वार में थी। सैफी ने अपने दूसरे दोस्त के माध्यम से उसके घर सूचना भिजवाई कि ऑटो ड्राइवर की बेटी हरिद्वार में है।

बदायूं : नीलकंठ महादेव मंदिर या जामा मस्जिद! कोर्ट में बहस नहीं हुई पूरी, 10 दिसंबर को होगी सुनवाई

प्रातः किरण, संवाददाता

बदायूं, । बदायूं में जामा मस्जिद बनाम नीलकंठ महादेव मंदिर मामले में मंगलवार को फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुस्लिम पक्ष की बहस पूरी नहीं। अब मामले में अगली सुनवाई दस दिसंबर को होगी। हिंदू महासभा के वकील विवेक रेंडर ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि केस सुनवाई योग्य है या नहीं, इसको लेकर कोर्ट में बहस चल रही है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि यदि कोई संपत्ति पुरातत्व विभाग की है उस पर विशेष उपासना स्थल अधिनियम, 1991 लागू नहीं होता है। जहां एक पक्ष हिंदू हो और दूसरा पक्ष मुस्लिम हो तब उस दिशा में वक्फ अधिनियम 1995 के प्रावधान लागू नहीं होते हैं। उन्होंने आगे कहा कि मुस्लिम पक्ष अपनी बहस कर रहा है, इसके बाद हम अपना पक्ष रखेंगे। मुस्लिम पक्ष मंदिर के अस्तित्व को नकार रहा है, इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अगर मंदिर का अस्तित्व नहीं है तो वो सर्वे कराने से क्यों डर रहे हैं? इंतजामिया कमेटी के वकील अनवर आलम का कहना है कि ये मुकदमा सुनवाई योग्य नहीं है। जिसमें उन्होंने हमें पार्टी बनाया है उसमें लिखा है मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाई गई, जिसका कोई अस्तित्व नहीं उसकी तरफ से कोई मुकदमा दायर नहीं कर सकता। सरकार के गजेटियर में लिखा है कि जामा मस्जिद धरोहर है। केवल बदायूं के कुछ खास मेंटालिटी के अधिकारियों ने साल 2004- 2005 में ऐसा लिख दिया था। दूसरा पक्ष कोई गजेटियर पेश नहीं कर रहा। केवल शहर का माहौल बिगाड़ने के लिए ऐसा किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि इस मुकदमे का कोई आधार नहीं है। क्योंकि वादी प्रत्यक्ष होना जरूरी है लेकिन इस मामले में वादी प्रत्यक्ष नहीं है। हिंदू महासभा को मुकदमा दायर करने का कोई अधिकार नहीं है। कोर्ट में हमने 40 मिनट बहस की और मामले में अगली सुनवाई 10 दिसंबर को होगी। बता दें कि सिविल जज सीनियर डिवीजन फास्ट ट्रैक कोर्ट के न्यायाधीश अमित कुमार के न्यायालय में बदायूं में जामा मस्जिद बनाम नीलकंठ महादेव मंदिर का मामला विचाराधीन हैं। वादी मुकेश पटेल ने साल 2022 में जामा मस्जिद में नीलकंठ महादेव मंदिर होने का दावा करते हुए याचिका दायर की थी, इस पर कोर्ट ने सुनवाई शुरू की है।

अस्पताल की सहायक निदेशक की शिकायत पर पांच से अधिक लोगों पर लूटपाट, मारपीट के आरोप में मामला दर्ज

प्रातः किरण, संवाददाता

नोएडा, । नोएडा के फेज-तीन क्षेत्र के एक अस्पताल की सहायक निदेशक की शिकायत पर पांच से अधिक लोगों के खिलाफ लूटपाट, मारपीट और धोखाधड़ी के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस के एक प्रवक्त ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

प्रवक्ता ने बताया कि अदालत के आदेश पर सोमवार रात प्राथमिकी दर्ज की गई।

जिसमें प्रदीप कुमार भाटी, डॉ. मयंक गुप्ता, डॉ. मनोज अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, सुनैना अग्रवाल तथा अन्य व्यक्तियों पर आरोप लगाए गए हैं।

मामला 14 अप्रैल 2021 का है ।

जब ये सभी आरोपी सेक्टर-119 स्थित त्रिपाठी अस्पताल में घुस आए।

प्रवक्ता ने डॉ. निधि त्रिपाठी की शिकायत के हवाले से बताया।

कि इन लोगों ने पिस्तौल दिखा कर महिला कर्मचारियों के साथ मारपीट की ।

अपशब्द कहे, तोड़फोड़ की तथा अस्पताल में आगजनी की।

उन्होंने बताया कि आरोपियों ने अस्पताल की गाड़ी की चाबी छीन ली और उसमें रखने साढ़े चार लाख रुपये, अस्पताल के दस्तावेज, चेक बुक लूट ली।

प्रवक्ता के अनुसार आरोप कि लूटे गए।

चेक से निकाली गई धन राशि आरोपियों ने अपने खाते में अंतरित कर ली।

घटना के इतने समय बाद अदालत के आदेश पर लूटपाट, मारपीट और धोखाधड़ी के आरोपों में मामला दर्ज किया गया है।

हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि घटना और मामला दर्ज करने में इतने अंतराल की वजह क्या है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ज्ञान नगरी गोरखपुर की ख्याति में नींव का पत्थर

प्रातः किरण, संवाददाता

गोरखपुर, । गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में आज विकास के पैमाने पर चमक रहे गोरखपुर की पहचान ज्ञान नगरी (नॉलेज सिटी) के रूप में भी है। 1932 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना कर इस ज्ञान नगरी की नींव रखी थी योगी आदित्यनाथ के दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज ने। उसकी संरचना को विस्तारित किया वर्तमान पीठाधीश्वर के पूज्य गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज ने। पूर्वी उत्तर प्रदेश में शिक्षा के प्रसार से राष्ट्रीयता, मूल्यपरकता और स्वावलंबन को मजबूत करने के दादागुरु और अपने गुरुदेव के संकल्पों को विभिन्न प्रकल्पों के विस्तार से पूरा करने का बीड़ा उठा रखा है योगी आदित्यनाथ ने। गोरक्षपीठ की तीन पीढ़ियों के सतत संकल्पित प्रयास का सुफल है कि आज महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की अगुवाई में गोरखपुर ज्ञान नगरी की ख्याति अर्जित कर चुका है। सर्वविदित है कि गोरखपुर जनपद पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी बिहार और नेपाल की तराई तक करीब पांच करोड़ की आबादी के लिए शिक्षा का एक बड़ा केंद्र है। एजुकेशन हब के रूप में विकसित गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद नौ दशक से अधिक समय से प्रकाश स्तंभ की भूमिका में है। गोरक्षपीठ की तीन पीढ़ियों ने इस स्तंभ से प्रकाश पुंज का फैलाव निरंतर विस्तारित किया है। महाराणा प्रताप परिषद का प्राथमिक शिक्षा से लेकर निजी विश्वविद्यालय तक हो चुका विस्तार इसकी शैक्षिक सेवा यात्रा का साक्षी है। उच्च और तकनीकी शिक्षा के लिए तीन क्रियाशील विश्वविद्यालय, आयुष चिकित्सा शिक्षा पद्धति के नियमन के लिए प्रदेश का पहला आयुष विश्वविद्यालय, चिकित्सा शिक्षा के लिए एम्स और मेडिकल कॉलेज, पॉलिटेक्निक, इंजीनियरिंग शिक्षण संस्थान, आईटीआई, नर्सिंग व पैरामेडिकल कॉलेज और प्राथमिक से लेकर महाविद्यालयों की फेहरिस्त इतनी लंबी है कि गिनने वाला थक जाए। किसी भी ज्ञान नगरी की यही तो पहचान होती है। यही पहचान आज गोरखपुर की है। इस पहचान को गढ़ने की शुरूआत नौ दशक पहले ही हो गई थी। गोरखपुर समेत समूचे पूर्वी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक पुनर्जागरण के लिए गोरक्षपीठ के तत्कालीन पीठाधीश्वर महंत दिग्विजयनाथ ने 92 साल पहले महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के रूप में बीजारोपण किया था। वह उनके बाद ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ और तदनुक्रम में वर्तमान पीठाधीश्वर एवं राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की देखरेख में वटवृक्ष बन चुका है। इस साल एमपी शिक्षा परिषद का 92वां स्थापना वर्ष है और गोरक्षपीठ का यह शैक्षिक प्रकल्प स्थापना के प्रथम वर्ष से ही ज्ञान की मशाल को अहर्निश प्रज्ज्वलित किए हुए है। आयुर्वेद कॉलेज से लेकर मेडिकल कॉलेज को समेटे महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय खुद महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का विस्तृत पड़ाव है तो पूर्वी उत्तर प्रदेश के इस अंचल में स्थापित पहले विश्वविद्यालय, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना में भी इस परिषद की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ द्वारा 1932 में बक्शीपुर में किराए के मकान में स्कूल खोलने के साथ महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की यात्रा प्रारंभ हुई। 1935 में जूनियर हाईस्कूल को मान्यता मिली और 1936 से हाईस्कूल तक की भी पढ़ाई शुरू हो गई। इस बीच महंत दिग्विजयनाथ के प्रयास से सिविल लाइंस में जमीन मिल गई और यह हाईस्कूल यहां शिफ्ट हो गया। महाराणा प्रताप के नाम शुरू हुआ शैक्षिक जागरण का प्रकल्प इंटर कॉलेज होते हुए 1949-50 तक डिग्री कॉलेज तक पहुंचा। भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों के अनुरूप शिक्षा के प्रति प्रतिबद्ध इस संस्था के संस्थापक ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ को गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना का भी श्रेय जाता है, जिन्होंने 1958 में अपने द्वारा स्थापित महाराणा प्रताप डिग्री कॉलेज को विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु समर्पित कर दिया। उनके बाद उनके शिष्य तत्कालीन गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवेद्यनाथ ने इस शिक्षा परिषद के जरिए ज्ञान के प्रसार का क्रम आगे बढ़ाया। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का प्रबंधकीय दायित्व संभालने के बाद योगी आदित्यनाथ ने इसके ज्ञानदायी कार्यक्षेत्र को कई आयामों से विस्तार दिया है।

हर बेटी की परेशानी का समाधान सुनिश्चित कर रहा है आयोग : रेणु भाटिया

●हर बेटी की परेशानी का समाधान सुनिश्चित कर रहा है आयोग : रेणु भाटिया

●हरियाणा महिला आयोग की चेयरपर्सन ने फरीदाबाद में की सुनवाई

फरीदाबाद, । हरियाणा महिला आयोग की चेयरपर्सन रेणू भाटिया ने कहा कि महिलाओं के अधिकारों के लिए आयोग पूरी तरह से सजग है और किसी भी रूप से महिला अत्याचार को सहन नहीं किया जा रहा है। हर बेटी की परेशानी को समझते हुए उसका समाधान सुनिश्चित करने में आयोग अपनी सक्रिय भूमिका अदा कर रहा है। भाटिया मंगलवार को फरीदाबाद लघु सचिवालय सभागार में फरीदाबाद जिला के महिलाओं से संबंधित आयोग के समक्ष आए मामलों की सुनवाई कर रही थी। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों की सुनवाई के साथ ही न्यायोचित कार्यवाही आयोग की ओर से की जा रही है। मंगलवार को फरीदाबाद जिला के करीब 14 मामले आयोग की सुनवाई के दौरान रखे गए जिनमें से अधिकांश का समाधान चेयरपर्सन रेणू भाटिया द्वारा किया गया। सुनवाई के उपरांत राहत मिलने पर शिकायतकताओं ने आयोग की कार्यशैली की सराहना की।परिवादों की सुनवाई करने उपरांत चेयरपर्सन रेणू भाटिया ने कहा कि बदलते परिवेश में आपसी रिश्ते छोटी-छोटी बातों से विघटित होते हैं और महिला और अथवा पुरुष दोनों में बर्दाश्त की कमी भी आपसी कलह का प्रमुख कारण बनती है। ऐसे में पूरा सामंजस्य रखते हुए छोटी बातों को दरकिनार करते हुए सकारात्मक सोच को जागृत कर परिवार को विघटित होने से रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि महिला आयोग प्रदेश भर में बेटियों को उनके अधिकारों को दिलाने के लिए कृतसंकल्प है और किसी भी रूप से बेटियों व महिलाओं के साथ अन्याय न हो इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने बताया कि शिकायतकताओं की सुविधा के लिए वे स्वयं जिला स्तर पर पहुंचकर परिवादों का निपटान कर रही हैं जिससे पीड़ितों को समय पर न्याय भी मिल रहा है। सुनवाई के दौरान मीडिया से रूबरू होते हुए जींद के तत्कालीन पुलिस अधीक्षक के मामले में उन्होंने कहा कि इस विषय को लेकर आयोग गंभीर है और एसआईटी की रिपोर्ट आने के साथ ही न्यायोचित कार्रवाई करने में आयोग संजीदगी बरतेगा। परिवादों की सुनवाई के दौरान हरियाणा महिला आयोग की चेयरपर्सन रेणू भाटिया ने उपस्थित अधिकारियों व आमजन के साथ बाल विवाह के खिलाफ एकजुट होकर समाज में आगे बढ की संकल्प लिया।

किसान आंदोलन के कारण नोएडा में वाहनों की रफ्तार थमी

प्रातः किरण, संवाददाता

नोएडा, । किसान आंदोलन के कारण नोएडा में वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई है। दलित प्रेरणा स्थल से लेकर महामाया फ्लाईओवर तक ट्रैफिक स्लो देखा जा रहा है, जिससे लंबी दूरी तक जाम की स्थिति बन रही है। दलित प्रेरणा स्थल के बाहर पुलिस द्वारा बैरिकेडिंग लगाकर वाहनों को निकाला जा रहा है, जिससे हर रोज काम पर जाने वाले राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले सोमवार को दिल्ली कूच को लेकर किसानों ने आंदोलन किया। हालांकि, इस आंदोलन को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। किसानों ने सभी प्राधिकरण और जिला प्रशासन को एक हफ्ते का समय दिया है। इस दौरान किसानों ने कहा है कि वे दलित प्रेरणा स्थल के अंदर ही रुकेंगे। अगर एक हफ्ते के अंदर मांगें नहीं मानी गई तो दिल्ली कूच आंदोलन फिर से करेंगे। इस प्रदर्शन के दौरान किसानों और प्राधिकरण के अधिकारियों के बीच दो दिसंबर को काफी लंबी बातचीत हुई थी। इस बातचीत के दौरान ग्रेटर नोएडा, नोएडा, यमुना प्राधिकरण ने एक हफ्ते का समय मांगा। एक हफ्ते के अंदर किसानों की समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया। इस बातचीत में यमुना अथॉरिटी के ओएसडी शैलेंद्र सिंह, नोएडा अथॉरिटी के एसीईओ महेंद्र प्रसाद और ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी ओएसडी मौजूद थे। उनके अलावा पुलिस प्रशासन की तरफ से भी ज्वाइंट सीपी मौजूद थे। इस बातचीत में निकले नतीजे पर किसानों ने प्राधिकरण अधिकारियों की बात मानकर दलित प्रेरणा स्थल में एक हफ्ते तक इंतजार करने का फैसला लिया। किसानों में सभी प्राधिकरण के अधिकारियों को एक हफ्ते का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि अगर एक हफ्ते में बात नहीं मानी गई तो फिर सभी किसान मोर्चा दिल्ली कूच करेंगे। धरने को स्थगित करने की किसानों की सहमति मिलने के बाद पुलिस प्रशासन ने दलित प्रेरणा स्थल के गेट नंबर 3 के सामने लगाए गए बैरिकेड को हटा दिया और रास्ते को आम लोगों के लिए खोल दिया।

जिले में शांति और सुरक्षा का भार बखूबी ढो रहे होमगार्ड जवान

प्रातः किरण, संवाददाता

बलिया, । प्रदेश सरकार होमगार्ड जवानों के लिए सुविधाओं में लगातार बढ़ोत्तरी कर रही है। सरकार की नजरें इनायत होने के बाद होमगार्ड के जवान भी शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए मुस्तैदी से ड्यूटी निभा रहे हैं। जिले भर में शांति और सुरक्षा से लेकर महत्वपूर्ण कार्यालयों में व्यवस्था यदि दुरुस्त है, तो इसके पीछे जिले के एक हजार से अधिक होमगार्ड के जवानों की मेहनत और पसीना है। एक महिला थाना समेत 23 थानों में तैनात उत्तर प्रदेश पुलिस के कंधे से कंधे मिलाकर होमगार्ड्स जवान भी शांति और सुरक्षा का भार बखूबी ढो रहे हैं। जिलाधिकारी कार्यालय समेत किसी भी कार्यालय जाइए या किसी व्यस्त चौराहा, हर जगह होमगार्ड के जवान मुस्तैदी से ड्यूटी करते मिलेंगे। जनता और प्रशासन का भरोसा जीतने में होमगार्ड के जवान कामयाब रहे हैं। लकदक वर्दी और बातचीत के मॉडर्न लहजे ने होमगार्ड के जवानों को अब स्मार्ट बना दिया है। इनके द्वारा चौराहे पर डंडा पटकने भर से ट्रैफिक व्यवस्था सुचारू हो जाती है। शहर के सबसे व्यस्त चित्तू पाण्डेय चौराहा, शहीद पार्क चौक, और टीडी कालेज चौराहे पर यातायात व्यवस्था को संभालने में होमगार्ड के जवान तन्मयता से लगे ही हुए हैं, सबसे अधिक दबाव वाले स्थल कलेक्ट्रेट में यदि कोई अव्यवस्था नहीं दिखती तो यह इन जवानों की मेहनत ही है। फिलहाल जिले में 1046 होमगार्ड के जवानों की ड्यूटी विभिन्न कार्यालयों और चौराहों पर लगाई गई है। इनमें करीब 33 महिला होमगार्ड भी हैं। डीएम ऑफिस, सभी तहसीलों, कोषागार, जिला अस्पताल, सीएमओ कार्यालय, सेल्टर होम, स्पोर्ट्स स्टेडियम, वन स्टाप सेंटर और पुस्तकालयों के अलावा व्यस्त चौराहों पर इन जवानों की ड्यूटी लगाई गई है। इसमें सबसे अधिक होमगार्ड जिलाधिकारी कार्यालय में तैनात रहते हैं। यहां 66 पुरुष और चार महिला होमगार्ड तैनात रहती हैं। इनकी मुस्तैदी के आगे बड़े से बड़े धरना और प्रदर्शन के बावजूद कोई अप्रिय स्थिति नहीं आती। इसके अलावा शहर की यातायात व्यवस्था संभालने के लिए 55 होमगार्ड दिन रात तैनात रहते हैं। कोतवाली पुलिस को भी 118 होमगार्ड दिए गए हैं। जो पुलिस के साथ कदमताल करते हुए शांति और सुरक्षा व्यवस्था में योगदान दे रहे हैं। होमगार्ड के जिला कमांडेंट मानोज सिंह बघेल ने बताया कि हमारे जवान पूरी तरह से दक्ष हैं। चाहे किसी चौराहे पर ड्यूटीरत हों या किसी कार्यालय में, पब्लिक से फ्रेंडली रहते हुए अपने काम को अंजाम देते हैं। इसके लिए समय-समय पर मैं इनके साथ बातचीत करता रहता हूं। नए जमाने के अनुसार व्यवहार करने की ताकीद करता रहता हूं।

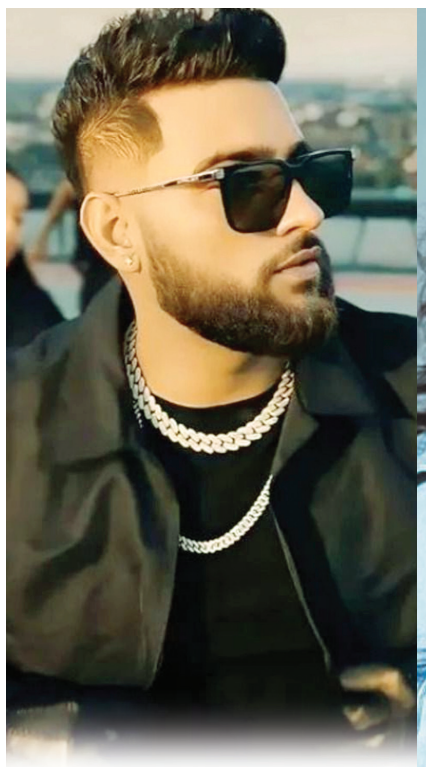

'तौबा-तौबा' सिंगर करण औजला करेंगे कई शहरों में कॉन्सर्ट, अल्लू अर्जुन-विक्की कौशल होंगे शामिल

इस साल रिलीज हुई विक्की कौशल की फिल्म 'बैड न्यूज' का एक गाना 'तौबा-तौबा' म्यूजिक चार्ट पर लंबे समय तक टॉप पर रहा। यह इन दिनों भी शादियों में यह गाना खूब धूम मचा रहा है। इस गाने को मशहूर पंजाबी सिंगर करण औजला ने गाया था। इसके अलावा भी वह कई हिट गाने गा चुके हैं। देश में उनकी फैन फॉलोइंग अच्छी खासी है। जल्द ही यह सिंगर देश के आठ शहरों में अपना म्यूजिक कॉन्सर्ट करने वाला है।

जल्द ही होगा कॉन्सर्ट शुरू

अपने इंस्टाग्राम पेज पर करण ने इंडिया में होने वाले म्यूजिक टूर के बारे में बताया। यह टूर 7 दिसंबर से लेकर 21 दिसंबर तक देश के कई बड़े शहरों में होगा। इस म्यूजिक टूर का नाम 'इट वाज ऑल ए ड्रीम' है। चंडीगढ़, दिल्ली, मुंबई के अलावा कुछ और शहरों में भी करण का म्यूजिक कॉन्सर्ट होगा।

विक्की-अल्लू अर्जुन के अलावा शामिल होंगे कई एक्टर्स

कहा जा रहा है कि करण औजला के इस म्यूजिक टूर में कई नामी एक्टर्स अलग-अलग शहरों में शामिल होंगे। इसमें अल्लू अर्जुन और विक्की कौशल जैसे नाम शामिल हैं। अल्लू अर्जुन, करण के म्यूजिक कॉन्सर्ट में अपना जलवा बिखरते हुए नजर आ सकते हैं। उनके अलावा रश्मिका मंदाना, नोरा फतेही, शहनाज गिल और सिंगर बादशाह भी इस म्यूजिक टूर में शामिल होंगे। इसके अलावा भी कुछ और कलाकार और सिंगर करण के म्यूजिक टूर का हिस्सा बन सकते हैं, जिनके बारे में जल्द ही जानकारी मिलेगी।

जनवरी 2025 में रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी और अजय देवगन के भतीजे अमन देवगन बहुप्रतीक्षित फिल्म आजाद के साथ अपना बॉलीवुड डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। फिल्म के पोस्टर और ट्रेलर पहले ही जारी हो चुके हैं, जिसमें अमन और राशा दमदार अवतार में नजर आए थे। वहीं, अब फिल्म के निर्माताओं ने आजाद की रिलीज की तारीख से भी पर्दा उठा दिया है।

राशा थडानी और अमन देवगन की आजाद की रिलीज डेट से उठा पर्दा

निर्माताओं ने आज आजाद का नया पोस्टर जारी करते हुए फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा की। फिल्म में अजय देवगन भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म के पोस्टर में अजय देवगन नजर आ रहे हैं। साथ ही राशा थडानी और अमन देवगन भी नजर आए। पोस्टर जारी करते हुए निर्माताओं ने बताया कि यह फिल्म 17 जनवरी, 2025 को रिलीज होने वाली है।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

अजय देवगन ने भी फिल्म का नया पोस्टर जारी किया। उन्होंने पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, इस कहानी का दिल एक योद्धा है, और धड़कन। आजाद, 17 जनवरी 2025 को बड़े पर्दे पर रोमांच का गवाह बनें। अब प्रशंसक बेहद उत्साहित हो गए हैं और सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रियाएं साझा कर रहे हैं।

फिल्म में अजय की भूमिका

वहीं, फिल्म की कहानी की बात करें तो स्वतंत्रता-पूर्व भारत में सेट आजाद में अजय देवगन एक कुशल घुड़सवार की भूमिका में हैं, जिसका अपने घोड़े से गहरा संबंध है। कहानी में दिलचस्प मोड़ तब आता है, जब अजय का सामना कठोर अंग्रेजी सेनाओं से होता है और अराजकता के दौरान उनका प्रिय घोड़ा गायब हो जाता है। खोए हुए घोड़े को खोजने की जिम्मेदारी अमन देवगन के किरदार पर आती है।

फिल्म के लिए उत्साहित अजय

इससे पहले आजाद के बारे में बात करते हुए अजय देवगन ने कहा था कि राशा और अमन की फिल्म में मेरी भी महत्वपूर्ण भूमिका है। ट्रेलर रिलीज हो चुका है और लोग इसे पसंद कर रहे हैं। उम्मीद है कि वह बहुत मेहनती लड़का है। फिल्म का निर्माण उद्योग के दिग्गज रोनी स्क्रूवाला और प्रज्ञा कपूर ने किया है। अब यह फिल्म 17 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में धूम मचाएगी।

मणिरत्नम की थलाइवर 173 में नजर आएंगे रजनीकांत

रजनीकांत और मणिरत्नम की इस नई फिल्म का नाम थलाइवर 173 है। वे फिल्म के जरिए फिर से फैंस को सरप्राइज देने जा रहे हैं। खबरों की मानें तो यह फिल्म जुलाई 2025 में रिलीज हो सकती है। मणिरत्नम का प्रोडक्शन हाउस और मद्रास टॉकीज मिलकर इस फिल्म थलाइवर 173 को बनाने जा रहे हैं। रजनीकांत अपने जन्मदिन पर जेलर 2 का प्रोमो जारी करने वाले हैं। जन्मदिन के मौके पर रजनीकांत अपनी 400 करोड़ की फिल्म का प्रोमो भी रिलीज करने वाले हैं। इसके जरिए रजनीकांत अपने प्रशंसकों को दोहरी सौगात देने वाले हैं। फिल्म जेलर में रजनीकांत के एक्शन ने दर्शकों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। उनकी एक्टिंग ने तो फैंस का दिल जीता ही।

मणिरत्नम के साथ काम कर चुके हैं रजनीकांत

इससे पहले भी रजनीकांत और मणिरत्नम साथ में काम कर चुके हैं। साल 1991 में रिलीज हुई फिल्म थलपति के लिए एक दूसरे के साथ काम किया था। रजनीकांत हाल ही में वैट्टैयन में नजर आए। फिल्म में एनकाउंटर और मानवाधिकार उल्लंघन के मसले पर बात की गई। उनकी फिल्म जय भीम को भी काफी सराहा गया। वेट्टैयन के तमिल वर्जन में अमिताभ बच्चन की डबिंग प्रकाश राज ने की।

अमिताभ के साथ रिलीज हुई फिल्म

अमिताभ बच्चन और रजनीकांत 1991 की फिल्म हम के वर्षों बाद वेट्टैयन के साथ बड़े पर्दे पर साथ आए। इस पुनर्मिलन ने प्रशंसकों को उत्साह से भर दिया था। हालांकि, वेट्टैयन के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में इसका कोई फायदा नहीं हुआ। इस जोड़ी और फहद फासिल के अलावा, फिल्म में राणा दग्गुबाती, मंजू वारियर, रितिका सिंह और दुशारा विजयन भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए।

जाह्नवी और खुशी बुरे वक्त में मेरे साथ रहीं

अर्जुन कपूर ने हालिया इंटरव्यू में बहन जाह्नवी कपूर और खुशी कपूर के साथ अपनी बॉन्डिंग पर बात की है। उन्होंने बताया है कि जान्हवी उनके बुरे वक्त में भी साथ खड़ी थीं। अर्जुन ने कहा... वे दोनों वास्तव में मेरे पीछे खड़ी रही हैं। मुझे पता है कि ऐसा लगता है कि जैसे मैं भाई हूं, जो उनकी सभी चीजों का देखभाल कर रहा हूं लेकिन यह हमेशा ऐसा नहीं होता है। ऐसे पल आते हैं जब आप भी सेफ फील नहीं करते हैं। जाह्नवी ने मेरा कमजोर पक्ष देखा है। मेरी जिंदगी में जाह्नवी और खुशी का होना मेरे लिए बेहतर है। मैं उन्हें प्यार करता हूं। मैं उनकी परवाह करता हूं। मुझे बहुत खुशी है कि वो अच्छा कर रही हैं। मुझे यह कहते हुए भी अच्छा लगा रहा है कि दोनों बहुत अच्छी तरह से पले-बढ़े बच्चे हैं। इस मौके पर जाह्नवी का वॉयस नोट सुनाया गया। वॉयस नोट में उन्होंने भाई अर्जुन के बारे में कहा...हमने इन्हें पिछले 2 सालों से इंतजार करते हुए देखा है। अर्जुन के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्हें हाल ही में फिल्म सिंघम अगेन में देखा गया है। फिल्म में उनके विलेन के रोल को लोगों ने बहुत सराहा है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा परफॉर्म किया है।

कॉमेडी और रोमांस से भरपूर होगी द रॉयल्स की कहानी

भूमि पेडनेकर इन दिनों अपनी पहली वेब सीरीज द रॉयल्स की शूटिंग में बिजी हैं। इसके अलावा भूमि वेब सीरीज दलदल में भी नजर आएंगी। हाल ही में एक्ट्रेस ने द रॉयल्स और दलदल पर खुलकर बात की और बताया कि दोनों वेब सीरीज में उनका किरदार कैसा होगा। भूमि हाल ही में भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के उद्घाटन समारोह की सह-मेजाबानी करती दिखीं। इस दौरान द रॉयल्स के बारे में बात करे हुए भूमि ने कहा... यह सीरीज कॉमेडी और रोमांस को जोड़ती है। जीनत अमान और ईशान खट्टर समेत तमाम सितारों ने शानदार काम किया है। मैं काफी उत्साहित हूं। द रॉयल्स का प्रीमियर जल्द नेटफ्लिक्स पर किया जाएगा। इसमें साक्षी तंवर, नोरा फतेही, मिलिंद सोमन, डिनो मोरिया और चंकी पांडे जैसे सितारे भी नजर आएंगे। प्रीतिश नंदी ने इसका निर्माण किया है, जबकि रंगिता और इशिता शो के निर्माता हैं। वहीं भूमि ने दलदल को लेकर कहा... यह सीरीज द रॉयल्स से बिलकुल विपरीत है। मैंने कभी अपने करियर में इस तरह के किरदार को नहीं निभाया है। इस सीरीज में मेरा किरदार बहुत जटिल है। दलदल जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। फिलहाल इसकी रिलीज तारीख सामने नहीं आई है।

मैं क्रेडिट के पीछे भागने वालों में नहीं हूं

'श्रेष्ठ निर्देशक का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीत चुके राहुल ढोलकिया ने अग्निशमन दल कर्मियों पर हिंदी सिनेमा की पहली फिल्म बनाई है, 'अग्नि'। 'परजानिया' से बरास्ते 'लम्हा' और 'रईस' यहां तक पहुंचे राहुल से ये खास बातचीत -

ममूटी की फिल्म 'फायरमैन' को छोड़ दें तो अग्निशमन दल पर कोई दूसरी भारतीय फिल्म तुरंत याद आती नहीं है, आपको ये विचार कैसे आया?

जब मैं विज्ञापन फिल्मों की दुनिया में था तो मैंने सुना था कि आइडिया की घंटी कभी भी बजती है। तो मुझे जहां तक याद पड़ता है, ये विचार उन्हीं दिनों का है जो मेरे अवचेतन मस्तिष्क में कहीं अटका रहा। उसके बाद जब मैंने इस पर फिल्म बनाने का सोचना शुरू किया तो इस पर शोध हुआ और ये फिल्म बनी।

ट्रेलर में दिखता है कि आग का तापमान हजार डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा माने आग साजिशन लगाई गई है? आग की भी श्रेणियां होती हैं?

ये निर्भर करता है कि आग कितनी भयंकर है। आग को बुझाने के लिए कितने ट्रक बुलाए गए, इसका भी रिकॉर्ड होता है। कितने घंटे लगे आग में बुझाने में, इससे भी आग की गंभीरता पता चलती है।

फायर हाइड्रेंट्स का जिक्र है क्या फिल्म में?

हां, ये हमारी योजना में तो शामिल था, लेकिन अब ये कहीं हैं ही नहीं। फायर हाइड्रेंट्स हमारी कहानी के शुरू में थे लेकिन शोध के दौरान हमें इनसे हटना पड़ा। वो तो छोड़िए, अब भी जो आग बुझाने के इंतजाम हम करके रखते थे, उनका ही परीक्षण कहां होता है। अग्निशामक यंत्रों की गुणवत्ता के परीक्षण पर ध्यान कम ही दिया जाता है। उनकी टेस्टिंग वगैरह भी समय समय पर नहीं होती।

रईस फिल्म की लाइन तो कालजयी हो चुकी है कि 'बनिये का दिमाग और मियां भाई की डेयरिंग'। शाहरुख ने लिखी ये लाइन?

नहीं, मैं और तीन दूसरे लेखक थे इस फिल्म में, हरित मेहता, आशीष वशी और नीरज शुक्ला। मियां भाई की डेयरिंग वाला हिस्सा मेरा था, बनिये का दिमाग किसने डाला, ये अब याद नहीं। अब क्या है कि फिल्म बनाते समय हमारा फोकस सिनेमा पर होता है, क्रेडिट लेने की तरफ हम जाते नहीं है तो बाद में याद ही नहीं रहता कि किसने क्या किया फिल्म बनाते समय।

लेकिन, ये लाइनें ही तो सिनेमा को यादगार बनाती हैं..

हां, लोगों को सिनेमा याद रखना चाहिए। क्रेडिट के पीछे भागने वालों में मैं नहीं हूं।

गोधरा में ट्रेन में लगी आग के बाद की स्थिति पर आपने फिल्म 'परजानिया' बनाई और इसी घटना पर इसी साल दो और फिल्में बनी हैं, आपने देखी ये फिल्में? गोधरा हादसे पर फिल्म बनाने का आपका 'ट्रिगर' प्वाइंट क्या था?

नहीं, मैंने नहीं देखी ये फिल्में। मेरा फिल्म बनाने का मकसद ये था कि मेरे तो परिवार का, मेरा जो दोस्त था, उसका बेटा गुम हो गया था। 'परजानिया' एक तरह से उसी की कहानी थी। मकर संक्रांति पर हम सब साथ पतंग उड़ा रहे थे और अगले ही महीने ये हादसा हो गया। मेरे भीतर कहीं न कहीं ये अपराध बोध था। मैं गुजराती हूं तो मुझे लगा कि ये बात मुझे ही कहनी चाहिए। इसीलिए तो हम फिल्म स्कूल जाते हैं। हम नहीं कहेंगे तो फिर कौन कहेगा?

संक्षिप्त समाचार

जूपी लूडो सुप्रीम मल्टी-टेबल टूर्नामेन्ट के साथ बना स्टैनफेस्ट 2024 का टाइटल स्पॉन्सर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के प्रमुख कौशल-आधारित कैजुअल गेमिंग प्लेटफॉर्म जूपी ने स्टैनफेस्ट 2024 के लिए टाइटल स्पॉन्सर के रूप में साझेदारी की, जो 500 मिलियन से अधिक डिजिटल पहुंच के साथ 250 से अधिक टॉप कंटेंट क्रिएटर्स एवं 30,000 उत्साही प्रशंसकों को एक मंच पर लेकर आया। यह आयोजन रचनात्मकता, प्रशंसकों और गेमिंग का जश्न था, जूपी का रोमांचक लूडो सुप्रीम मल्टी-टेबल टूर्नामेन्ट इसका मुख्य आकर्षण रहा। तीन राउण्ड की प्रतियोगिता में 16 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें जाने-माने क्रिएटर्स जैसे आशीष चंचलानी, फुकरा इंसान, टीम आर2एच और मॉर्टल शामिल थे। साथ ही चुनिंदा दर्शकों को भी प्रतिस्पर्धा का मौका मिला। इस साझेदारी पर बात करते हुए जूपी के प्रवक्ता ने कहा, ''स्टैनफेस्ट 2024 में हमारे लूडो सुप्रीम मल्टी-टेबल टूर्नामेन्ट में इतनी ज़बरदस्त भागीदारी से हम बेहद उत्सुक हैं, जो भारत की वाइब्रेन्ट क्रिएटर कम्युनिटी एवं गेमिंग प्रशंसकों को एक मंच पर लेकर आया। जूपी में हम दर्शकों को कौशल आधारित गेमिंग का इमर्सिव अनुभव प्रदान करना चाहते हैं, जो प्रतिभा और कनेक्शन्स को बढ़ावा दे।

एक्सिस बैंक ने 100,000 से अधिक 'दिल से ओपन' बैंकरों की शक्ति को प्रदर्शित करते हुए शुरू किया

मुंबई एजेंसी। देश में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंकों में से एक एक्सिस बैंक ने अपने प्रशंसित 'दिल से ओपन' अभियान का अगला अध्याय शुरू किया है। यह नवीनतम संस्करण, 'हर राह दिल से ओपन' बैंक के 100,000 से अधिक बैंकरों के समर्पण को मान्यता प्रदान करता है, जो ग्राहकों को बेहतर अनुभव प्रदान करने के लिए अथक परिश्रम करते हैं। ट्रांज़ैक्शन बैंकिंग के युग में बैंकिंग के लिए ग्राहकों को सर्वोपरि रखने वाले विजन पर जोर देते हुए यह कैम्पेन एक्सिस बैंक के गर्मजोशी, सहानुभूति, दयालुता और खुलेपन जैसे आदर्श मूल्यों को और मजबूती से दर्शाता है। इन मूल्यों के आधार पर ही 2019 में बैंक का शुरुआती कैम्पेन 'दिल से ओपन' पेश किया गया था।

नायसस फाइनेंस सर्विसेज को. लिमिटेड का आईपीओ 4 दिसंबर को खुलेगा

मुंबई, एजेंसी। निसस फाइनेंस सर्विसेज़ को. लिमिटेड जो ट्रांजेक्शन एडवाइजरी सर्विसेज़ और फंड एवं एसेट मैनेजमेंट के क्षेत्र में सक्रिय है, ने अपनी इनिशियल पब्लिक ओपनिंग 04 दिसंबर, 2024 को खोलने का प्रस्ताव किया है। कंपनी का उद्देश्य 114.24 करोड़ जुटाना है और इसके शेयर बीएसइ एसएमइ प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होंगे। इश्यू साइज 63,46,400 इक्विटी शेयर्स है, जिसकी मूल्य सीमा 170 - 180 प्रति शेयर है और फेस वैल्यू 10 प्रति शेयर है। इश्यू से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग फंड सेटअप को बढ़ाने, अतिरिक्त लाइसेंस प्राप्त करने और आईएफएससी-गिफ्ट सिटी, डीआईएफसी-दुबई और एफएससी-मॉरीशस जैसे प्रमुख वित्तीय केंद्रों में सुविधा और फंड प्रबंधन बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए किया जाएगा। इसकी योजना घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए धन उगाहने की लागत और प्लेसमेंट शुल्क को कवर करने, अपने पूंजी आधार को बढ़ावा देने के लिए अपनी सहयोगी कंपनी निसस फिनकॉर्प प्राइवेट लिमिटेड में निवेश करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों को संबोधित करने की भी है।

जीएसटी मुआवजा उपकर पर परिषद से समय सीमा बढ़ाने की मांग करेगा पैनल

नईदिल्ली, एजेंसी। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के नेतृत्व में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) क्षतिपूर्ति उपकर पर मंत्रियों के समूह (जीओएम) ने रिपोर्ट सौंपने के लिए जीएसटी परिषद से छह महीने की मोहलत मांगने का फैसला किया। इस समूह में असम, छत्तीसगढ़, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, पंजाब, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के मंत्री शामिल हैं। इस समूह को 31 दिसंबर तक अपनी रिपोर्ट जीएसटी परिषद को सौंपने का आदेश दिया गया था। एक अधिकारी के अनुसार, जीओएम ने यह फैसला किया है कि मुआवजा उपकर से जुड़े कई कानूनी मुद्दे हैं, जिन पर विस्तार से चर्चा करनी होगी, जिसमें समय लगेगा। इसलिए, उन्होंने परिषद को रिपोर्ट जमा करने के लिए समय बढ़ाने की मांग करने का फैसला लिया। अधिकारी के अनुसार, जीएसटी परिषद से 5-6 महीने का एक्सटेंशन मांगा जा सकता है। अधिकारी ने आगे कहा, हमारे पास उपकर पर अंतिम फैसला करने के लिए मार्च 2026 तक का समय है, इसलिए इस पर चर्चा करने के लिए अभी और समय है, और हमें इस मुद्दे पर कानूनी राय भी लेनी पड़ सकती है। 2022 में जीएसटी परिषद ने उपकर को मार्च 2026 तक बढ़ाने का फैसला किया जीएसटी व्यवस्था में, विलासिता, पाप और अवगुण वस्तुओं पर 28 फीसदी के अतिरिक्त मुआवजा उपकर लगाया जाता है। इस उपकर से मिलने वाली राशि का उपयोग राज्यों को जीएसटी लागू होने के बाद होने वाले राजस्व नुकसान की भरपाई के लिए किया गया था। यह उपकर पहले 5 साल तक लागू किया गया था, लेकिन 2022 में जीएसटी परिषद ने इसे मार्च 2026 तक बढ़ाने का निर्णय लिया था, ताकि कोविड के दौरान हुए राजस्व घाटे की भरपाई की जा सके।

31 दिसंबर तक जमा करनी थी रिपोर्ट

परिषद ने 54वीं बैठक में जीओएम गठित करने का फैसला किया

उपकर समाप्त होने में केवल डेढ़ साल शेष रहने पर, जीएसटी परिषद ने 9 सितंबर को अपनी 54वीं बैठक में उपकर के भविष्य के पाठ्यक्रम को तय करने के लिए एक जीओएम गठित करने का निर्णय लिया।

जीओएम ने पहली बैठक में 7वीं परिषद बैठक की चर्चाओं को याद किया

16 अक्तूबर को जीओएम की पिछली बैठक में, राज्यों ने 22-23 दिसंबर, 2016 को आयोजित 7वीं जीएसटी परिषद की बैठक में हुई चर्चाओं को याद किया, जिसमें तत्कालीन केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने कहा था कि मुआवजा उपकर को पांच साल बाद जीएसटी में समाहित किया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार, राज्यों ने यह सुझाव दिया कि एक बार जब उपकर को करों में मिलाने का फैसला हो जाता है, तो विलासिता, पाप और अवगुण वस्तुओं की सूची में कोई नया सामान नहीं जोड़ा जाना चाहिए। सूत्रों के अनुसार, राज्यों का विचार था कि मुआवजा उपकर मार्च 2026 में समाप्त हो रहा है, इसलिए इसे पुनर्गठित करने का एकमात्र तरीका करों के साथ लेवी का विलय करना और जिन वस्तुओं पर उपकर लगाया जाता है, उनके लिए अलग कर दरें लाना है।

एचडीएफसी बैंक ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, रच दिया इतिहास, नई ऊंचाई पर पहुंचा शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। 3 दिसंबर को एचडीएफसी बैंक के शेयरों में एक बड़ी ब्लॉक डील देखने को मिली, जिसने शेयर की कीमत को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, इस डील में 21.7 लाख शेयरों का लेनदेन हुआ। अगर सोमवार 2 दिसंबर के बंद भाव 1,805 प्रति शेयर के आधार पर गणना की जाए, तो डील का कुल मूल्य 392 करोड़ के करीब होता है। ब्लॉक डील के बाद बैंक के शेयर में 1.5 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई और यह 1,837.40 तक पहुंच गया, जो इसका नया ऑल-टाइम हाई है। इसके साथ ही, एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप एक बार फिर 14 लाख करोड़ के पार चला गया। पहली बार 28 नवंबर को बैंक का मार्केट कैप 14 लाख करोड़ के ऊपर गया था, लेकिन बाद में शेयर गिरावट के कारण यह स्तर खो दिया था। 25 नवंबर को एमएससीआइ इंडेक्स में रीबैलेंसिंग के दौरान एचडीएफसी बैंक के वेटेज में बढ़ोतरी हुई।

सेबी की शरण में गौतम अडानी! हेराफेरी का मामला निपटाने के लिए किया आवेदन

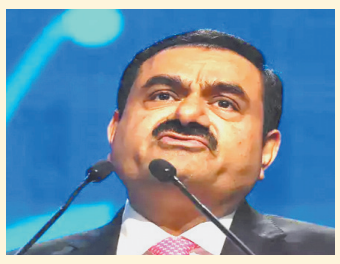

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप की कई कंपनियों ने पब्लिक शेयरहोल्डिंग से जुड़े नियमों का उल्लंघन करने के एक मामले को निपटाने के लिए मार्केट रेगुलेटर सेबी से संपर्क साधा है। ग्रुप की चार लिस्टेड कंपनियों पर हेराफेरी के जरिए पब्लिक शेयरहोल्डिंग नियमों का उल्लंघन करने का आरोप है। मॉरीशस के एफपीआई इमर्जिंग इंडिया फोकस फंड्स ने पिछले सप्ताह 28 लाख की सेटलमेंट अमाउंट का प्रस्ताव रखा था। सेबी का आरोप है कि यह फंड गौतम अडानी के बड़े सौतेले भाई विनोद अडानी से जुड़ा है। ईटी ने इससे जुड़े दस्तावेजों को देखा है। साथ ही ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज के डायरेक्टर विनय प्रकाश और अंबुजा सीमेंट्स के डायरेक्टर अमीत देसाई ने निपटान राशि के रूप में 3-3 लाख की पेशकश की है। अडानी एंटरप्राइजेज ने भी मामले को निपटाने की मांग की है। ये सेटलमेंट प्रपोजल सेबी के 27 सितंबर के कारण बताओ नोटिस के जवाब में दिए गए थे। सेटलमेंट एप्लिकेशन का मतलब दोष स्वीकार करना या अस्वीकार करना नहीं है। ईटी को चार कंपनियों के आवेदनों के बारे में पता है लेकिन संभव है कि इसमें शामिल अडानी ग्रुप की सभी कंपनियों ने निपटान के लिए आवेदन किया हो क्योंकि कानूनी रणनीति ग्रुप लेवल पर बनती है। इस घटनाक्रम से जुड़े एक व्यक्ति ने बताया कि सेबी ने अभी तक निपटान आवेदनों पर कोई निर्णय नहीं लिया है।

कारण बताओ नोटिस-इन चार संस्थाओं के अलावा सेबी ने गौतम अडानी, उनके भाइयों विनोद, राजेश और वसंत, भतीजे प्रणव (विनोद के बेटे) और बहनोई प्रणव वोरा सहित 26 अन्य संस्थाओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। इस घटनाक्रम से जुड़े एक अन्य सूत्र ने कहा कि ग्रुप की कंपनियों ने आरोपों का खंडन किया है और सेटलमेंट एप्लिकेशन केवल प्रॉसिजरल है। सूत्र ने कहा, निपटान आवेदन दाखिल करना किसी भी कॉर्पोरेट के लिए सामान्य प्रक्रिया है, जिसे कारण बताओ नोटिस दिया गया है। यदि आप 60 दिनों के भीतर आवेदन दाखिल नहीं करते हैं, तो आप निपटान के अपने अधिकार को खो देते हैं। सूत्र ने कहा कि ग्रुप की एंटिटीज ने भी अलग से कारण बताओ नोटिस का जवाब दाखिल किया है, जिसमें आरोपों का खंडन किया गया है और उन दस्तावेजों के निरीक्षण का अनुरोध किया गया है, जिनके आधार पर आरोप लगाए गए हैं। निपटान आवेदन केवल अत्यधिक सावधानी के माध्यम से एक एहतियाती उपाय है। इसका मतलब आरोपों को स्वीकार या अस्वीकार करना नहीं है। नोटिस में इन एंटिटीज से कहा गया है कि कथित उल्लंघनों के लिए उन पर कार्रवाई क्यों नहीं की जानी चाहिए। जांच के दायरे में आने वाली चार लिस्टेड कंपनियां अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी पावर, अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन और अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस हैं।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया सर्वकालिक निचले स्तर पर, 4 पैसे टूटकर 84.76 के स्तर पर पहुंचा

नईदिल्ली, एजेंसी। विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की निरंतर निकासी से निवेशकों की धारणा हुई मंगलवार को शुरुआती कारोबार में रुपया 4 पैसे गिरकर 84.76 रुपये प्रति डॉलर के सर्वकालिक निम्न स्तर पर आ गया। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि रुपए में गिरावट मुख्य रूप से डोनाल्ड ट्रम्प की ब्रिक्स मुद्रा पर बयानबाजी, यूरोजोन में राजनीतिक अस्थिरता, कमजोर घरेलू आर्थिक संकेतक और विदेशी पोर्टफोलियो में निरंतर निकासी के कारण हुई। नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार को धमकी दी कि यदि ब्रिक समूह के देश अमेरिकी डॉलर को कमजोर करने का प्रयास करेंगे तो उन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा।

इसके अलावा, बाजार सहभागी 6 दिसंबर को आने वाली आरबीआई की मौद्रिक नीति से भी संकेतों का इंतजार कर रहे हैं, जिसमें संभवतः मुद्रास्फीति और विकास के बीच संतुलन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.75 पर खुला और एक सीमित दायरे में घूमते हुए 84.76 के सर्वकालिक निम्नतम स्तर को छू गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 4 पैसे की गिरावट दर्शाता है।

सोमवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 12 पैसे गिरकर 84.72 के सर्वकालिक निम्नतम स्तर पर बंद हुआ। डॉलर सूचकांक, जो छह मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की ताकत को मापता है, 0.07 प्रतिशत बढ़कर 106.51 पर कारोबार कर रहा था।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 0.18 प्रतिशत बढ़कर 71.96 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इस बीच, वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को संसद में कहा कि मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव और अन्य प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद रुपया सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली एशियाई मुद्राओं में से एक बना हुआ है, जो भारत की मजबूत आर्थिक बुनियाद का संकेत है। उन्होंने कहा कि रुपये के अवमूल्यन का एक मुख्य कारण अमेरिकी डॉलर की व्यापक मजबूती है। उन्होंने कहा, वर्ष 2024 के दौरान, 19 नवंबर 2024 तक डॉलर सूचकांक में लगभग 4.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हाल ही में, डॉलर सूचकांक 22 नवंबर 2024 को 108.07 के स्तर को छू गया, जो एक वर्ष से अधिक समय में इसका उच्चतम स्तर है, जिससे उभरते बाजार की मुद्राओं पर दबाव बढ़ रहा है। इसके अलावा, मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिकी चुनाव परिणामों को लेकर अनिश्चितता ने भी मुश्किलें बढ़ा दीं। मुद्रा के अवमूल्यन से निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ने की संभावना है, जिसका अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। दूसरी ओर, अवमूल्यन से आयातित वस्तुओं की कीमतें बढ़ सकती हैं। उन्होंने आगे कहा कि आरबीआई विश्व भर में होने वाले प्रमुख घटनाक्रमों पर नजर रखता है, जिनका अमेरिकी डॉलर-रुपया विनिमय दर पर प्रभाव पड़ सकता है। घरेलू शेयर बाजार के मोर्चे पर, 30 शेयरों वाला बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स 192.33 अंक या 0.24 प्रतिशत बढ़कर 80,440.41 अंक पर कारोबार कर रहा था।

मॉर्गन स्टेनली ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान घटाया

नईदिल्ली, एजेंसी। बहुराष्ट्रीय निवेश बैंक और वित्तीय सेवा कंपनी मॉर्गन स्टेनली ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के जीडीपी विकास अनुमान को 6.7 प्रतिशत के अपने पहले के अनुमान से संशोधित कर 6.3 प्रतिशत कर दिया है। सितंबर 2024 को समाप्त तिमाही में विकास में मंदी के बाद जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को डाउनग्रेड किया गया है। 2024 की जुलाई-सितंबर तिमाही में भारत की जीडीपी वृद्धि साल-दर-साल धीमी होकर 5.4 प्रतिशत हो गई, जो मार्च 2023 के बाद से इसका सबसे निचला स्तर है। यह पिछली तिमाही में दर्ज 6.7 प्रतिशत की वृद्धि से काफी कम थी और मॉर्गन स्टेनली के 6.3 प्रतिशत के पूर्वानुमान और 6.5 प्रतिशत के आम सहमति के अनुमान से भी कम थी। निजी खपत और पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) दोनों में मंदी स्पष्ट थी। दूसरी ओर, सेवा क्षेत्र ने लचीलापन दिखाया, जो 7.1 प्रतिशत की दर से बढ़ा, जबकि उद्योग क्षेत्र 3.9 प्रतिशत पर पिछड़ गया, जिसमें विनिर्माण और बिजली क्षेत्र उल्लेखनीय रूप से पिछड़ गए। इस मंदी के बावजूद, मॉर्गन स्टेनली का मानना है कि विकास के निचले स्तर पर पहुंचने की संभावना है और वित्त वर्ष 25 की दूसरी छमाही में फिर से उछाल का अनुमान है। रिपोर्ट में अक्टूबर और नवंबर में विकास में सुधार के संकेतों पर प्रकाश डाला गया है, जो एक मजबूत त्यौहारी और शादियों के मौसम से प्रेरित है, और वित्त वर्ष 25 की दूसरी छमाही में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि औसतन 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक ने अपनी पहुंच का विस्तार किया

घंसौर, सिवनी। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड को मध्य प्रदेश के सिवनी के घंसौर में एक नए बैंकिंग आउटलेट के उद्घाटन की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। इस लॉन्च के साथ, बैंक मध्य प्रदेश में 46 बैंकिंग आउटलेट और देश भर में 996 बैंकिंग आउटलेट तक पहुँच गया है। सिवनी के घंसौर में ग्राहकों को बैंक के विविध उत्पादों और सेवाओं तक पहुँच प्राप्त होगी, जिसमें बचत खाते, चालू खाते, सावधि जमा और आवर्ती जमा शामिल हैं, साथ ही आवास ऋण, व्यवसाय ऋण, संपत्ति के विरुद्ध ऋण, ऋण, बीमा और निवेश उत्पाद जैसे विभिन्न

ऋण उत्पाद भी शामिल हैं। बैंक का लक्ष्य अपने व्यापक बैंकिंग बुनियादी ढांचे, डिजिटल बैंकिंग क्षमताओं और एटीएम नेटवर्क के साथ एकीकृत ग्राहक सेवा प्रदान करना है।

एलएंडटी फाइनेंस लिमिटेड ने एक विश्वसनीय और सर्वोच्च

एनबीएफसी के रूप में पूरे किए 30 साल

मुंबई, एजेंसी। लीडिंग नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियों (एनबीएफसी) में शामिल, एलएंडटी फाइनेंस लिमिटेड (एलटीएफ) के एक भरोसेमंद एनबीएफसी के रूप में 30 साल पूरे हो गए हैं। कंपनी की शुरुआत 1994 में हुई थी, और तभी से कंपनी ने खुद को एक डाइवर्सिफाइड रिटेल एनबीएफसी के रूप में स्थापित किया है। एलटीएफ को 2011 में बीएसई और एनएसई पर सार्वजनिक रूप से लिस्ट किया गया था।

एलएंडटी फाइनेंस तीन प्रोडक्ट सेग्मेंट, रूरल बिजनेस फाइनेंस, फार्म इक्विपमेंट फाइनेंस और टू-व्हीलर फाइनेंस में अग्रणी कंपनी है। इस सफलता का श्रेय कंपनी की मजबूत अखिल भारतीय रिटेल फ्रेंचाइजी को दिया जाता है, जिसका डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क 1,900 से अधिक रूरल मीटिंग सेंटर और 167 से अधिक शहरी शाखाओं के माध्यम से लगभग 2 लाख गांवों तक पहुंचता है। पिछले एक दशक में विकसित किए गए 13,200 से अधिक डिस्ट्रीब्यूशन प्वॉइंट के चलते कंपनी के डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क को मजबूती मिली है। एलटीएफ 2.5 करोड़ से अधिक व्यक्तियों के एक बड़े ग्राहक आधार को सेवाए प्रदान करता है

इनवेस्को म्यूचुअल फंड ने इनवेस्को इंडिया मल्टी एसेट एलोकेशन फंड किया लॉन्च

मुंबई एजेंसी। इनवेस्को म्यूचुअल फंड ने आज अपने नए फंड इनवेस्को इंडिया मल्टी एसेट एलोकेशन फंड (इक्विटी, डेट, गोल्ड ईटीएफ/सिल्वर ईटीएफ में निवेश करने वाली एक ओपन-एंडेड स्कीम) लॉन्च की घोषणा की। इनवेस्को इंडिया मल्टी एसेट एलोकेशन फंड कई एसेट क्लास के एक्टिव प्रबंधित पोर्टफोलियो से दीर्घकालिक पूंजी वृद्धि/आय उत्पन्न करना चाहता है। यह फंड अपनी शुद्ध संपत्ति का लगभग 10 प्रतिशत-80 प्रतिशत इक्विटी और इक्विटी से संबंधित उपकरणों में, 10 प्रतिशत-80 प्रतिशत डेट और मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स में और 10 प्रतिशत-50 प्रतिशत गोल्ड ईटीएफ/सिल्वर ईटीएफ में निवेश करेगा। इक्विटी आवंटन के भीतर, फंड उपलब्ध अवसरों के आधार पर योजना की शुद्ध संपत्ति का 35 प्रतिशत तक विदेशी प्रतिभूतियों में निवेश कर सकता है।

2024 अबू धाबी टी10 टूर्नामेंट: डेक्कन ग्लेडिएटर्स ने तीसरी बार अबू धाबी टी10 का खिताब जीता

अबू धाबी, एजेंसी। डेक्कन ग्लेडिएटर्स और मॉरिसविले सैम्प आर्मी के बीच 2024 अबू धाबी टी10 टूर्नामेंट का फाइनल जो जायद क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया, दर्शकों के लिए पूरी तरह से मनोरंजक रहा। 105 रनों का पीछा करते हुए, ग्लेडिएटर्स ने कुछ धमाकेदार प्रदर्शन किया और तीन ओवर शेष रहते 8 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

सलामी बल्लेबाज और इंग्लैंड के बल्लेबाज टॉम कोहलर-कैडमोर ने पहले ही ओवर में कप्तान रोहन मुस्तफा को पहले ओवर में लगातार चार चौके जड़कर टीम का स्कोर आगे बढ़ाया, जबकि उनके सलामी जोड़ीदार और कप्तान निकोलस पूरन भी जल्द ही होड़ में शामिल हो गए। वेस्टइंडीज के पूरन ने पाकिस्तान के स्पिनर इमाद वसीम पर दबदबा बनाया और ग्लेडिएटर्स ने तीसरे ओवर में 20 रन बटोरे और 50 रन का आंकड़ा पार किया। बाएं हाथ के बल्लेबाज को आखिरकार तेज गेंदबाज इसुरु उदाना ने 10 गेंदों पर 28 रन पर आउट कर दिया, जब मुस्तफा ने डीप में शानदार शॉट लगाया, लेकिन इससे सैम्प आर्मी को कोई मदद नहीं मिली क्योंकि कैडमोर ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी और अर्धशतक जड़ा।

इससे पहले, मॉरिसविले सैम्प आर्मी को कभी भी वह शुरूआत नहीं मिली जो वे चाहते थे और

लगातार विकेट खोते हुए 81/5 पर सिमट गई। यह अफगानिस्तान के करीम जनत की आखिरी पारी की बदौलत था, जिन्होंने पारी के अंतिम ओवरों में 8 गेंदों पर 16 रन बनाए, जिससे कुल स्कोर 10 ओवरों में 104/7 हो गया। फाफ डु प्लेसिस ने 23 गेंदों पर 34 रन बनाए, जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज एंड्रीज गौस ने 9 गेंदों पर 21 रन बनाए। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज रिचर्ड ग्लीसन ने डेक्कन ग्लेडिएटर्स के लिए दो ओवरों में 2/16 के आंकड़े हासिल किए।

कैबिनेट सदस्य और सहिष्णुता एवं सह-अस्तित्व मंत्री, शेख नाहयान मुबारक अल नाहयान का मध्य पारी के दौरान दिया गया भाषण दिन का मुख्य आकर्षण रहा। जायद क्रिकेट स्टेडियम में दर्शकों को खिताबी मुकाबले के दौरान एलनाज नोरौजी का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। डेक्कन ग्लेडिएटर्स ने तीसरी बार अबू धाबी टी10 लीग के चैंपियन का खिताब जीता है। उनके स्टार बल्लेबाज जोस बटलर को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया, क्योंकि उन्होंने टूर्नामेंट में 224.07 की स्ट्राइक रेट से कुल 242 रन बनाए। रिचर्ड ग्लीसन को बॉलर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया, जबकि टॉम कोहलर-कैडमोर ने क्रमशः बैटर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब जीता। शाहिद भुट्टा, जिन्होंने 10.93 की इकॉनमी से 10 विकेट लिए, को यूएई प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया।

दुल्हन बनेंगी पीवी सिंधू

बैडमिंटन के लिए बहन की शादी तक में नहीं पहुँच पाई थी

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की शान बैडमिंटन स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधू इसी महीने 22 तारीख को शादी करने जा रही है। ओलम्पिक खेलों में महिला एकल बैडमिंटन का रजत पदक जीतने वाली वे पहली खिलाड़ी हैं। वह अपनी गेम के प्रति इतनी समर्पित थी कि 17 साल की उम्र में एक बैडमिंटन टूर्नामेंट के कारण उन्होंने अपनी बहन की शादी तक मिस कर दी थी। सिंधु तब सैयद मोदी इंटरनेशनल इंडिया ग्रां प्री गोल्ड में खेल रही थी। उन्होंने उसी दिन टियर थ्री इवेंट के अपने पहले फाइनल में जगह बनाई थी। सिंधु ने मैच जीतने के बाद कहा था कि हां, मैं उसकी (बहन पी. दिव्या) शादी में शामिल नहीं हो पाऊंगी। अब मैं फाइनल में पहुंच गई हूं, इसलिए मैं खुद को रोक नहीं पा रही हूं। की शनिवार को हैदराबाद में शादी हो रही है। मैं टूर्नामेंट जीतने की कोशिश करूंगी और उसे तोहफे के तौर पर दूंगी।

वालीबॉल खेल चुके हैं सिंधू के माता पिता - सिंधू का जन्म 5 जुलाई 1995 में पेशेवर वॉलीबॉल के खिलाड़ी पी.वी रमण और पी. विजया के घर हुआ। उनके माता-पिता भले ही वॉलीबॉल खिलाड़ी थे, लेकिन सिंधू ने बैडमिंटन के खेल में रूचि देना पसंद किया। जब वह 8 साल की थी तो उन्होंने 2001 के ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियन बने पुलेला गोपीचंद से प्रभावित होकर बैडमिंटन को अपना करियर चुना।

2010 में शुरू किया अपना अंतरराष्ट्रीय स्तर बैडमिंटन करियर - 2010 में सिंधू ने जूनियर विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में अपने करियर की शुरूआत की। उसने कवार्टर फाइनल में पहुंच कर अपनी पहचान और भी मजबूत कर ली। इसके साथ ही सिंधू ने सीनियर टीम में अपनी जगह बना ली। ये अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सिंधू का पहला कदम था। 2013 में सिंधू ने मलेशिया ओपन का खिताब जीता और वो सुर्खियों में आ गई। उसी साल विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं। साल के अंत में मकाउ ओपन का खिताब जीता।

2016 ओलंपिक में किया भारत का नाम रोशन - रियो

ओलंपिक में सिंधू फाइनल तक पहुंचने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बनीं। सारी उम्मीदें सिंधू से थीं। सिंधू ने फैंस को निराश होने का कोई मौका नहीं दिया। फाइनल में स्पेन की दिग्गज कैरोलीना मारिन से कड़े मुकाबले के बाद हार तो मिली लेकिन वो रजत पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गई। वो ओलंपिक रजत पदक जीतने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय खिलाड़ी भी बनी थी। पूरे देश में उनका सम्मान हुआ और उम्मीदें अब भी जारी हैं।

कामयाबी के पीछे है कोच का बड़ा हाथ - 2001 में ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाले पुलेला गोपीचंद की सफलता को देखकर सिंधू इतना प्रेरित हुई कि आठ साल की उम्र में ही उन्होंने बैंडमिंटन में अपनी रूचि दिखाई। गोपीचंद की वजह से सिंधु ने वॉलीबॉल की बैचमिंटन को चुना। गोपीचंद की बैडमिंटन अकादमी में दाखिल होने के बाद से सिंधू ने अपनी प्रतिभा के दम पर जलवा बिखेरना शुरू कर दिया था।

ओलंपिक चैंपियन विक्टर एक्सेलसेन पैर की चोट के कारण बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल से बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। डेनिश बैडमिंटन स्टार विक्टर एक्सेलसेन 13 से 17 दिसंबर, 2024 तक हांगझू, चीन में खेले जाने वाले बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल में हिस्सा नहीं लेंगे। एक्सेलसेन ने सोशल मीडिया पर उक्त घोषणा की। एक्सेलसेन ने एक्स पर लिखा, दुर्भाग्य से मैं इस दिसंबर में एचएसबीसी वर्ल्ड टूर फ़ाइनल में भाग लेने में असमर्थ हूँ। मैं अपने बाएं पैर में चोट से जूझ रहा हूं, जिससे मुझे कई समस्याएं हो रही हैं और दीर्घकालिक समस्याओं से बचने के लिए मुझे तुरंत इससे निपटने की सलाह दी गई है।

दो बार के विश्व चैंपियन एक्सेलसेन ने इस साल जुलाई में ओलंपिक खेलों में अपने पुरुष एकल स्वर्ण पदक का बचाव किया, उन्होंने थाईलैंड के कुनलावुत विटिडसर्न को दो गेम में आसानी से हराया। उन्होंने सितंबर में हांगकांग ओपन में अपना शानदार फॉर्म जारी रखा और चीन के लेई लांक्सी को हराकर 27 वर्षों में पुरुष एकल खिताब जीतने वाले पहले डेनिश खिलाड़ी बन गए। उन्होंने कहा, मैं हांग्जो में नहीं खेल पाने से बहुत निराश हूं। पांच बार टूर्नामेंट जीतने के बाद और दौरे पर यह मेरे पसंदीदा टूर्नामेंटों में से एक होने के कारण इसे छोड़ना कठिन हो गया है। हालाँकि मेरी पहली प्राथमिकता प्रतिस्पर्धा से पहले 100 प्रतिशत स्वस्थ होना है।

महिलाओं के पहले दृष्टिबाधित टी20 विश्व कप की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुल्तान में विश्व दृष्टिबाधित क्रिकेट परिषद (डब्ल्यूबीसीसी) की आम सालाना बैठक में अगले साल भारत में होने वाले शुरूआती

दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप को 'हाइब्रिड मॉडल' के आधार पर कराने का फैसला लिया गया जिसमें पाकिस्तान अपने मैच नेपाल या श्रीलंका में खेलेगा। भारत ने सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान में पुरुष टी20 दृष्टिबाधित क्रिकेट विश्व कप से हटने का फैसला किया था और इसके कुछ हफ्ते बाद ही यह कदम उठाया गया।

महिलाओं के टूर्नामेंट की मेजबानी के अधिकार पिछले साल भारत को दिए गए थे और सोमवार को आम सालाना बैठक में इसकी पुष्टि की गई जिसमें 11 सदस्य देश मौजूद थे। भारत, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड वर्चुअली बैठक में शामिल हुए। भारत में दृष्टिबाधित क्रिकेट संघ (सीएबीआई) के अध्यक्ष जीके महनतेश ने कहा, 'टूर्नामेंट की मेजबानी का अधिकार पिछले साल (2023) ही भारत को दिया गया था। उस समय यह भी तय किया गया था कि अगर पाकिस्तान की टीम के भारत आने में वीजा की समस्या आती है तो टूर्नामेंट 'हाइब्रिड मॉडल' में आयोजित किया जाएगा। पाकिस्तान अपने सभी मैच तटस्थ स्थल पर खेलेगा।

यह पूछने पर कि पाकिस्तान के मैच कहां होंगे तो महनतेश ने कहा, 'पाकिस्तान की दृष्टिबाधित महिला टीम पूरे टूर्नामेंट के दौरान या तो नेपाल में या श्रीलंका में ही रहेगी। भारतीय टीम नेपाल या श्रीलंका में उनके खिलाफ खेलने के लिए जाएगी। पूरे टूर्नामेंट का खर्च हमारा क्रिकेट बोर्ड उठाएगा। हम इन दोनों देशों में से किसी एक में पाकिस्तानी टीम के रहने का पूरा खर्च वहन करेंगे।% सीएबीआई न ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड से और न ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से मान्यता प्राप्त है।

एडिलेड में पिंक बॉल टेस्ट से पहले चोटिल हुए स्टीव स्मिथ

एडिलेड (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। स्टार ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को भारत के खिलाफ एडिलेड ओवल में दूसरे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट से पहले नेट्स में बल्लेबाजी करते समय दाहिने अंगूठे में चोट लग गई। वह मार्नस लाबुशेन से थ्रोडाउन ले रहे थे, तभी उनके दाहिने अंगूठे में चोट लग गई। एक रिपोर्ट के अनुसार, कुछ देर के लिए उन्होंने बल्लेबाजी करना बंद कर दिया और मार्नस लाबुशेन से बात करते समय काफी दर्द में दिखे।

ऑस्ट्रेलियाई टीम का एक मेडिकल स्टाफ उनके अंगूठे की जांच के लिए नेट्स में आया और स्मिथ ने अंगूठे की स्थिति का पता लगाने के लिए उसे सावधानी से हिलाया। हालांकि उन्हें ज्यादा तकलीफ नहीं हुई, लेकिन वह उसी समय नेट्स से चले गए। थोड़ी देर बाद स्मिथ वापस आ गए और दूसरे नेट्स में बल्लेबाजी करने लगे, ऐसा लग रहा है कि उन्हें कोई दीर्घकालिक चोट नहीं लगी है, जिससे एडिलेड में उनकी भागीदारी प्रभावित हो सकती है।

पर्थ में पहले टेस्ट में स्मिथ ने पहली पारी में गोल्डन हुए जबकि दूसरी पारी में 17 रन पर आउट हो गए। ऑस्ट्रेलियाई टीम 295 रनों से हार गई। अगर ऑस्ट्रेलिया को वापसी करने का कोई गंभीर मौका चाहिए तो उसे अपने प्रमुख बल्लेबाज को फॉर्म में रखना होगा। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (2023-25) चक्र के 13 टेस्ट में स्मिथ ने 26 पारियों में सिर्फ 755 रन बनाए हैं, जिसमें 32.82 का औसत है, जिसमें सिर्फ एक शतक और चार अर्द्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 110 है।

ये भारतीय बल्लेबाज है एलिस्टेयर कुक की नजरों में विश्व का अद्भुत बैटर

भारतीय क्रिकेट का भविष्य बताए जाने वाला यह 22 साल का युवा अपनी कड़ी मेहनत, हुनर और कभी हार न मानने वाले जज्बे के कारण मशहूर है।वैसे तो इस बल्लेबाज की फैन लिस्ट लंबी है, लेकिन इन दिनों इस लिस्ट में एक इंग्लिश दिग्गज क्रिकेटर का नाम भी जुड़ गया है, जिन्होंने यशस्वी को क्लास खिलाड़ी और विश्व के अद्भुत बैटर का तमगा दिया।

नई दिल्ली, एजेंसी। यशस्वी जायसवाल का नाम क्रिकेट जगत में इन दिनों गूंज रहा है। औसत, रन और रिकॉर्ड सबमें ये युवा बल्लेबाज परफेक्ट है। भारतीय क्रिकेट का भविष्य बताए जाने वाला यह 22 साल का युवा अपनी कड़ी मेहनत, हुनर और कभी हार न मानने वाले जज्बे के कारण मशहूर है।वैसे तो इस बल्लेबाज की फैन लिस्ट लंबी है, लेकिन इन दिनों इस लिस्ट में एक इंग्लिश दिग्गज क्रिकेटर का नाम भी जुड़ गया है, जिन्होंने यशस्वी को क्लास खिलाड़ी और विश्व के अद्भुत बैटर का तमगा दिया।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कुक ने भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की तारीफ की है, जिन्होंने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के शुरूआती टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की बड़ी जीत में शानदार 161 रन बनाए। उन्होंने उन्हें एक क्लास खिलाड़ी बताया। साथ ही उन्होंने तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क पर तंज और चुटकी लेने की क्षमता रखने वाले युवा खिलाड़ी के आत्मविश्वास की भी सराहना की।

कुक ने टीएनटी स्पोर्ट्स पर कहा, ह्लहमने यहां उनका जश्न काफी देखा है, लेकिन निश्चित रूप से यह इंग्लैंड की तुलना में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अधिक मजेदार था। स्टार्क को स्लेजिंग करना काफी बड़ी बता है। उस समय वह मुझे लगता है कि वह 100 रन पर नहीं थे, न ही वह किसी बड़े स्कोर थे, लेकिन वह उनसे कह रहे थे कि तुम धीमी गेंदबाजी कर रहे हो। यह काफी हैरान करने वाला और मजेदार था।

उन्होंने आगे कहा, मैंने स्टार्क का सामना किया है और वह निश्चित रूप से धीमी गति से गेंदबाजी नहीं करता है। अगर वह धीमी गति से गेंदबाजी कर रहा होता, तो मैं अपना मुंह बंद रखता और उसे परेशान नहीं करता, लेकिन 22 वर्षीय होते हुए ऐसा करने का माद्दा रखना साफ जाहिर करता है कि उसका आत्मविश्वास

कितना मजबूत है।जायसवाल के नाम इस साल 12 टेस्ट मैचों में 1280 रन हो गए हैं। वह इस साल टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। जबकि, जो रूट के नाम 15 मैचों में 1338 रन हैं। कुक ने कहा, मुझे लगता है कि 15 टेस्ट मैचों के बाद उन्होंने शीर्ष क्रम में किसी भी भारतीय खिलाड़ी की तुलना में सबसे अधिक रन बनाए हैं। ओपनिंग में बल्लेबाजी करने के लिए सबसे कठिन स्थान है। वह कितने शानदार खिलाड़ी हैं, इससे साफ पता चलता है।जायसवाल को एक कैलेंडर वर्ष में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने के लिए 2024 के अंत तक 283 रन बनाने की जरूरत है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने 2010 में 14 टेस्ट मैचों में कुल 1562 रन बनाए थे।

बुमराह एंड कंपनी का सामना करने के लिए तैयार हैं ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज : एलेक्स कैरी

एडिलेड (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी ने कहा कि उनकी टीम एकजुट है और उन्हें विश्वास है कि छह दिसंबर से यहां शुरू होने वाले दूसरे दिन रात्रि क्रिकेट मैच में उनके बल्लेबाज जसप्रीत बुमराह की अगुवाई वाले भारतीय आक्रमण का सामना करने के लिए बेहतर रणनीति के साथ मैदान पर उतरेंगे।

बुमराह ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच में आठ विकेट लेकर भारत की 295 रन से बड़ी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज इस मैच में नहीं चल पाए थे जिससे गेंदबाजों पर भी दबाव बढ़ा। कैरी ने कहा, 'वह (बुमराह) निश्चित तौर पर शानदार गेंदबाज हैं और वह पिछले कई वर्षों से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। हमारे बल्लेबाज भी विश्वस्तरीय हैं और हमेशा समाधान निकालने के तरीके ढूंढते हैं।

उन्होंने कहा, 'हमने उसकी गेंदबाजी का आकलन किया है। उम्मीद है कि हम उसके

पहले दूसरे स्पेल का सामना करने में सफल रहेंगे। हमने पहले टेस्ट मैच की दूसरी पारी में देखा था कि किस तरह से ट्रैविस हेड ने जवाबी हमला किया था। कैरी ने कहा, 'हमें अपने बल्लेबाजों पर पूरा भरोसा है। हम केवल बुमराह ही नहीं, उनके अन्य गेंदबाजों का सामना करने के लिए तरीका ढूंढ लेंगे। भारत पहले टेस्ट मैच में कुछ नए गेंदबाजों के साथ उतरा था और उन्होंने भी अच्छी गेंदबाजी की थी।

ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 534 रन का असंभव लक्ष्य मिलने के बाद जोश हेजलवुड ने मीडिया को अपने बल्लेबाजों से यह पूछने के लिए कहा था कि उन्होंने दूसरी पारी के लिए क्या रणनीति बनाई है। इसके बाद बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बीच दरार की अफवाहें फैल गईं। कैरी ने हालांकि इस तरह की अफवाहों को खारिज कर दिया कि ऑस्ट्रेलिया के ड्रेसिंग रूम में किसी तरह का तनाव है।

उन्होंने कहा, 'अगर आप बल्लेबाजों से पूछें, तो हम सभी बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं और (एक क्रिकेटर के रूप में) आप शतक बनाने के लिए वहां जाते हैं और यदि आप ऐसा नहीं करते हैं, तो मुझे लगता है कि आप कई बार निराश होते हैं। कैरी ने कहा, 'लेकिन हमारी टीम एकजुट है। हम सभी को बल्लेबाजी करने का मौका मिलता है और हम सभी बड़े स्कोर बनाने के लिए उत्सुक हैं और मुझे विश्वास है कि हमारे खिलाड़ी ऐसा करने में सफल रहेंगे।

माफी आलोचना इस आरोप से उपजी है कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने साथी कलाई के स्पिनर तनवीर संघा की जगह जम्पा को मैच में शामिल करने के लिए एनएसडब्लू पर दबाव डाला था।

एडम जम्पा को शेफील्ड शील्ड चयन विवाद पर क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स से मिली माफी

एडिलेड, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर एडम जम्पा को पिछले सप्ताह एससीजी में तस्मानिया के खिलाफ शेफील्ड शील्ड गेम में उनके चयन की सार्वजनिक आलोचना के लिए क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्लू) से माफी मिली है।

सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड के अनुसार, जम्पा को उनके चयन के बारे में एक सप्ताहांत की सार्वजनिक टिप्पणी के बाद सोमवार को फोन के माध्यम से माफी मिली। आलोचना इस आरोप से उपजी है कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने साथी कलाई के स्पिनर तनवीर संघा की जगह जम्पा को मैच में शामिल करने के लिए एनएसडब्लू पर दबाव डाला था। हालांकि, सीए ने कोई निर्देश जारी करने से दृढ़ता से इनकार किया है, यह स्पष्ट करते हुए कि उसने अगले साल के श्रीलंका दौरे के लिए जम्पा पर विचार करने में केवल रुचि व्यक्त की है।

अगर जम्पा शेफील्ड शील्ड गेम में नहीं खेलते, तो वे कैनबरा में दो दिवसीय प्रधानमंत्री एकादश मैच में भाग लेते। क्रिकेट एनएसडब्ल्यू ने सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है, लेकिन जम्पा ने माफी स्वीकार कर ली है और इस स्थिति को गंभीरता से ले रहे हैं, यहां तक कि उन्होंने अपने इंस्टाग्राम बायो को भी मजाकिया अंदाज में अपडेट करते हुए लिखा है, एनएसडब्ल्यू शेफील्ड शील्ड खिलाड़ी। विवाद तब और बढ़ गया जब एनएसडब्ल्यू बोर्ड के निदेशक और चयनकर्ता स्टुअर्ट क्लार्क ने साथी निदेशक एड कोवान के साथ मिलकर जम्पा के चयन की आलोचना की। एबीसी रेडियो पर बोलते हुए, क्लार्क ने दावा किया कि सीए ने जम्पा को शामिल करने का प्रभावी ढंग से आदेश दिया था। क्लार्क ने कहा, ह्लमुझे इससे समस्या है ह्व जब एडम जम्पा की बात आई, तो हमने चर्चा नहीं की क्योंकि इसकी कोई जरूरत नहीं थी ह्व हमें बताया गया कि उन्हें खेलना है। सच कहूं तो, मुझे समझ में नहीं आया कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की टिप्पणी क्या है क्योंकि हमें उनके चयन के बारे में जोरदार बहस करने की जरूरत नहीं थी। उनका चयन पहले से तय था। क्लार्क ने कहा कि वे सीए से स्पष्टीकरण माँगेंगे, उन्होंने कहा कि क्रिकेट एनएसडब्ल्यू से प्राप्त संदेशों से संकेत मिलता है कि जम्पा को शामिल करने पर कोई बातचीत नहीं की जा सकती। आलोचना के बावजूद, जम्पा ने एससीजी गेम में अच्छा प्रदर्शन किया, जिससे लंबे प्रारूप के क्रिकेट में उनकी क्षमता का पता चला। उनका शामिल होना श्रीलंका दौरे के लिए उनकी तत्परता को दिखाने का एक मौका था, और सभी खातों से, उन्होंने प्रभावित किया। क्रिकेट एट अल से बात करते हुए, जम्पा ने अपने सक्रिय दृष्टिकोण का खुलासा किया। जम्पा ने कहा, चार सप्ताह पहले, मैंने बेल्स (जॉर्ज बेली, राष्ट्रीय चयन अध्यक्ष) से पूछा कि क्या मुझे श्रीलंका जाने का मौका मिलेगा। यह कुछ समय से मेरे रडार पर था, और मैं इसके लिए तैयार रहना चाहता हूं ह्व उनका ध्यान श्रीलंका के संभावित अवसर की तैयारी पर बना हुआ है, जो लंबे प्रारूपों में प्रभावी रूप से बदलाव करने की उनकी महत्वाकांक्षा को दशार्ता है।इस स्थिति ने क्रिकेट समुदाय के भीतर भी बहस छेड़ दी है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मार्क टेलर और पूर्व टेस्ट कीपर ब्रैड हैडिन ने जम्पा के चयन की आलोचना की, जबकि क्लार्क और कोवान ने सीए और राज्य चयनकर्ताओं के बीच कथित पारदर्शिता की कमी पर निराशा व्यक्त की। मुझे लगता है कि यह चयन बहुत खराब है,ह्व टेलर ने कहा। जाहिर है (जम्पा) वास्तव में प्रथम श्रेणी क्रिकेट नहीं खेलना चाहते हैं। मुझे यह चयन पसंद नहीं आया, मुझे वास्तव में यह पसंद नहीं आया। मुझे लगता है कि किसी भी राज्य के युवा क्रिकेटरों को यह संदेश देना वाकई बहुत बुरा है।

संक्षिप्त खबरें

पाकिस्तान में पोलियो के तीन नए मामले सामने आने पर कुल संख्या 59 हुई

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान में पोलियो वायरस के तीन नए मामलों की पुष्टि होने के साथ इस वर्ष देश भर में पोलियो के मामलों की कुल संख्या बढ़कर 59 हो गई है। राष्ट्रीय आपातकालीन परिचालन केंद्र (ईओसी) ने यह जानकारी दी है। ईओसी की ओर से सोमवार को पोलियो के मामलों के जारी रिपोर्ट के मुताबिक, एक सप्ताह पहले डेरा इस्माइल खान की द्रजांडा तहसील में एक मामला सामने आया था, जहाँ 27 महीने के एक बच्चा पोलियो से ग्रस्त पाया गया था। पोलियो के नये मामले खैबर पख्तूनख्वा के डेरा इस्माइल खान, कराची के केमारी जिले और काशमोर में पाये गये। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, इस साल, बलूचिस्तान में 26 मामले, खैबर पख्तूनख्वा में 16, सिंध में 15, पंजाब और इस्लामाबाद में एक-एक मामले सामने आए। रिपोर्ट के मुताबिक, अपर्याप्त पोलियो की खुराक या कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले पांच साल से कम उम्र के बच्चों को यह बीमारी प्रभावित करती है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने कहा कि पोलियों की खुराक के बारे में गलत जानकारी के कारण कई बच्चे असुरक्षित हैं। फिलहाल, वे इन चुनौतियों से निपटने और वायरस का खात्मा करने के लिए जुटे हुए हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने यूक्रेन संघर्ष को और बढ़ने से रोकने का आह्वान किया : दुजारिक

कीव। संयुक्त राष्ट्र प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने यूक्रेन में पश्चिमी देश के सैनिकों की संभावित तैनाती के मद्देनजर संयुक्त राष्ट्र वैश्विक समुदाय से संघर्ष को और बढ़ने से रोकने का आह्वान किया है। श्री दुजारिक ने सोमवार को कहा, हम इस संघर्ष समाप्त करने का आह्वान करते हैं तथा किसी भी पक्ष की ओर से इसे और बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित नहीं करना चाहते। हम यूक्रेन और रूस के नागरिकों की खातिर संघर्ष की समाप्ति चाहते हैं। हम महासभा के प्रस्तावों, अंतरराष्ट्रीय कानून और क्षेत्रीय अखंडता के अनुरूप संघर्ष विराम चाहते हैं। पिछले सप्ताह, रूसी विदेश खुफिया सेवा (एसवीआर) ने कहा है कि पश्चिमी देश यूक्रेन की युद्ध क्षमता को बहाल करने के लिए यहां लगभग एक लाख शांति सैनिकों को तैनात करने की योजना बना रहा है। एसवीआर के मुताबिक, पश्चिमी देशों की ओर से यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति संघर्ष समाधान में बाधा डालती है और नाटो देश इस संघर्ष में शामिल हैं। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति रूस को निशाना बनाने के लिये है।

चीन ने अंटार्कटिका में अपना पहला वायुमंडलीय निगरानी स्टेशन स्थापित किया

बीजिंग। चीन ने अंटार्कटिका में अपना पहला वायुमंडलीय निगरानी स्टेशन स्थापित किया है। चीन इस बफीर्ले और संसाधन-संपन्न दक्षिणी महाद्वीप में इस अनुसंधान स्टेशन का निर्माण कर वहां अपनी मौजूदगी को मजबूत कर रहा है। चीन मौसम विज्ञान प्रशासन (सीएमए) के अनुसार, पूर्वी अंटार्कटिका के लार्समैन हिल्स में स्थित झोंगशान नेशनल ऐटमॉसफेरिक बैकग्राउंड एडमिनिसट्रेशन (सीएमए) में रविवार से कामकाज शुरू हो गया है। सीएमए वेबसाइट पर सोमवार को प्रकाशित एक लेख में कहा गया है, यह स्टेशन अंटार्कटिका के वायुमंडलीय घटकों में सांद्रता परिवर्तनों के बारे में निरंतर और दीर्घकालिक परिचालनात्मक अवलोकन करेगा तथा क्षेत्र में वायुमंडलीय संरचना तथा संबंधित विशेषताओं की औसत स्थिति का विश्वसनीय प्रतिनिधित्व प्रदान करेगा। हांगकांग स्थित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की खबर के अनुसार, लेख में कहा गया है कि निगरानी डेटा जलवायु परिवर्तन के प्रति वैश्विक प्रतिक्रिया का समर्थन करेगा। यह चीन का नौवां वायुमंडलीय निगरानी स्टेशन और विदेश में इसका पहला स्टेशन है।

अमेरिका के वरिष्ठ राजनयिक भारत, श्रीलंका, नेपाल की यात्रा करेंगे

वाशिंगटन। दक्षिण और मध्य एशिया के लिए जो बाइडन प्रशासन के प्रमुख राजनयिक इस सप्ताह भारत, श्रीलंका और नेपाल की यात्रा करेंगे। पांच नवंबर को अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनाव के बाद बाइडन प्रशासन के अधिकारियों की यह पहली यात्रा होगी। विदेश विभाग ने बताया कि दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के ब्यूरो के सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू तीन दिसंबर से 10 दिसंबर तक तीन देशों की यात्रा करेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य क्षेत्रीय समृद्धि और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए दक्षिण एशिया में प्रमुख साझेदारों के साथ सहयोग को मजबूत करना है। नयी दिल्ली में लू हिंद-प्रशांत एवं उससे इतर क्षेत्रों में अमेरिका-भारत सहयोग का समर्थन करेंगे।

इथियोपिया में एचआईवी से पीड़ित लोगों के लिए महत्व पूर्ण कदम उठाने की जरूरत : संयुक्त राष्ट्र एजेंसी

प्रात : किरण/ एजेंसी

अदीस अबाबा। इथियोपिया में एचआईवी से पीड़ित विस्थापित लोगों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए संयुक्त राष्ट्र ने महत्वपूर्ण कदम उठाने का आह्वान किया है। हर साल 1 दिसंबर को मनाए जाने वाले विश्व एड्स दिवस के संबंध में सोमवार को जारी एक बयान में एचआईवी/एड्स पर संयुक्त राष्ट्र कार्यक्रम (यूएनएड्स) ने कहा कि इथियोपिया संघर्ष के साथ जलवायु परिवर्तन और विस्थापन से संकट से जूझ रहा है, जिसकी वजह से एचआईवी से पीड़ित लोगों सहित जरूरतमंद लोगों को आवश्यक स्वास्थ्य और अन्य मानवीय सहायता नहीं मिल पा रही है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट में कहा गया, संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने इथियोपिया के दो क्षेत्रों में आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों के लिए हाल ही में चलाए गए संयुक्त मिशन का हवाला देते हुए कहा कि ये क्षेत्र मानवीय संकटों से सबसे अधिक प्रभावित हैं और वह एचआईवी की बढ़ती दरों से जूझ रहे हैं।

एजेंसी ने कहा कि सबसे बड़ी कमी व्यापक स्वास्थ्य सेवा की कमी है, विशेष रूप से एचआईवी से पीड़ित लोगों को इसमें ज्यादा परेशानी आ रही है। इसमें कहा गया है कि मानवीय संकटों के दौरान एचआईवी तथा यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण सेवाएं अक्सर भोजन, आश्रय और रोग नियंत्रण की तत्काल आवश्यकता के सामने नजरअंदाज कर दी जाती हैं। रिपोर्ट में कहा गया, स्वास्थ्य सेवा प्राथमिक सेवाओं तक ही सीमित है। एचआईवी जैसी पुरानी बीमारियों के लिए देखभाल सरकारी अस्पतालों को सौंपी जाती है। इसका मतलब यह है कि सभी रोगियों को परिवहन के साथ-साथ सेवाओं के लिए भुगतान करना होगा और अपने दम पर महत्वपूर्ण चिकित्सा आपूर्ति खरीदनी होगी, जो कई लोगों के लिए असंभव बोझ है। यूएनएड्स ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय संगठन मानवीय आधार पर एचआईवी से निपटने के लिए अपने प्रयासों को आगे बढ़ा रहे हैं, वहीं इथियोपिया में भी यह सुनिश्चित करने के लिए समन्वित प्रयास किया जा रहा है कि एचआईवी से पीड़ित लोगों की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा किया जाए, जिनमें सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में रहने वाले लोग भी शामिल हैं। विश्व एड्स दिवस पर एक संदेश में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा, 2030 तक एड्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में समाप्त करना संभव है, लेकिन यह तभी होगा जब वैश्विक नेता स्वास्थ्य सेवा में बाधाओं को दूर करने और मानवाधिकारों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हों।

गाजा में इजरायली कार्रवाई के कारण 33 इजरायली बंधकों की मौत : हमास

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को हमास द्वारा जारी एक वीडियो में इजरायल के पिछले हमलों की तस्वीरें दिखाई गईं, जिनमें उन क्षेत्रों पर हमला किया गया जहां इजरायली बंधक रखे गए थे। इन हमलों में बंधकों की मौत हुई। वीडियो में कुछ बंधकों के संदेश भी दिखाए गए।

प्रात : किरण/ एजेंसी

गाजा/यरूशलम। हमास ने कहा है कि गाजा पट्टी में मौजूद 33 इजरायली बंधकों की मौत हो चुकी है, जबकि कुछ अन्य बंधक अभी भी लापता हैं। यह मौतें इजरायली सैन्य हमलों के कारण हुई हैं।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को हमास द्वारा जारी एक वीडियो में इजरायल के पिछले हमलों की तस्वीरें दिखाई गईं, जिनमें उन क्षेत्रों पर हमला किया गया जहां इजरायली बंधक रखे गए थे। इन हमलों में बंधकों की मौत हुई। वीडियो में कुछ बंधकों के संदेश भी दिखाए गए। हमास ने चेतावनी दी है कि इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की जिद और लगातार आक्रमण दुश्मन बंधकों की मौत की संख्या बढ़ा रहे हैं। हमास ने कहा, ह्लअगर यह पागलपन भरा युद्ध जारी रहा, तो आप अपने बंधकों को हमेशा के लिए खो सकते हैं। समय रहते कदम उठाएं। यह वीडियो हमास के सैन्य विंग, अल-कसम ब्रिगेड्स, द्वारा शनिवार को जारी एक अन्य वीडियो के दो दिन बाद आया। उस वीडियो में एक इजरायली बंधक, जो अमेरिकी नागरिक भी है, को गाजा में कैद दिखाया गया था। एडन अलेक्जेंडर ने कहा कि वह 420 दिनों से अधिक समय से बंधक हैं। उन्होंने इजरायली सरकार और अमेरिकी राष्ट्रपति-निर्वाचित डोनाल्ड ट्रंप से गाजा में बाकी बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने की अपील की। इससे अलग, सोमवार को इजरायली सेना ने घोषणा की कि एक इजरायली-अमेरिकी सैनिक, जिसे पहले गाजा में बंधक माना जा रहा था, अब मृत घोषित किया गया है। सेना ने उस सैनिक की पहचान कैप्टन ओमर मैक्सिम न्युट्रा (21) के रूप में की, जो 7 अक्टूबर 2023 को हमास के अचानक हमले में मारे गए थे। उनका शव अब भी हमास के पास है।

ओमर न्यूयॉर्क में पैदा हुए थे और इजरायली सेना में टैंक पलटन कमांडर के रूप में सेवा कर रहे थे। 7 अक्टूबर, 2023 के हमास के हमले के जवाब में इजरायल गाजा में बड़े पैमाने पर हमले कर रहा है। इस हमले में करीब 1,200 लोग मारे गए थे और लगभग 250 को बंधक बना लिया गया था। गाजा की स्वास्थ्य एजेंसियों के अनुसार, इजरायली हमलों में अब तक 44,466 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। 5 अक्टूबर से गाजा के उत्तरी हिस्से में इजरायल के हमलों के तेज होने के बाद 3,700 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए या लापता हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग का आगामी ट्रंप प्रशासन की नीतियों पर टिप्पणी से इनकार

प्रात : किरण/ एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि उनके लिए नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों पर टिप्पणी करना उचित नहीं होगा, जिन्होंने अभी तक कार्यभार नहीं संभाला है। उन्होंने कहा कि उन्हें प्रेसिडेंट जो बाइडेन की विदेश नीति पर गर्व है। मिलर ने सोमवार को कहा, देखिए, मुझे नहीं लगता कि मेरे लिए ऐसे प्रशासन की नीतियों पर टिप्पणी करना उचित है जिसने अभी तक पदभार ग्रहण नहीं किया है। हमारे पास एक समय में एक राष्ट्रपति होता है। मुझे यहां खड़े होकर राष्ट्रपति बाइडेन की विदेश नीति के बारे में सवाल पूछे जाने पर खुशी होती है। संभवतः, 21 जनवरी को एक नया विदेश विभाग प्रवक्ता होगा जो राष्ट्रपति ट्रंप की विदेश नीति के बारे में सवालों का जवाब देगा। बता दें ट्रंप लगातार विदेशी मुद्दों पर अपनी राय रख रहे हैं और यह भी बता रहे हैं कि कार्यभार संभालने के बाद वह क्या फैसले ले सकते हैं। सोमवार (03 दिसंबर को) ट्रंप ने हमास को चेतावनी दी कि जनवरी में उनके शपथ ग्रहण से पहले, बंधकों को रिहा कर दिया जाए। अगर ऐसा नहीं होता है तो मध्य पूर्व में उन लोगों को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी जो इसके लिए जिम्मेदार हैं। ट्रुथ सोशल पर लिखते हुए, और किसी भी ग्रुप का नाम लिए बिना, ट्रंप ने सोमवार को अपनी पोस्ट में कहा, 20 जनवरी, 2025 झ जिस दिन मैं गर्व के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में पदभार ग्रहण करूंगा झ से पहले अगर बंधकों को रिहा नहीं किया जाता है तो मध्य पूर्व में इन अत्याचारों को अंजाम देने वालों को बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। बता दें 7 अक्टूबर 2023 को फिलिस्तीनी ग्रुप हमास ने इजरायल में बड़ा हमला किया था। हमास के हमले में करीब 1200 लोग मारे गए थे जबकि 250 से अधिक लोगों को बंधक बनाया गया था। इसके बाद यहूदी राष्ट्र ने फिलिस्तीनी ग्रुप के कब्जे वाली गाजा पट्टी में सैन्य अभियान शुरू किया था। इजरायली हमलों ने गाजा में बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है और हजारों फिलिस्तीनियों की मौत हुई है। इजरायल-हमास युद्ध को शुरू हुए एक साल से भी अधिक समय हो चुका है। इस दौरान एक संक्षिप्त संघर्षविराम हुआ जिसमें लगभग 105 बंधकों को रिहा किया गया था। कुछ बंधकों को इजरायली सैनिकों ने भी बचाया।

बाइडेन प्रशासन पिछले साल से इजरायल और कतर तथा मिस्र सहित अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थों के साथ संघर्ष विराम समझौते पर काम कर रहा है, जिसमें बंधकों की रिहाई भी शामिल है। पिछले महीने मिस्र में मध्यस्थों की बैठक के बाद संघर्ष विराम समझौते के प्रयासों में रुकावट आई। इस बीच हमास ने घोषणा की है कि इजरायली सैन्य अभियानों के कारण गाजा पट्टी में बंधक बनाए गए 33 इजरायली बंधकों की मौत हो गई है, जबकि कुछ अन्य अभी भी लापता हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हमास ने एक वीडियो भी जारी किया जिसमें बताया गया कि बंधकों की हत्या कब और कैसे की गई। और इसके लिए इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को जिम्मेदार ठहराया। हमास ने युद्ध को समाप्त करने और शेष बंधकों को रिहा करने के किसी भी समझौते के तहत गाजा से इजरायल की पूरी तरह वापसी की मांग की। वहीं नेतन्याहू ने का कहना है कि युद्ध तब तक जारी रहेगा जब तक हमास का सफाया नहीं हो जाता।

गिनी: फुटबॉल मैच के दौरान हिंसा में 56 लोगों की मौत पर राष्ट्रपति ने जताया दुख

प्रात : किरण/ एजेंसी

कोनाक्री। गिनी के दूसरे सबसे बड़े शहर एन जेरेकोर में एक फुटबॉल मैच के दौरान हुई हिंसा और भगदड़ में कम से कम 56 लोगों की मौत हो गई। गिनी के राष्ट्रपति ममादी डौम्बौया ने इस घटना पर गहरा दुख जताया है पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। डौम्बौया ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया पेज पर लिखा, मैं लेबे और एन जेरेकोर की बहादुर आबादी, गिनी के लोगों और विशेष रूप से शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करना चाहता हूं, और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री अमादौ ओरी बाह के नेतृत्व में एक आपातकालीन मिशन को नुकसान हुए परिणामों का आकलन करने के लिए भेजा गया है। डौम्बौया के अनुसार, इस दुखद घटना के कारणों का पता लगाने और जिम्मेदारी तय करने के लिए एक जांच आयोग का गठन किया जाएगा। उन्होंने कहा, मैं इस आपदा के बेहतर प्रबंधन के लिए शांति और सौहार्द की अपील करता हूं।

जिससे कि शांति और सामाजिक सामंजस्य के आधार पर साथ रहने की हमारी साझा इच्छा को मजबूती मिल सके। बता दें कि यह हिंसा जनरल मामादी डौम्बौया फाइनल ट्रॉफी मैच के दौरान हुई। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया तनाव तब शुरू हुआ जब खेल के अंत में एन जेरेकोर को पेनल्टी दी गई, इसका लेबे टीम के खिलाड़ियों ने तीखा विरोध किया। स्थिति तब और बिगड़ गई, जब सुरक्षा बलों ने आंसू गैस का इस्तेमाल किया। इससे स्टेडियम के एकमात्र एग्जिट गेट की ओर भाग रहे दर्शकों में अफरा-तफरी मच गई। कुछ लोगों की कथित तौर पर आंसू गैस से मौत हो गई। वहीं अन्य लोग स्टेडियम की दीवारों पर चढ़ने की कोशिश में भगदड़ में घायल हो गए या मारे गए।

मेरे शपथ ग्रहण से पहले छोड़ दो बंधक नहीं तो चुकानी पड़ेगी भारी कीमत : ट्रंप का हमास को अल्टीमेटम

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हमास ने एक वीडियो भी जारी किया जिसमें बताया गया कि बंधकों की हत्या कब और कैसे की गई। और इसके लिए इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को जिम्मेदार ठहराया। हमास ने युद्ध को समाप्त करने और शेष बंधकों को रिहा करने के किसी भी समझौते के तहत गाजा से इजरायल की पूरी तरह वापसी की मांग की। वहीं नेतन्याहू ने का कहना है कि युद्ध तब तक जारी रहेगा जब तक हमास का सफाया नहीं हो जाता।

प्रात : किरण/ एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमास को चेतावनी दी है कि जनवरी में उनके शपथ ग्रहण से पहले, बंधकों को रिहा कर दिया जाए। अगर ऐसा नहीं होता है तो मध्य पूर्व में उन लोगों को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी जो इसके लिए जिम्मेदार हैं।

ट्रुथ सोशल पर लिखते हुए, और किसी भी ग्रुप का नाम लिए बिना, ट्रंप ने सोमवार को अपनी पोस्ट में कहा, 20 जनवरी, 2025 झ जिस दिन मैं गर्व के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में पदभार ग्रहण करूंगा झ से पहले अगर बंधकों को रिहा नहीं किया जाता है तो मध्य पूर्व में इन अत्याचारों को अंजाम देने वालों को बहुत

बांग्लादेश: चिन्मय कृष्ण दास के लिए अदालत में पेश होने से वकीलों का इनकार

जमानत पर सुनवाई 2 जनवरी तक टली

प्रात : किरण/ एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश में देशद्रोह के आरोप का सामना कर रहे पुजारी चिन्मय कृष्ण दास को मंगलवार को बड़ा झटका लगा। दरअसल वकीलों ने अदालत में जमानत की सुनवाई के दौरान उनकी तरफ से पेश होने से इनकार कर दिया। सूत्रों के अनुसार चटगांव कोर्ट ने जमानत की सुनवाई 2 जनवरी तक के लिए टाल दी। बांग्लादेश सम्मिलिता सनातनी जागरण जोत के प्रवक्ता चिन्मय कृष्ण दास को ढाका के हजरत शाहजलाल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उस समय गिरफ्तार किया गया जब वह एक रैली में भाग लेने चटगांव जा रहे थे। पिछले हफ्ते अदालत ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया और जेल भेज दिया। इस बीच, सोमवार को इस्कॉन ने दावा किया कि राजद्रोह के मामले में चिन्मय कृष्ण प्रभु का बचाव करने वाले वकील रमेन रॉय पर पड़ोसी देश में क्रूर हमला किया गया और अब वह एक अस्पताल में जीवन के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इस्कॉन कोलकाता के प्रवक्ता राधारमण दास के अनुसार, रॉय की एकमात्र गलती चिन्मय कृष्ण दास का कोर्ट में बचाव करना था। इस्कॉन कोलकाता के प्रवक्ता ने एक्स पर रॉय की आईसीयू में भर्ती तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, कृपया वकील रमेन रॉय के लिए प्रार्थना करें। उनका एकमात्र कसूर अदालत में चिन्मय कृष्ण प्रभु का बचाव करना था। कट्टपंथियों ने उनके घर में तोड़फोड़ की और उन पर क्रूरतापूर्वक हमला किया, जिससे वह आईसीयू में भर्ती हो गए और अपनी जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। दास ने बांग्लादेशी हिंदुओं की सुरक्षा और पुजारी चिन्मय कृष्ण दास की तत्काल रिहाई की अपील की। बता दें बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार पर अल्पसंख्कों के साथ भेदभाव बरतने, उन्हें, उनके घरों और धार्मिक स्थलों को पर्याप्त सुरक्षा न देने के आरोप लगते रहे हैं। इस बीच, विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार ने अल्पसंख्यकों पर हमलों की घटनाओं को गंभीरता से लिया है और बांग्लादेश के अधिकारियों को अपनी चिंताओं से अवगत करा दिया है।

केन्या के तटीय शहर में भारी बारिश का कहर, एक बच्चे समेत 5 की मौत

नैरोबी,एजेंसी। केन्या के तटीय शहर मोम्बासा में भारी बारिश के कारण पांच लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। मोम्बासा काउंटी के चीफ फायर ऑफिसर इब्राहिम बसाफर ने समाचार एजेंसी सिन्हुआ को बताया कि सोमवार को भारी बारिश के कारण एक दीवार ढह गई, जिससे पांच लोगों की मौत हो गई।बसाफर ने कहा, हमें एक निवासी ने बारिश में गिरी दीवार के बारे में जानकारी लेने के लिए बुलाया था, जहां हमने पाया कि तीन लोग पहले ही मौके पर मृत पड़े थे, दो अन्य की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मृतकों में एक बच्चा भी शामिल है। सरकार द्वारा पूर्वी अफ्रीकी देश के कई हिस्सों में भारी बारिश के कारण बाढ़ की चेतावनी जारी करने के दो दिन बाद यह घटना हुई। पश्चिमी केन्या में कई नदियों के उफान पर होने के कारण पूरे देश में जारी बारिश ने तबाही मचाई है।

जायजा चुनाव से पहले ठीक होंगी दिल्ली की खस्ताहाल सड़कें, सीएम आतिशी और केजरीवाल ने बताई सरकार की प्राथमिकता

'संघर्षविराम समझौते के उल्लंघन' के जवाब में इजरायली वायु सेना ने हिजबुल्लाह पर किया हमला

नई दिल्ली, एजेंसी

यरुशलम। इजरायली वायुसेना ने लेबनान में हिज्बुल्लाह आतंकवादियों, दर्जनों लॉन्चरों और आतंकवादी ढांचों पर हमला किया है। इजरायल डिफेंस फोर्स ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर मंगलवार को यह जानकारी दी। इजरायली वायुसेना ने अपने एक्स पर कहा, हाल ही में, इजरायली वायुसेना (आईएएफ) ने लेबनान में हिजबुल्ला आतंकियों, उनकी लॉन्च साइट्स और आतंकवादी ढांचों पर हमला किया। इसके अलावा, दक्षिणी लेबनान के बर्घोज इलाके में एक लॉन्चर को भी निशाना बनाया गया, जहां से दो प्रोजेक्टाइल्स माउंट डोव की ओर दागे गए थे। पोस्ट में आगे कहा गया कि हिजबुल्ला के इन हमलों को इजरायल और लेबनान के बीच हुए संघर्षविराम समझौते का उल्लंघन माना गया है। इजरायल ने लेबनान की संबंधित इकाइयों से मांग की है कि वे अपनी जिम्मेदारी निभाएं और हिजबुल्ला की गतिविधियों को रोकें। साथ ही, इजरायल ने संघर्षविराम समझौते के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा है कि इजरायल राज्य लेबनान में युद्धविराम समझौते की शर्तों को पूरा करने के लिए बाध्य है। इजरायली रक्षा बल (आईडीएफ) ने कहा है कि वे अपनी जनता की सुरक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाने के लिए तैयार हैं और आगे भी इसी तरह काम करते रहेंगे। उल्लेखनीय है कि इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हिजबुल्लाह पर युद्धविराम समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था और समूह द्वारा सीमा के पास दो मोर्टार दागे जाने के बाद मुंहतोड़ जवाब देने की कसम खाई थी। अपने बयान में नेतन्याहू ने सोमवार को कहा कि मोर्टार, जो बिना किसी हताहत के खुले मैदान में गिरे, युद्धविराम का गंभीर उल्लंघनह्व है, जो 27 नवंबर से प्रभावी है, और इजरायल इसका जोरदार जवाब देगा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, नेतन्याहू ने कहा, हम संघर्ष विराम को लागू करना जारी रखने और हिजबुल्लाह द्वारा किसी भी उल्लंघन का जवाब देने के लिए प्रतिबद्ध हैं झ चाहे वह छोटा हो या गंभीर।

वाशिंगटन की कीव को 725 मिलियन डॉलर की अतिरिक्त सैन्य सहायता देने की घोषणा

वाशिंगटन। अमेरिकी सरकार ने रूस के साथ युद्ध में यूक्रेन की तत्काल जरूरतों को पूरा करने के लिए 725 मिलियन डॉलर की अतिरिक्त सैन्य सहायता की घोषणा की। रक्षा विभाग की ओर से सोमवार को जारी एक प्रेस बयान के अनुसार, नवीनतम पैकेज में वायु रक्षा क्षमताएं, रॉकेट सिस्टम, तोपखाने के लिए गोला-बारूद और टैंक रोधी हथियार आदि शामिल हैं। इससे पहले जो बिडेन ने 26 सितंबर को कहा था कि उनका प्रशासन यूक्रेन को तत्काल जरूरी हथियारों और उपकरणों का एक और महत्वपूर्ण पैकेज प्रदान करेगा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, रक्षा और विदेश विभाग की ओर से सोमवार को औपचारिक घोषणाओं से पहले अज्ञात स्रोतों के आधार पर समाचार आउटलेट्स की तरफ से मदद की सूचना दी गई। हाल ही में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने युद्धविराम की अपनी इच्छा जाहिर की। उन्होंने कहा कि उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में यूक्रेन की सदस्यता के बदले वह रूस के साथ संघर्ष के उग्र चरण को समाप्त करने को तैयार हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129